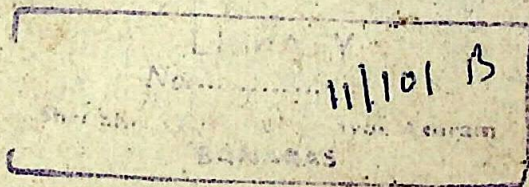


१/१२/१३ राग-बोध
(चतुर्थ भाग)

१७

★



लेखक

प्रा० वा० र० देवघर

देवघर स्कूल ऑफ इण्डियन म्यूझिक

मोदी चेंबर्स, ग्रापेरा हाउस

बम्बई-४

देवधर स्कूल ऑफ इण्डियन म्यूझिक

(स्थापना १९२५)

बम्बई के सर्व संगीत विद्यालयों में

पुराना और मशहूर

इस विद्यालय में शास्त्रिय गायन, वादन और नृत्य सुचारु रूप से
प्रमाणित शिक्षकों द्वारा पढ़ाया जाता है

शिक्षा शुल्क आदि जानकारी के लिये निम्न लिखित
पते पर लिखिये :-

पता :-

रायल ऑपेरा हाउस के सामने
मोदी चेम्बरस

गिराण्व, बम्बई तालावा

राग-बोध

चतुर्थ भाग

लेखक

प्रा० बा० र० देवश्वर

देवधर्स स्कूल ऑफ इण्डियन म्यूझिक

मोदी चेंबर्स, ग्राँपेरा हाऊस के पास

बम्बई-४

प्रथमावृत्ती

सन् १९६५

मूल्य रु. २'५०

श्रीमती चंपावती देवधर
मोदी चेंबर्स, ऑपेरा हाउस के पास
बम्बई-४

मुद्रक :
एजुकेशनल प्रिंटर्स,
जयपुर

प्रस्तावना

राग बोध पुस्तक मालिका के चतुर्थ भ.ग का प्रथम मुद्रण व प्रकाशन आज हो रहा है। इसका उद्देश्य व्यवहार के चालीस पचास रागों की वाक्यादा शिक्षा देने का ही रहा है। एक राग की कमसे कम तीन प्रसिद्ध चीजों के साथ ही एक चीज पर बीस-पचीस आलाप तानें नमूने के तौर पर ही दी गई हैं। इस पुस्तक के लिये करीब करीब सभी पुरानी खानदानी चीजों को चुना गया है। इसमें ग.धर्व महाविद्यालय मडल के बनाये हुये चतुर्थ वर्ष के सभी पाठ्य विषयों का समावेश किया गया है।

तीसरे वर्ष से ख्याल गायकी का आरंभ हो जाता है। आरंभ में विद्यार्थियों में निश्चित समय में विद्यार्थियों को ख्याल गायकी का पूर्ण अभ्यास ब.उ.साध्य है। इसी कारण इस पुस्तक में बड़े ख्यालों के कुछ आलाप और तानें उदाहरण स्वरूप दी गई हैं जिनके अभ्यास से विद्यार्थी अपनी बुद्धि का विकास कर सकता है। इसी के आधार पर आगे ख्याल गायकी को बढ़ाने का अभ्यास किया जाये तो विद्यार्थियों को अवश्य लाभ होगा।

इस पुस्तक में आई हुई अधिकतर चीजें मुझे मेरे गुरु पू. पं. विष्णु दिगंबर पलुस्कर से प्राप्त हुई हैं। मेरे मित्र खाँ साहब बड़े गुलामअली खाँ की बनाई हुई कामोद राग की चीज पुस्तक में सुन्दर रचना व उदाहरण स्वरूप दी गई है। बनस्पली विद्यारीठ के मेरे सहकारी एवं शिष्य श्री राजभाऊ देव और श्री मार सी. नाडकर्णी इन्होंने इस पुस्तक के लेखन में मुझे जो सहायता प्रदान की उसके लिये मैं उनका आभारी हूँ।

बा. र. देवधर

पाठ्यक्रम

मध्यमा चतुर्थ वर्ष

गायन शास्त्र

१. ध्वनि, ध्वनीकी उत्पत्ति, कंपन, आंदोलन, आंदोलन-संख्या, नाद की ऊंचाई-नीचाई का आंदोलन से सम्बन्ध, २२ श्रुतियों में स्वरों का प्राचीन पद्धति में विभाजन, दक्षिण भारतीय तथा भारतीय संगीत पद्धतियों की तुलना, गायकों के गुण दोष आदि विषयों का यथोचित ज्ञान ।
२. निम्नलिखित गवर्नों की परिभाषा तथा स्पष्टीकरण :—
अल्पत्व, बहुत्व, अविभक्ति, तिरोभाव, प्रबंध, चतरंग और तिरवट ।
३. अब तक के सभी रागों का तुलनात्मक अध्ययन ।
४. भिन्न भिन्न लयों को, पंडित विष्णु दिगंबर तथा भातखंडेजी की स्वर लिपि में लिखने की क्षमता ।
५. व्यंकटमखी के ७२ मेलों की गणितामुनार रचना के नियम ।
६. ठाठ-पद्धति के गुण दोषों की संक्षिप्त जानकारी ।
७. निम्नलिखित गायक-वादकों की संक्षिप्त जीवनियां तथा कार्य :—
अमीर खुशरो, स्वामि हरिदास, इनायत खाँ, पं० रामकृष्ण बुवा वगैरे ।
८. निम्नलिखित विषयों पर संक्षिप्त निबन्ध लिखने की क्षमता :—
(१) हनारा संगीत (२) संगीत और आनंद (३) संगीत और जीवन (४) संगीत और साधना (५) संगीत और जनशक्ति

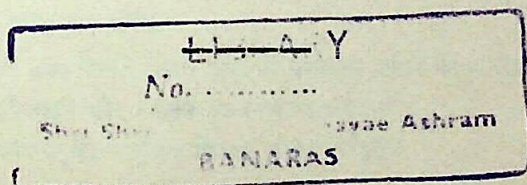
अनुक्रम

विषय	पृष्ठ
शस्त्रीय विवरण	३-११
जीवनीयाँ	१२-१६
१. राग छायानट	१७-२६
(१) बारबर कहि हारी-तीनताल	१८
(२) भनन भनन भन-तीनताल	१९
(३) तों तननन देरे तारे-तीनताल	२१
२. राग वमोद	२७-४०
(१) गोरे बदन पर-भ्रमताल	२८
२) छांड दे मोरा-तीनताल	३०
(३) सज सिंगार चली-चौताल	३१
(४) मोरी नई लगन लागिरे-एकताल	३३
३. राग गौड सारंग	४१-५१
(१) लाल गोपाल पिया-तीनताल	४२
(२) दर दो तना तनों-एकताल	४३
(३) पियु पलन लागी-तीनताल	४५
४. राग जयजयवंती	५२-६३
(१) मालि पिया-भ्रमताल	५३
(२) बिनकी का करिये-तीनताल	५५
(३) मोरे पिया को-तीनताल	५६
(४) शामा शामा सो होरो-धमार	५८

५. राग पूर्वी	६४-७४
(१) एरि ए मैको-तीनताल	६६
(२) कगवा बोले-तीनताल	६७
(३) भवर भवर बोले-तीनताल	६९
६. राग सोहनी	७५-८५
(१) एरि जसोदा तुमे-तीनताल	७६
(२) प्यारा मेंढा-तीनताल	७७
(३) ग्राये मोसे होरी-धमार	७९
७. राग मारवा	८६-९६
(१) माक कवन काज-तीनताल	८७
(२) मोरारे तुमिसन-तीनताल	८८
(३) तानों तन देरेना-सुरफाक्ता	९०
८. राग कालिंगड़ा	९७-१०८
(१) दीन को दयाल-एकताल	९८
(२) अब मोरा पिया-तीनताल	१००
(३) आनंद मंगल गावो-तीनताल	१०१
खयाल गायगी	१०८
१. राग अल्हैया बिलावन	१११-१२१
(१) ते हर नाम-एकताल	११२
२. राग केदार	१२२-१३२
(१) भनकारी परो मोरे-एकताल	१२४
३. राग पूर्वी	१३३-१४४
(१) पियरवा के-एकताल	१३४

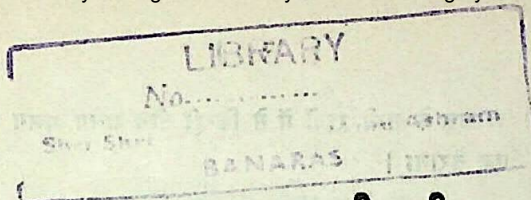
(iii)

४. राग मारवा	१४५-१५२
(१) पिया मोरे प्रनत-तिलवाड़ा	१४६
५. राग गौड़सारंग	१५३-१६४
(१) जिन करो लरकैया-एकताल	१५४
६. राग जयजयवंती	१६५-१७३
(१) बाय (वो) कहाँ-भुमरा	१६६
७. राग छायानट	१७४-१८५
(१) करत हो मांसो-तिलवाड़ा	१७६
८. राग कागोद	१८६-१९८
(१) सबन धन बारू-एकताल	१८७



111

1000-1000	1000-1000	1000-1000
1000-1000	1000-1000	1000-1000
1000-1000	1000-1000	1000-1000
1000-1000	1000-1000	1000-1000
1000-1000	1000-1000	1000-1000
1000-1000	1000-1000	1000-1000
1000-1000	1000-1000	1000-1000
1000-1000	1000-1000	1000-1000
1000-1000	1000-1000	1000-1000
1000-1000	1000-1000	1000-1000



मध्यमा चतुर्थ वर्ष

गायन-क्रियात्मक

१. शुद्ध विकृत स्वरों का गायन तथा पहचान में निपुणता ।
२. अपना वाद्य मिलाने का उचित अभ्यास ।
३. तानों में तैयारी, सुन्दर खटके मुरकी का प्रयोग ।
४. स्थाई, आरोही, अवरोही तथा संचारी के प्रलंकार विभिन्न रागों में बनाने की क्षमता ।
५. आलाप करने की विधि का सामान्य ज्ञान तथा कुछ रोगों में स्वरचित आलाप करने की क्षमता ।
६. पहचानने तथा मिलते जुलते रागों में समानता बताने की क्षमता ।
७. स्वरलिपि पढ़ने और लिखने का सामान्य अभ्यास ।
८. ख्याल गायकी का समुचित विकास होना चाहिये ।
९. इस वर्ष के लिये आठ नये राग रखे गये हैं :—

(१) छायाण्ट (२) कामोद (३) गौड सारंग (४) जयजयवंती
 (५) पूर्वी (६) सोहनी (७) मारवा (८) कालिगडा
 इन रागों की पढाई का स्तर निम्नलिखित अनुसार रहेगा :—

- (अ) उपरोक्त तथा पिछले सभी रागों का स्पष्ट ज्ञान ।
- (ब) उपरोक्त आठ रागों में से हरएक में ढंगदार तानों के साथ छोटा ख्याल ।
- (क) रागरूप स्पष्ट दिखाने वाले प्रचलित रागालाप ।
- (ड) उपरोक्त रागों में से किन्हो दो रागों में दो ध्रुपद और दो धमार, दुगुन चौगुन के साथ ।
- (ई) कालिगडा में धुन तथा भजन ।

(फ) अबतक के सभी रागों में से किन्हीं तीन अलग अलग रागों में एक एक तराना ।

विलांबत गायकी :—

निम्नलिखित रागों में बड़े ख्याल रहेंगे —

(१) विहाग (२) भीमपलास (३) बागेश्री (४) अल्हाया विलावल (५) केदार (६) पूर्वी (७) मारवा (८) गौड़ सारंग (९) कामोद (१०) छायावट (११) जयजयवंती; इनमें से पहले पांच बड़े ख्याल संपूर्ण गायकी के साथ । शेष में थोड़े बंधे आलाप, तान तथा बोलतान रहेंगे । इन छः रागों में से एक में बड़ा ख्याल भुमरा ताल में रहेगा ।

इस तरह इस वर्ष, ८ छोटे ख्याल, ५ संपूर्ण गायकी के बड़े ख्याल, ६ थोड़ो गायकी के बड़े ख्याल, २ धृषद, २ घमार, २ भजन-धुन तथा ३ तराने, कुल मिलाकर २८ गीत होंगे ।

१०. सीखे हुए सभी तालों के ठेके तबला पर बजाने का अभ्यास ।

११. निम्नलिखित लयकारियों का अभ्यास ।

२ में ३, ३ में २, १ में ३ और ३ में १ ।

विहाग (१) भीमपलास (२) बागेश्री (३) अल्हाया

विलावल (४) केदार (५) पूर्वी (६) मारवा (७) गौड़

सारंग (८) कामोद (९) छायावट (१०) जयजयवंती

धृषद (११) घमार (१२) भजन-धुन

तराने (१३) कुल मिलाकर २८ गीत होंगे ।

।

।

।

।

।

(४)

शास्त्रीय विभाग

ध्वनी

ध्वनी की उत्पत्ति, कंठ, आन्दोलन, नाद की ऊँचाईनिचाई के आन्दोलन से संबंध आदि की परिभाषायें एवं उनकी जानकारी राग-बोध के प्रथम द्वितीय तथा तृतीय भाग में आचुकी है ।

२२ श्रुतियों में स्वरों का प्राचिनपद्धति के अनुसार विभाजन :—

श्रुति विभाजन के संबंध में प्राचीन ग्रंथों में निम्नलिखित उदहारण हैं ।

भावार्थ :—षडज, मध्यम, पंचम इनमें से प्रत्येक स्वर की चार चार श्रुतियाँ, निषाद एवं गांधार की दो दो श्रुतियाँ एवं ऋषभ तथा वैवत की तीन तीन श्रुतियाँ इस प्रकार से बाईस श्रुतियाँ का इन सात स्वरों में विभाजन किया गया है ।

प्राचीन काल १३वीं शताब्दी तक माना जाता है । इस काल के ग्रंथकार स्वरों को उनके अन्तिम श्रुति पर रखते थे । अर्थात् उनके शुद्ध स्वर प्रत्येक स्वर को मिली हुई श्रुतियों में से अन्तिम श्रुति पर मानते थे । जैसे :—

सा रे ग
१, २, ३, ४, ५, ६, ७, ८, ९, १०, ११,

म प ध नि
१२, १३, १४, १५, १६, १७, १८, १९, २०, २१, २२,

उपरोक्त व्यवस्था में ऋषभ एवं गांधार पास-पास आते हैं । इस प्रकार वैवत एवं निषाद भी पास-पास ही आते हैं । परन्तु आधुनिक पद्धति में ऐसा

(४)

नहीं है, उसका कारण केवल यही है कि मध्य एवं प्राधुनिक काल के ग्रंथकार स्वरों को उनके प्रथम श्रुति पर रखकर प्रारंभ करते हैं इसलिए स्वरान्तरों में निम्नलिखित अन्तर दिखाई देता है ।

सा	रे	ग	म
१, २, ३, ४, ५, ६, ७, ८, ९, १०, ११,			

प	ध	नी
१२, १३, १४, १५, १६, १७, १८, १९, २०, २१, २२,		

प्राचिन काल में सा चौथी पर, रे सातवीं पर, ग नवीं पर, म तेरहवीं पर, ध बीसवीं पर और नी बाईसवीं श्रुति पर था; लेकिन मध्यकाल एवं प्राधुनिक काल के स्वर इस प्रकार आते हैं ।

सा	रे	ग	म
१, २, ३, ४, ५, ६, ७, ८, ९, १०, ११,			

प	ध	नी
१२, १३, १४, १५, १६, १७, १८, १९, २०, २१, २२,		

मूल संस्कृत श्लोक के अनुसार इन दोनों पद्धतियों में सा, म, प इनमें से प्रत्येक स्वर चार चार श्रुतियों के रे, ध, तीन तीन श्रुतियों के और ग, नी दो दो श्रुतियों के स्वर हैं । फिर भी एक पद्धति में सा को उसके अन्तिम श्रुति पर एवं दूसरी पद्धति में सा को उसके प्रथम श्रुति पर रखने से स्वरान्तरों में उपरोक्त प्रकार से फर्क होता है ।

दक्षिण भारतीय तथा भारतीय संगीत पद्धति की तुलना:—

भारतवर्ष में शास्त्रीय संगीत की दो पद्धतियाँ प्रचलित हैं । एक हिन्दु-स्तानी संगीत पद्धति अथवा उत्तरी पद्धति तथा दूसरी कर्नाटकी संगीत पद्धति अथवा दक्षिणी पद्धति । दक्षिणी भारत के मद्रास, मैसूर, ब्रान्ध, केरेला इत्यादि

राज्यों में कर्नाटक संगीत प्रचार में है तथा भारत के अन्य सभी स्थानों पर उत्तरी पद्धति प्रचलित है। वैसे तो प्रादेशिक संगीत की भारत में बड़ी भिन्नता पाई जाती है किन्तु शास्त्रीय संगीत केवल दो ही पद्धति प्रचार और प्रसार में है।

वैदिक काल से लेकर १२वीं शताब्दी तक भारत में केवल एक ही पद्धति का प्रचलन शास्त्रीय संगीत में था जिसके अन्तर्गत सामवेद की ऋचायें जातिगान एवं अन्य संगीत के प्रबंधों का विकास क्रम रहा है और जिनकी भाषा देवभाषा संस्कृत रही है। कविवर जयदेव की अष्टादशवीं शताब्दी में शास्त्रीय संगीत के प्रबंध रूप में विशेष स्थान पर रही परन्तु ११वीं शताब्दी में धीरे धीरे दो पद्धतियों ने जन्म लिया और दो धाराओं के रूप में परिणत हो गई। हिन्दुस्तानी संगीत पर मुसलमानी संगीत का प्रभाव पड़ने लगा तथा कर्नाटक संगीत पर स्थानिय भाषा जैसे तेलगु, या तामिळ का प्रभाव पड़ने लगा। इन कारणों से दोनों पद्धतियों में मूल सिद्धान्त समान होते हुये भी व्यवहार में काफी अन्तर पड़ गया।

यहां इन दो पद्धतियों के इस अन्तर को हम स्पष्ट करेंगे।

१. दोनों पद्धतियों में सप्तक के १२ स्वर हो माने गये हैं किन्तु स्वरों के नामों में भिन्नता पाई जाती है। हि. सं. पद्धति में स्वरों के शुद्ध और कोमल दो भेद माने जाते हैं किन्तु कर्नाटक में शुद्ध स्वर, साधारण गांधार, अन्तर गांधार, कौषिक निषाद, काकली नी इत्यादि नाम भेद प्रचार में पाये जाते हैं। कर्नाटक पद्धति में कुछ ऐसे भी स्वर हैं जिनके दो नाम हैं। जैसे पंचश्रुति रे, शुद्ध ग, षटश्रुति रे, साधारण ग, पंचश्रुति ध, शुद्ध नो, षटश्रुति ध, कौषिक नी इत्यादि।

२. एक ही स्वर के इस प्रकार दो दो नाम संश्लेषन विधान के कारण ही दाक्षिणात्य पद्धति में एक सप्तक में अधिक से अधिक ७२ धातों की उत्पत्ति हो सकती है जबकि हिन्दुस्तानी संगीत पद्धति में एक सप्तक में अधिक से अधिक ३२ धात ही संभव है।

३. उत्तरी पद्धति में विलावल थाट के स्वरों को शुद्ध स्वर संतक माना जाता है और दक्षिणी में मुखारी मेल के स्वरों को जिसका दूसरा नाम कनकांगी है। दक्षिण के शुद्ध संतक की विशेषता यह है कि उसके शुद्ध स्वरों को विकृत करने की क्रिया में उन स्वरों को केवल ऊँचा किया जाता है न कि नीचा। अर्थात् दक्षिणी पद्धति में उत्तरी पद्धति के सहस्र स्वर कोमल नहीं होते हैं।

४. दोनों पद्धतियों में कुछ राग ऐसे हैं जिनके नाम तो एक ही हैं किन्तु व्यवहार में उनके स्वरों में काफी भिन्नता पाई जाती है जैसे तोड़ी, मालकंस इत्यादि। इसी प्रकार कई राग ऐसे हैं जिनके स्वरों में समानता है किन्तु नाम में भिन्नता पाई जाती है। जैसे उत्तरी पद्धति के भूपाली राग के स्वर कर्नाटक के राग मोहन के स्वर हैं।

५. राग विस्तार में उत्तरी पद्धति के अनुमार वादी-संवादी स्वरों का बड़ा ही महत्व है किन्तु दक्षिणी पद्धति में यह बात नहीं पाई जाती है।

६. शास्त्रीय संगीत में श्लोक गायन पद्धति (संस्कृत प्रबंधादि) के समाप्त होने के बाद प्रबंध रचनाओं में स्थानीय भाषाओं का प्रयोग होने लगा। जो स्वाभाविक ही है। इसी कारण उत्तरी पद्धति में हिन्दी, ब्रजभाषा, पंजाबी, उर्दू, मारवाड़ी इन भाषाओं में प्रबंध (बंदिश या चीज) का प्रचलन हुआ। और दक्षिणात्य पद्धति में तेलगु, तमिल आदि भाषाओं में प्रबंध रचना होने लगी।

७. दोनों पद्धतियों में गायन शैली में स्वरोच्चारण की विशिष्टता के कारण काफी अन्तर हो जाता है। उत्तरी पद्धति में स्थिरता को स्वरोच्चारण में महत्व दिया जाता है जब कि कर्नाटक संगीत में स्वरों के साथ गमक का प्रयोग प्रचुर मात्रा में किया जाता है।

८. दक्षिणात्य संगीत में मयूरवन्मयी, त्यागराज, सामाशास्त्री आदि संत गायकों का विशेष योग रहा है। जिसके कारण कर्नाटक संगीत में प्रचुर मात्रा में भक्ति पूर्ण रचनाओं का ही बाहुल्य है। जहाँ उत्तरी संगीत पद्धति में मुगल

कालीन प्रभाव के कारण शृंगार की प्रबलता पाई जाती है। उत्तरी पद्धति में ध्रुपद, ख्याल, तराना, टप्पा, ठुमरी आदि प्रबंध के प्रचलित प्रकार शास्त्रीय संगीत के अन्तर्गत गाये जाने हैं। तथा कर्नाटकी संगीत में कृति, कीर्तन, तिल्लाना, पद इत्यादि प्रबंध प्रकार प्रचलित।

६. दोनों ही संगीत पद्धति की ताल पद्धति भिन्न है। और रचनात्मक दृष्टि से अपने अपने स्थान पर परिपूर्ण हैं।

इस प्रकार हम देखते हैं कि समान संगीत सिद्धान्तों पर आधारित होते हुये भी यह दोनों पद्धतियां अपने अपने क्षेत्र में महत्व रखती हैं। आशा की जाती है कि निकट भविष्य में अधिक आदान प्रदान के कारण यह एक दूसरे के काफी निकट आजायेंगी।

गायकों के गुण और दोष

संगीत रत्नाकर ग्रंथ में गायकों २२ गुणों एवं २५ अवगुणों का वर्णन मिलता है। उसमें से महत्व के गुण अवगुण इस प्रकार हैं।

गुण

१. सुन्दर एवं मधुर आवाज का होना।
२. शुद्ध वाणी एवं मधुरता से शब्द का उच्चारण होना।
३. बादी, संवादी आदि राग नियमों को सम्हालकर गाना।
४. राग के नियम सम्हालकर उसमें विविधता निर्माण करना।
५. आवाज साफ एवं तीनों सप्तकों में समान रूप से निकलना।
६. आवाज स्वयं के वश में होना एवं स्वर स्थानों को सही रूप में लगाना।
७. लय का पूर्ण ज्ञान एवं ताल पर प्रभुत्व होना।
८. गायन में मग्न होना एवं भावनाओं को व्यक्त करने की क्षमता का होना।

६. गाते समय चेहरे को प्रसन्नचित्त रखना ।

१०. हाव भाव केवल भावनाओं को व्यक्त करने तक ही सीमित होने चाहिये ।

आवाज में सरलता होनी चाहिये । श्रोताओं की रुचि को देखकर गाना चाहिये । चरित्र उज्ज्वल होना चाहिये । अपनी कला एवं अभ्यास में मग्न होना चाहिये । व्यवहार में नियम बद्धता एवं निगमितता होनी चाहिये ।

अवगुण

दांत मीचकर गाना ।

निरर्थक हाथ पैर पटक कर गाना ।

गाते समय गर्दन फुना कर गाना ।

कर्कश आवाज होना ।

आवाज नीरस एवं शुष्क होना ।

स्वर स्थान बेसुरे लगाना ।

तान अस्पष्ट एवं बेसुरी होना ।

बेताला गाना ।

पूर्ण आवाज बहार न निकालकर मन्द आवाज में गाना ।

गाते समय चेहरा बिगाड़ना ।

राग नियमों को सम्हालकर न गाना ।

शब्द उच्चारण अस्पष्ट होना ।

स्वर्य में मग्न न होकर श्रोताओं के मुंह की ओर देखकर गाना ।

अनियमित व्यवहार होना ।

नशीली वस्तुओं में रुचि होना ।

अभ्यास न करना ।

अल्पत्व और बहुत्व

अल्प अर्थात् थोड़ा उपयोग और बहुत्व याने बहुत उपयोग । कुछ रागों में कुछ स्वर ऐसे होते हैं कि उन स्वरों को बार बार गाकर भी उन्हें महत्व नहीं दिया जाता था या उनपर अधिक न्यास नहीं किया जाता । ये स्वर 'अल्पत्व' कहलाते हैं । कुछ स्वर ऐसे होते हैं कि जो बार बार गाये जाते हैं और उनपर बार बार न्यास करके उनका राग में लगने वाले अन्य स्वरों की अपेक्षा महत्व दिखाया जाता है । यह स्वर बहुत्व लेते हैं । अल्पत्व दो प्रकार से किया जाता है ।

(१) लंघन और (२) अनभ्यास ।

जो स्वर आरोह या अवरोह में वर्ज्य होता है उसे लंघन से अल्पत्व आता है । अर्थात् वह स्वर वर्ज्य स्वर कहलाता है । जैसे राग बिहाग में आरोह में ऋषभ एवं धैवत वर्ज्य है अर्थात् उनका लंघन करके उन्हें अल्पत्व प्राप्त होता, है लेकिन इन स्वरों को अवरोह में लेने पर भी उनको महत्व कम दिया जाता है । इसका मतलब यह हुआ कि बिहाग राग में रे एवं घ स्वरों पर न्यास नहीं किया जाता । यह दो स्वर अवरोह की सीढ़ियाँ हैं मगर उन्हें बहुत महत्व नहीं दिया जाता इसलिये इन दो स्वरों को अनभ्यास द्वारा अल्पत्व प्राप्त है ।

बहुत्व भी दो प्रकार से दिखाया जाता है । (१) अलंघन और (२) अभ्यास राग । में कुछ स्वर ऐसे होते हैं जो राग के आरोहावरोह में वर्ज्य नहीं होते । जो वादी, संवादी भी नहीं होते फिर भी उनको थोड़ा बहुत महत्व यदि न दिया जाय तो राग का वातावरण पूर्ण रूप से स्पष्ट नहीं होता । जैसे बिहाग राग के मध्यम स्वर को योग्य महत्व दिये बिना या बहुत्व दिये बिना पूर्ण रूप से सिद्ध नहीं होती । अभ्यास द्वारा बहुत्व अर्थात् कुछ स्वरों की बार बार गाकर उनपर न्यास करके उनका महत्व बढ़ाया जाता है जैसे बिहाग में पंचम या हमीर में धैवत ।

अविर्भाव, तिरोभाव

किसी राग को गाते समय किसी सम प्रकृतिक राग के मूल राग से समानता रखने वाले छोटे छोटे टुकड़ों का प्रयोग करके दूसरे राग का आभास निर्माण करना ही तिरोभाव है। इसके बाद फिर मूल राग के स्वरों में प्रवेश कर लेने की क्रिया को ही अविर्भाव कहते हैं। वसन्त राग गाते समय थोड़ी देर निषाद स्वर को ऐसा महत्व दिया जाता है जिससे परज का आभास होने लगता है और फिर वसन्त राग के स्वर लेकर इसको समाप्त कर दिया जाता है। इन्हीं दो क्रियाओं को क्रमशः तिरोभाव और अविर्भाव कहते हैं।

चतुरंग

चतुरंग अर्थात् चार अंग अथवा वह गीत जिसके चार प्रकार के अंग होते हैं अर्थात् इस गीत में ख्याल की तरह थोड़ी कविता, थोड़े तराने के बोल या शब्द, थोड़ी सरगम एवं तबले अथवा मृदंग के बोल। वह सब बातें जिस गीत में होती हैं उसे चतुरंग कहते हैं। कभी मृदंग के बोलों के बजाय संस्कृत श्लोक का टुकड़ा भी होता है। यह छोटे ख्याल की तरह मध्यलय में गाया जाता है और इसकी गायकी भी छोटे ख्याल की तरह ही होती है।

त्रिवट, तृवट अथवा तिरवट

ये तराने जैसा ही है। इसमें ना दिर, दिर ऐसे शब्दों के बजाय मृदंग के बोल होते हैं जैसे—धिर धिर तक धी धीना आदि इसकी गायकी तराने जैसी होती है। यह मध्य एवं द्रुत लय में गाया जाता है। पं. व्यंकट मरवी के ७२ पाठों के गणितानुसार रचना के नियम राग बोध के भाग ३ में दिये गये हैं।

थाट पद्धति के गुण दोषों की संक्षिप्त व्याख्या

थाट और मेल यह शब्द समानार्थी हैं। पं. व्यंकट मरवी ने दक्षिणी संगीत में गणितानुसार ७२ मेल प्रयत्न थाट सिद्ध करके राग वर्गीकरण सरल कर दिया। परन्तु हिन्दुस्तानी संगीत में केवल राग रागिणी पद्धति प्रचलित थी। शास्त्रीय दृष्टि में राग रागिणी वर्गीकरण पद्धति में अपना स्थान न ले सकी इसलिये स्व० पं० विष्णुनारायण भातखंडे ने हिन्दुस्तानी संगीत के लिये दस थाटों को मानकर राग वर्गीकरण की आसान और तर्कसंगत पद्धति प्रारंभ की। आज भी अधिकतर यह पद्धति प्रचार में है लेकिन इस पद्धति में भी कुछ दोष हैं। जैसे—कुछ राग, राग में लगने वाले स्वरों के अनुसार थाट में माने गये तो कुछ राग, जिन रागों के अंग से गाये जाते हैं उन रागों के थाट में माने जाते हैं। आग देशकार बिलावल थाट में तथा राग भूय कल्याण थाट में माना गया है, परन्तु दोनों ही राग अर्थात् सा, रे, ग, प, ध सां ये स्वर लेते हैं। यद्यपि इन बातों का पं० भातखंडे ने दिया हुआ स्पष्टीकरण सयुक्तिक है फिर भी विद्यार्थी तो भ्रम में पड़ते हैं इसलिये कुछ विद्वानों का मत है कि थाटों की संख्या बढ़ाई जानी चाहिये। कुछ कहते हैं कि यदि यह संख्या ३२ की गई तो हिन्दुस्तानी पद्धति के सभी राग इनके अन्तर्गत आ सकेंगे। पं० भातखंडे के द्वारा केवल दस ही थाट मानलेने के कारण कई राग जबरदस्ती से यानी थाट में माने वाले स्वर न होते हुये भी उस थाट के प्रमुख रागों के अंग लेते हैं इसलिये उस थाट में माने गये। जैसे रामकली राग में तीव्र म और कोमल निषाद होते हुये भी इसको भैरव थाट में ही माना है। तथापि यह बात स्पष्ट है कि दोष होते हुये भी पं० भातखंडे ने इस पद्धति को प्रारंभ किया और विद्यार्थियों को संगीत सीखने में बहुत मदद की है।

जीवनियाँ

अमीर खुसरो

अमीर खुसरो को ही ख्याल गायकी का जन्म दाता माना जाता है। इनके पिता अमीर मुहम्मद सैफुद्दीन बलबन सबसे पहले हिन्दुस्तान में आये। उन्हें एक पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई और वही अमीर खुसरो थे। इनका जन्म उत्तर प्रदेश के एटा जिले में ई० सन् १२३४ व १२५३ के बीच माना जाता है। बुद्धिमान होने के कारण उस काल की सभी विद्याओं में प्रवीण हो गये तथा गुलाम घराने या वंश के दिल्ली पति गयासुद्दीन बलबन बादशाह के दरबार में वे नौकर हुवे। खिल्जी वंश द्वारा यह राज्य जीतने के बाद वे खिल्जी राजा के दरबार में नौकरी करने लग गये।

देवगिरी पर अल्लाउद्दीन खिल्जी ने १२१४ में चढ़ाई की। उस समय अमीर खुसरो उनके साथ थे। देवगिरी दरबार में गोपाल नायक नामक एक गायक थे। अमीर खुसरो उनके गाने पर बड़े प्रसन्न हुये इसलिये वे उन्हें अपने साथ दिल्ली लेगये। अपना मान बढ़ाने के लिये अमीर खुसरो ने गोपाल नायक के साथ ही प्रतिस्पर्धा करके उन्हें दरबार में पराजित किया मगर विद्या गोपाल नायक से ही प्राप्त की थी। कई फारसी रागों का उन्होंने प्रचार किया जैसे काफ़ी, सरपरदा, नौरोज इत्यादि।

इन्होंने नये प्रकार से रचना की और यही ख्याल की पहली रचना है। अमीर खुसरो की कुछ रचनायें अभी भी गायक गाते हैं। सितार का भी आविष्कार खुसरो ने किया और उसके लिये गतों की रचना की ऐसा माना जाता है। उन्होंने संगीत पर कुछ किताबों की भी रचना की। वे अनेक विद्याओं में प्रवीण थे इसलिये उनका नाम अभी भी लिा जाता है। उनके द्वारा प्रारंभ की गई परंपरा को 'कव्वाल' कहते हैं। इनके द्वारा कुछ नये ताल भी प्रचार में आये। इनकी ७२ साल की उम्र में मृत्यु हुई।

(१३)

स्वामी हरिदास

स्वामी हरिदास का जन्म एक सारस्वत ब्राह्मण के परिवार में अलीगढ़ जिले के खेटेश्वर महादेव के पाम के एक गांव में हुआ था। जन्म काल १६वीं शताब्दी तथा संवत् १५६६ माना जाता है। इस गांव का नाम बाद में हरिदास पुर पड़ गया। इनके पिता का नाम आशुधीर था। वे मुलतान जिले के मूल निवासी थे। इन्हें बचपन से ही संगीत के प्रति रुचि थी। परन्तु उनकी संगीत शिक्षा किसके पास हुई इसका उल्लेख कहीं नहीं मिलता। बचपन से ही वे कृष्ण भक्ति में लीन हो गये थे। २५ वर्ष की आयु में ही वे सन्यास ग्रहण कर वृन्दावन में रहने लगे। इनकी गणना महान भक्त लोगों में की जाती है। इनके द्वारा रचित अनेक भक्ति पूर्ण ध्रुपद अभी भी गाये जाते हैं। 'संगीत कल्प द्रुम' में उनमें से कुछ छाये भी गये हैं। 'भक्त चरित्र' में इनके द्वारा किये गये अनेक चमत्कारों का वर्णन प्राप्त होता है। 'नाद विनाद' ग्रंथ में उनके शिष्यों के नाम उद्धृत हैं। मुख्य शिष्य बैजू, गोपाल नायक, मदनराय, दिवाकर पंडित, सोमनाथ पंडित, तन्ना मिश्र (तानसेन), राजा सौकसन।

तानसेन इन्हीं के शिष्य थे यह बात इतिहास प्रसिद्ध है। स्वयं अकबर बादशाह इनका गायन सुनने वृन्दावन में गये थे। स्वामीजी लोक रंजन के लिये गाते नहीं थे। केवल ईश्वर को प्रसन्न करने के लिये मन्दिर में गाते थे। ६५ वर्ष की आयु में इनका स्वर्गवास होगया।

इनायत खाँ

इनका घराना गायकों तथा वादकों का घराना था। इनका परिवार उत्तर प्रदेश में रहता था। इनायत खाँ के दादा ध्रुपद धमार गाते एवं जलतरंग व सारंगी बजाते थे। इनके पिता इमदाद खाँ सितार एवं सुखबहार के प्रसिद्ध वादक थे। इनके कुछ ग्रामाफोन रेकॉर्ड His Master's Voice Company ने लिये हैं। खाँ सहाब को लखनऊ के नयाब वाहि दगली खाँ ने

दरबारी कलाकार के रूप में ३०० रु० मासिक वेतन पर रखा। लखनऊ की नवाबी समाप्त होने के बाद वे बड़ीदा व इन्दौर दरबार में रहे। यह सन् १९२० में स्वर्गवासी हुये।

इमदाद खाँ के दो पुत्र थे : वहीद खाँ और इनायत खाँ। 'वहीद खाँ' अन्तिम समय में दिल्ली के 'भारतीय कला केन्द्र' में नौकर थे। इनायत खाँ एवं वहीद खाँ की शिक्षा उनके पिता इमदाद खाँ के पास हुई। दोनों ही सितार और सुरवहार में प्रवीण थे। इनायत खाँ सहाब बंगाल में ज्यादा रहे और गौरीपुर के 'ब्रजेन्द्रराय किशोर चौधरी' के पास इन्होंने कई वर्षों तक नौकरी की। बंगाल में इनका शिष्य संप्रदाय बहुत विशाल है।

सन् १९३२-३३ में हर जगह संगीत सम्मेलन और परिषदें होने लगीं और कई स्थानों से इनायत खाँ को आग्रह पूर्वक निमंत्रण मिलने लगे। उन्हें इन परिषदों में अनेक स्वर्ण पदक मिले।

सन् १९३८ में वे इलाहाबाद में संगीत परिषद में भाग लेने आये तो अचानक बीमार पड़ गये। उन्हें तुरन्त कलकत्ता पहुंचा दिया गया और इसी बीमारी में वह स्वर्गवासी हुये।

उनके दो लड़के हैं। ज्येष्ठ पुत्र विलायत खाँ ने बचपन में ही प्रसिद्धि प्राप्त की और कनिष्ठ पुत्र इमरत खाँ भी कुशल सितार वादक हैं।

पं० रामकृष्णबुवा बभ्ने

महाराष्ट्र के एक विद्वान कलाकार पं० रामकृष्णबुवा बभ्ने का जन्म सन् १८७१ में सावन्तवाड़ी संस्थान के ओंकार नामक गांव में हुआ। इनका शिष्य परिवार बहुत बड़ा है। पंडितजी जब केवल १० महीने के थे तब उनके पिताजी का देहावसान हो गया। आर्थिक स्थिति बहुत खराब होने के कारण उनकी माता उन्हें चार साल की अवस्था में ही अपने साथ लेकर कागल नामक

स्थान पर आसणाहिब देशपांडे के घर गृहकार्य हेतु रहने लगी। वझेबुवा को बचपन से ही संगीत में रुचि थी। उनका पाठशाला में बिल्कुल मन नहीं लगता था। इस कारण उन्हें गायन सीखने के लिये उसी गांव के बलवन्तराव पोहिरे के पास रखा। दो साल तक बुवा पोहिरे के पास शिक्षा ग्रहण कर मालवण नामक गांव के श्री विठोबा अण्णा हडप के पास गायन की शिक्षा प्राप्त करने लगे।

उस समय की पद्धति के अनुसार उनकी १२ वर्ष की उम्र में ही शादी होगई, लेकिन इच्छानुसार गायन सीखने को न मिलने के कारण वे घर छोड़कर पूना गये। वहां से बंबई गये और स्वयं के कार्यक्रम देकर उन्होंने धन प्राप्त किया। इसी समय में श्री नानासाहिब पानशे के पास गये। वहां पर उन्हें खाँ साहब बन्देग्रलो खाँ की वीणा एवं चुल्लाबाई का गायन सुनने को मिला। नानासाहिब पानशे मृदंग बजाते थे। उनके ही सुझाव से पंडितजी गायन सीखने के लिये ग्वालियर गये।

ग्वालियर में मधुकर्री मांगना एवं खाँ साहिब निसार हुसैन खाँ के पास गायन सीखना प्रारंभ किया। खाँ साहब की उन्होंने खूब सेवा की परन्तु खाँ साहब निःस्वार्थ भाव सिखाते नहीं थे। बाद में खाँ साहब के साथ वे बुरहानपुर में सरदार भुस्कुटे के यहां गये एवं सरदार साहब की प्रार्थना स्वीकर कर खाँ साहबने वझेबुवा को अच्छी तालीम दी।

खाँ साहब के यहां शिक्षा प्राप्त कर वझेबुवा ने पुरे देश की यात्रा की एवं जहां से जितनी विद्या मिली उन्होंने प्राप्त की। इस कारण उन्हें अनेक प्रसिद्ध कलाकारों का गायन, वादन सुनने को मिला तथा अनेक घरानों की बंदिशों व राग सीखने को मिले। इसके बाद कुछ वर्षों तक वे गोव्रा में रहे।

(१६)

इस काल में उन्होंने वहां के अनेक लोगों को तालीम दी । बाद में वे बेलगांव में रहने लगे और बीच बीच में बंबई पूना में रहकर ट्यूशन करने लगे ।

उनकी आवाज गंभीर एवं रियाजी थी । गाने में वैविध्य था एवं अनेक कठिन राग वे तैयारी से गाते थे । उनके पुत्र पं० शिवरामबुवा वझे भी बहुत अच्छे तैयार गायक होगये थे परन्तु तीन साल पहले ही उनकी बेलगांव में मृत्यु होगई ।

पं० रामकृष्ण बुवावझे अपने जीवन के ७४ वर्ष पूर्ण करके मृत् १९४९ में पूना में इस संसार से सदा सदा के लिये विदा हो गये ।

राग छायानट

यह राग कल्याण थाट से उत्पन्न होता है। इसका वादी स्वर पंचम और संवादी ऋषभ होता है। इस राग में दोनों मध्यम का प्रयोग किया जाता है, किन्तु तीव्र मध्यम का प्रयोग अल्प है, यह केवल पंचम के साथ आरोह में होता है जैसे, रेग, गमप, मप कोई तीव्र मध्यम का उपयोग केवल कण स्वरूप में करते हैं। शुद्ध मध्यम, आरोह और अवरोह, दोनों में लगता है। इसकी पंचम ऋषभ संगती, बड़ी शक्तिदायक व रागवाचक है। गांधार आरोह में वक्र है और निषाद का उपयोग अल्प है। इसके गायन का समय रात्री का दूसरा प्रहर है। इसकी जाति वक्र संपूर्ण कहि जाएगी।

आरोहावरोह स्वरूप

सारे, गमप, पधपप, सां, सां, नीधप, मग, मरेसा।

पकड़

रेग, गमप, म, ग, मरेसा

स्वर विस्तार

- (१) सा, सारे, सा, साध, प, पसासारे, सा, रेग, गमरेसा।
- (२) सा, रेमा, रेग, गम, रेसा, रेगमप, मग, मरेसा।
- (३) रेग, गमप, परे, रेगमप, धध, प, म, ग, मरेसा।
- (४) रेगमप, धधप, परे, रेगमनी, धप, पम, ग, मरेसा
- (५) रेग मप, धपसां, सांधप, पर, रेगमनी, धप, मग, मरेसा।
- (६) रेसा, धनीप, रे, रेगमप, पसांसांरें, सां, धनीप, मग मरेसा।
- (७) रेसा, गमरेसा, प, रेगमप, गमरेसा, सांधप, मग, मरेसा।
- (८) पधप, सां, सांरे, रेंगंगंमरेसां, सां, धनीप, मग, मरेसा।

(१८)

- (६) प॒ध॒प॒प॒ सा॒रे सा॒सा रे॒गम॒ग म॒रेसा॒सा, रे॒गम॒नी ध॒प म॒ग म॒रे सा सा ।
 (१०) रे॒गम॒नीध॒प, सां॒रेंसां॒नीध, रे॒गम॒प म॒ग म॒रे सा॒सा, सां॒सांध॒प
 गम॒ रेसा ।

राग छायाानट

तीनताल (मध्य लय)

गीत १

बार बार कहि हारीं तुमसों, काहेना मानो हमारी बतियां ।
 जावो जावो तुम सन हम नहि बोलें, यूँ ही गमाई हमारी रतियां ॥

स्थाई

सा	प						
ध - प रे	- ग गम प	म	ग म रे	सा	रे सा -		
बा S र बा	S र क S हि	हा S S रि	तु म सों S				
०	३	×	२				

सा				ग		म	
सा - ग मग	म रे - सा	रे ग गम प	सा रे सा -				
का S हे ना S	मा S S नो	ह म री S S	ब ति यां S				
०	३	×	२				

अंतरा

सा नी

प प सां सां	सां सां रें सां	ध ध सां रें	सां - ध नीप
जा वो जा वो	तु मि स न	ह म न हि	बो S ले S S
०	३	×	२

(१६)

प	ग	प
प - रें सां सां - धनीप रे ग गुम प सा रे सा -		
यूँ ऽ हि ग मा ऽ ई ऽ ऽ ह म री ऽ ऽ र ति यां ऽ		
०	३	२
	×	

राग छायाानट

तीन ताल (मध्य लय)

गीत २

भजन भजन भन नननननन बाजे बिछवा बाजे,
 पिया को मिलने को चली जात अपने मंदर सो माई ।
 पूजा करने को निकसी घरसों हों अकेली नार,
 चोम के इनायत बार बार याई ॥

स्थाई

सा	प	ग
प प प सा सा सा सा सा रे रे ग रे गम पध पप		
भ न न भ न न भ न न न न न न न न ऽ न		
×	२	०
		३
म ग म रे सा रे सा - रे ग म - रे - सा -		
बा ऽ ऽ जे बि छु वा ऽ बा ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ जे ऽ		
×	१	०
		३

(२०)

सा

सा सा म ग | प प प - | प धनी सां ध | नी प पध पप |
 पि या के मि | ल न को S | च ली S S जा | S त अ S प S |
 X २ ० ३
 म ग म रे | ग म पध मेप | म ग म रे | सा रे सा - |
 ने S S म | द र सों S S | मा S S S | अ S S ई S |
 X २ ० ३

अंतरा

सां नी नी

प - सां जां | सां सां सां - | ध नी सां रें | सां सां ध प |
 पू S जा क | र ने को S | नि क सी S | ध र सो S |
 X २ ० ३

प

ध ध प - | रे ग म प | - प - प | गं - मं रें |
 हों अ के S | ली S S S | S ना S र | चो S S म |
 X २ ० ३

नी

प

सां - रें - | सां - ध प | ग म रे सा | - रे सा हा |
 के S ई S | ना S य त | बा S र बा | S र मा ई |
 X २ ० ३

(२१)

राग छायानट-तराना

तीनताल (मध्यलय)

तों तननन देरे तारे दानी तों, तनन तनत दानि-(नि) रेदानि दानी तदानि ।

उद तनन दे रेना तनन तन देरेना दिर दिर तननन तन तदरे तदरे यानी ॥

स्थाई

मे

सा	सां	ध	सां		ध	ध	पध	पप		रे	ग	म	पग		म	रे	सा	-		
तों	S	S	त		न	न	दे	S	रे	S	ता	S	रे	दा	S	S	नि	तों	S	
०					३						X					२				

नी	सा																			
सा	सा	सा	म		म	रे	सा	सा		रे	ग	म	(प)		ग	म	रे	सा		
त	न	न	त		न	त	दा	नि		रे	दा	नि	दा		नि	त	दा	नि		
०					३					X					२					

अंतरा

प	प	सां	सां		सां	सां	सां	सां		सां	सां	सां	सां		सां	रें	सां	सां	
उ	द	त	न		न	दे	रे	ना		त	न	न	त		न	दे	रे	ना	
०					३					X					२				

प	प	सां	सां		ध	ध	पप	पप		रे	ग	म	प		ग	म	रे	सा	
दिर	दिर	त	न		न	न	तS	नS		त	द	रे	त		द	रे	दा	नी	
०					३					X					२				

(२२)

राग छायानट

‘बार बार कहि हारी तुमसों’ इस गीत के आलाप और तानें ।

स्थायी के आलाप

- (१) बा ऽ र बा | ऽ र क ऽ हि | सा - - - | ध प सा - |
 ° ३ × २
- () ” ” | ” ” | सा - - - | सारे - मा - |
 ° ३ × २
- (३) ” ” | ” ” | रेग म - प | ग म रे सा |
 ° ३ × २
- (४) बा ऽ र ऽ | प - ध प | गम प म ग | म रे - सा |
 ° ३ × २
- (५) ” ” | रेग म प - | ध ध प - | मग म रे सा |
 ° ३ × २

आगे आलाप खाली से शुरू होते हैं ।

- (६) हां ऽ ऽ रि | तु म सों - | रे ग म नी | ध - प - |
 × २ ° ३
- म ग - मम | रे - सा - |
 × २

(२३)

(७) हा ऽ ऽ रि | तु म सों ऽ | पध पप सां - | रें सा - सां - |

× २ ० ३

सां ध - प | मग म रे सा |

× २

(८) हा ऽ ऽ रि | तु म सों - | पध पप सांभां रें | - सां रें गं |

× २ ० ३

मं रें - सां | धप गम रे सा |

× २

अंतरे के आलाप

(१) जा बो जा धो | तु मि स न | सां - - - | सां रें - सां |

० ३ × २

(२) " " " " | सां रें - सां | पध पप सां - |

० ३ × २

(३) जा बो जा बो | सां रें गं मं | रें - सां - | पसां सांरें - सां |

० ३ × २

स्थाई की बोलतानें ।

(१) बा ऽ र बा | ऽ र क हि | प सा सा सा | - रे सा सा |

० २ × २

बा ऽ र बा | ऽ र क हि |

(२४)

(२) बा ऽ र बा | ऽ र क हि | रेग म रे मग | म रे सा सा |
 बा ऽ ऽ र बा ऽ | ऽ र क हि |
 ० २ X २

(३) ,, ,, | ,, ,, | पध पप रे ग | म प ग म |
 ना ऽ ऽ ऽ र बा | ऽ र क हि |
 ० २ X २

(४) बा ऽ र ऽ | रेग म नी ध | प - गम प | - रे सारे सासा |
 बा ऽ ऽ ऽ र | ऽ ऽ बा ऽ ऽ | ऽ र क ऽ हि ऽ |
 ० २ X २

(५) पध पप प सां | - सां रें सां | सां रें सां सां ध प | गम रे सा - |
 बा ऽ ऽ र बा | ऽ र क हि | हा ऽ ऽ ऽ रि | तु ऽ म सों ऽ |
 ० २ X २

(६) रेग मप गम रे | गम प प सां | रें सां - सांसां | धप गम रे सा |
 बा ऽ ऽ ऽ ऽ र | बा ऽ ऽ र क | ऽ हि ऽ हा ऽ | ऽ रि तु ऽ म सों |
 ० २ X २

(७) प- पसां-सां रेंसां | गम रेंसां-रें सां | प रेंसां ध प | गम रेसा-रे सा |
 बा ऽ र बा ऽ र हि | हा ऽ रि तु ऽ म सों | का हे ना मा नो | हम रि ब ऽ ति यां |
 ० २ X २

(८) मरे साप रेग मप | गम नोध पप गम | पसां-सां रें सां | सांध पग मरे सा |
 बा ऽ र बा ऽ र क हि | हा ऽ रि तु म सों | काहे ऽ ना मानो | हम रि ब ऽ ति यां |
 ० २ X २

(२५)

स्थाई की ताने

(१) बा ऽ र बा | ऽ र कऽ हि | पुपु सासा रेरे सासा |
 ० २ ×

| धनी पुपु सासा रेसा |
 २

(२) " " | " " | पुपु सासा रेरे सासा |
 ० ×

| रेग मग मरे सासा |
 २

(३) " " | " " | सारे सासा रेग मप |
 ० २ ×

| मग मरे सारे सासा |
 २

(४) " " | " " | रेग मनी धप रेग |
 ० २ ×

| मप मग मरे सासा |
 २

(२६)

(५) बा ऽ र बा | " " | रेग मप पप सांसां |

० २ X
धप मग मरे सासा |

२

(६) " " | सारे सासा मरे सासा | पप गम रेसा रेग |

०

२

X

मनी धप गम रेसा |

२

(७) " " | रेग मप पध पर | सांसां धप रेंसा धप |

०

२

X

नीध पप गम रेसा |

२

(८) " " | रेग मरे सासा पसां | रेंसा धप रेंगं मरें |

०

२

X

सांसां धप गम रेसा |

२

(९) सारे सासा रेसा पध | पप धप गम रेसा | पध पप सांरें सांसां |

०

२

X

पध पप गम रेसा |

२

(२७)

१०) रेग मरे सासा पसां | रेसां धप रेगं मंरें | सांसां रेसां सांरें सांसां |

०

२

X

धप धप गम रेसा |

२

११) रेग गम मप गम | रेसा पध धप पसां | रेसां मंमं रेसां धप |

०

२

X

सांभ पग मरे सा |

२

राग कामोद

राग २

यह राग कल्याण भाट से उत्पन्न होता है। इसमें दोनों मध्यम का प्रयोग होता है परन्तु तीव्र मध्यम आरोह में रेप, मप, इस प्रकार लिया जाता है। परन्तु आजकल, तीव्र मध्यम, केवल कण स्वरूप से लेने का प्रघात पाया जाता है। निषाद का प्रयोग अल्प है। इसका वादी स्वर पंचम और संवादी ऋषभ है। इसके गायन का समय रात्री का प्रथम प्रहर है। अवरोह में गांधार वक्र है। इसकी रे प संगती शक्तिदायक है। जाती वक्र संपूर्ण है।

आरोह अवरोह स्वरू

सारप, पधप, सां, सांतीध, प, मप, गम, रेसा ।

पकड़

रेप, मे !, धप, गमप, गम रेसा ।

(२८)

स्वर विस्तार

- (१) सा, नी, ध, प, धपसा, सारे, सा, गमप, गम, रेसा ।
 (२) सारे, सा, नीध, प सा, सारेप, गमप, गम रेसा ।
 (३) सामरेसा, रेसा, पगमरेसा, गमधप, गमरेसा ।
 (४) सा, मरेप, धधप, सांधप, धप, गमप, गमधप, गमरेसा ।
 (५) सारेप, पधप सां, सांरेंसां, सांधप, गमधप, गमप, गमरेसा ।
 (६) मरेसा, पगमरेसा, गमधप, गमरेसा, सांधप, गमप, गमरेसा ।
 (७) रेप, धपसां, सांरेंसां, गंमंरेंसां, सांरेंसांसां, धप, गमरेसा ।
 (८) सारेप, गमरेसारेप, गमधप, गमरेप, सांरेंसांसांधप, गमरेसा ।
 (९) सारेसासा, ममरेसा, पपगमरेसा, सारेपपधमप, गमरेसा ।
 (१०) सारेपपधप सांसांधप गमप गमरेसा, मंमंरेंसांसांधपगमरेसा ।

राग कामोद

भूपताल

गीत १

गोरे बदन पर शामा घिटोना, तिलक भाल प्रीर बूंदन माई ।
 गोरे गोरे कर जामे, हरि हरि चुरियां, पाछे गजर प्रीर बूंदन माई ॥

स्थायी

म	रे	—	प	—	प	प	प	म	प	प
रे										
गो	S	रे	S	ब	द	न	प	S	र	
X		२			०		३			
मे										
प	—	धनी	सांध	प	धप	ग	म	रे		
शा	S	मा S	S धि	टो	S S	ना	S	S		
X		२		०		३				

(२६)

म	मं	नी
रे	प प — ग म	रे सा — सा
ति	ल क ऽ भा ऽ	ल श्री ऽ र
×	२	३

म	म
रे	म सा रे मा
ब्रं	ऽ ऽ द ऽ न
×	२

अंतरा

प	प सां — सां सां	सां सां — सां
गो	रे गो ऽ रे क	र जा ऽ मे
×	२	३

सां	सां	नी	नी	नी
ध	ध सां — रें सां	सां ध प —		
ह	रि ह ऽ रि बु	रि यां या ऽ		
×	२	३		

मं	रें
रें	— पं — गं मं
पा	ऽ छे ऽ ग ज
×	०

म	म
रे	म सा रे सा
ब्रं	ऽ ऽ द ऽ न
×	२

(३०)

राग कामोद

तीनताल मध्यलय

गीत २

छांड दे मोरा अंछरा घर जाने दे मैको, देखत सब लुगवा ।
 प्रबकी बेर मोहे जाने दे सब रंग बल जाऊं तोरे मितवा ॥

स्थायी

३

सा	—	रे		प	—	—	—		ग	म	ध	प
----	---	----	--	---	---	---	---	--	---	---	---	---

छां	S	ड		दे	S	S	S		S	S	मो	रा
-----	---	---	--	----	---	---	---	--	---	---	----	----

				X							२
--	--	--	--	---	--	--	--	--	--	--	---

रे नी नी

गम	पम	रे	सा		म	रे	प	प		सांसां	रेंसां	ध	प		ग	म	ध	प
----	----	----	----	--	---	----	---	---	--	--------	--------	---	---	--	---	---	---	---

अं	S	S	S	छ	रा		घ	र	जा	ने		दे	S	S	S	मै	को		दे	S	ख	त
----	---	---	---	---	----	--	---	---	----	----	--	----	---	---	---	----	----	--	----	---	---	---

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

म म

ग	म	प	प	ध	प		म	रे
---	---	---	---	---	---	--	---	----

स	ब	कु	S	ग	S		वा	S
---	---	----	---	---	---	--	----	---

--	--	--	--	--	--	--	--	--

अंतरा

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

अ	ब	कि	बे		S	र	मो	हे
---	---	----	----	--	---	---	----	----

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

(३१)

सां सां		सां सां	सां
ध ध सां रे	सां सां ध प	रे रे सां —	ध — प —
जा ने दे ऽ	स ब रं ग	ब ल जो री	ऊं ऽ तो ऽ
०	३	×	२

मै मे
ग म पप धप मरे
रे ऽ मि ऽ त ऽ वा ऽ
०

राग कामोद धृपद (चौताल)

गीत ३

सज सिंगार बलि पिया पास, सुन जरद सीते भई जात ।
मंद मंद मुसकात, गेंद जैसी चलत बाल, मधुर मधुर करत बात ॥

स्थाई

सा	सा	सा	रे	प	प	ध	प	प
स	ज	सि	गा	ऽ	र	व	लि	पि
×	०		२		०		३	
							सां	—
							यां	ऽ
							४	

सां	ध	प	प	ध	ध	प	म	रे
पा	ऽ	स	सु	न	ज	र	द	सी
×	०		२		०		३	

							ध	प
							S	ख
							४	
सां	म	रें	सां	ध	प	ग	म	प
म	धु	र	म	धु	र	क	र	त
×		०		२		०		३
							म	रे
							S	त
							४	

राग कामोद

एक ताल मध्यलय

गीत ४

भोरि नइ लगन लागिरे, तुमसे भोंमद सा पियारे,
 सुमिरन करत रहत, निसदिन घडिपल छिन ।
 हूं तो तेहारि बाट तकत हूं सीने ना देत,
 याद तोरी निसदिन भोरि नइ लगन लागीरे ॥

स्थायी

म	रे	प	-	ध	प	ग	म	रे	सा
ला	गि	रे	S	मो	हि	न	इ	ल	ग
×		०		२		०		३	
								-	सा
							S		न
							४		

(३४)

म	रे	प	-	ध	ध	प	-	-	ध
ला	गि	रे	S	तु	म	से	S	S	मों
×		०		२		०		३	

ग	-	म	ध	प	-	गम	प	ग	म
सा	S	S	पि	या	S	रे S	S	सु	मि
×		०		२		०		३	

ध	सा	ध	सा	सा	सा	सा	सा	म	रे
क	र	त	र	ह	त	नि	स	दि	न
×		०		२		०		३	

ध	प	ग	म	ध	प	ग	म	रे	सा
प	ल	छि	न	मो	रि	न	ह	ल	ग
×		०		२		०		३	

-	सा
S	न
४	

(३५)

अंतरा

प - - सां - सां सां रें - सां
 श्रं. S S तो S ते हा S S रि
 X ० २ ० ३

"महादेव" नाम है जो

महादेव के लिये

- -
 S S
 ४

ध S - सां - रें सां सां - ध
 वा S S ट S त क त श्रं.
 X ० २ ० ३

- - - - -
 S S
 ४

रे - म रे सा - सा रे - प -
 म म रे सा - सा रे - प -
 सो ने ना दे S त या S द S
 X ० २ ० ३

- - - - -
 S S
 ४

ध प ग म ध प ग म रे सा
 नि स दि न मो रि न इ ल ग
 X ० २ ० ३

(३६)

-	सा
S	न
४	

“छांड दे मोरा अंछरा”

इस गीत के आलाप तानें

स्थायी के आलाप

- (१) S छां S ड | दे S S S | सा - ध प | सा रे - सा | -
 ३ X २ ० ३
- (२) " " | " " | म रे - सा | - ध प सा | -
 ३ X २ ० ३
- (३) " " | " " | म रे प - | ग म रे - | सा
 ३ X २ ० ३
- (४) S छां S ड | ग म रे सा | - म रे प | - - ग म रे | सा
 ३ X २ ० ३
- (५) " " | सा रे प - | ग म ध प | ग म रे - | सा
 ३ X १ ० ३
- (६) S S मो रा | मं S छ रा | पध पध सां - | रे - सां - |
 २ ० ३ X

(३७)

ध प ग म | ध प ग म रे | सा

२ ० ३

(७) ऽ ऽ मो रा | मं ऽ छ रा | म रे सा - | प ग म रे |

२ ० ३ ×

सा रे सां ध प | ध प ग म रे | सा

२ ० ३

(८) ऽ ऽ मो रा | मं ऽ छ रा | प ध प सां - | मं रे सां ध प |

२ ० ३ ×

सां ध प - | ग म ध प ग म | रे सा

२ ० ३

अंतरे आलाप

(१) म ब कि बा | ऽ र मो हे | सां - - - | ध प सां - |

× २ ० ३

(२) " " | " " | सां रे - सां | प ध प सां - |

× २ ० ३

(३) " " | मं रे सां - | गं मं रे सां | प ध प सां - |

× २ ० ३

(३८)

स्थाई की बोल तानें

- (१) S छां S ड | दे S S S | म रे सा सा | प सा सा रे | सा
 | | | |
 ३ X २ ० ३
- (२) " " " " | पध पप सा रे | सा धप गम रे | सा
 | | | |
 ३ X २ ० ३
- (३) " " " " | पध पप सां रें | सां धप गम रे | सा
 | | | |
 ३ X २ ० ३
- (४) " " " " | ग म ध प | धप सांध -प गम | रेसा
 | | | |
 छां S ड दे | मो S S रा S S भ्रं छ | रा
- (५) सा मरे प - | ध प पसां - | रें सां सांमां मंसां | -रें सां धप गम | रेसा
 | | | |
 छां S ड दे S | मो रा भ्रं S S छ रा ध र जा S | जने दे धर जा S | ने दे
 ३ X २ ० ३
- (६) पसां सां रें सां | गंमं रें सां रेंसां -ध | प गम रेसा -रे |
 | | | |
 ध र जा ने दे | दे S ख त स S S ब | S लुग वाछां S ड |
 X २ ०
- पसा -रे पसा -रे | प
 | | | |
 दे छां S ड दे छां S ड | दे
 ३ X

(३६)

(७) पध पसां -रें सां | गंमं रें सां रें सां धध | प गम रेप -रे |
 घऽ रजा ऽने दे | दे ऽ खत सब लुग | वा छांऽ डदे ऽछां |
 × २ ३

| मरे प -सा -रे | प
 ऽड दे ऽछा ऽड
 ×

स्थायी की ताने

(१) ऽ छां ऽ ऽ | दे ऽ ऽ ऽ | पध पप सासा रेरे |
 ३ × २

| सासा गम रेसा रेरे | सासा

(२) ,, ,, | ,, | सासा रेरे सासा गम |
 ३ × २

| रेसा पप गम पग | मरे

(३) ,, ,, | ,, | सारे पप धप सांसां |
 ३ × २

| धप गम धप गम | रेसा

(४) ,, ,, | ,, | पध पप सांसां धप |
 ३ × २

(४०)

(५) ऽ छां ऽ ड | साम रेप मध पप | गम पग मरे सा |

३

X

२

| पसां सांरें सांसां धप | गम

०

३

(६) ऽ छां ऽ ड | साम मरे रेप धप | पध पप सांसां रेंसां |

३

X

२

| मंमं रेंसां धप गम | रेसा

०

३

(७) सारे साम रेसां, रेम | रेप मरे, रेप मध | पप, पसां सांरें सांसां |

३

X

२

| मंमं रेंसां धप मम | रेसा

०

३

(८) मप मप मम रेसा | पध पध गम गप | गम रेसा, सांरें सांसां |

३

X

२

| सांध पध पध गम | रेसा

०

३

(९) सारे सा, सा रेसा गम | रेसा पध प, प धप | गम धप गम रेसा |

३

X

२

| सांरें सां, सा रेंमां धप | म

०

३

(४१)

(१०) मम रेसा पप गम | रेसा सांसां धप गम | रेसा पप पसां सांसां |

३

X

२

} मंमं मंरें सांसां धप | गम

०

३

राग गौडसारंग

यह राग कल्याण थाट से उत्पन्न होता है। इसका चलन वक्र है। इसमें सभी स्वर लगते हैं इसलिये इसकी जाति वक्र सम्पूर्ण है। इसमें दोनों मध्यम का प्रयोग होता है। तोत्र मध्यम गरेमग, पमप, इस प्रकार आरोह में दो पंचम के बीच में होता है। गांधार और निषाद अवरोह में वक्र हैं। गरेमग इस स्वर वाक्य से यह राग स्पष्ट होता है। वादी गांधार और संवादी धैवत है। इसका ग.ने का समय दिन का द्वितीय प्रहर है।

आरोहावरोह स्वरूप

सा, गरेमग, पमप, धप नीध सां।

सां धनी प, मग, मंरें गरेमग, परे, सा।

पकड़

सा, गरेमग, परे, सा।

(१) सारेसा, गरेमग, पमप, गमगरे, मग, परे, सा।

(२) सारेसा, गरेमग, पधमप, गमगरे मग, परे, सा।

(३) सामग, रेगरेमग, नो. धनीप, मेरमग, प, रे, सा।

(४) प, रेसा, गरेमग, परे, सा, नीधनीप, गरेमग, परे, सा।

(५) पपसां, सांरें, सां, नोधनीप, रेंसां, नीधनीप, मग, परे, सा।

(६) पधप सां, सांरेंसां, गंरेंमग, मंरेंसां, नीधनीप, गरेमग, परे, सां।

(४२)

- (७) पपसां, सांरेंसां, गंरेंमंगपरेंसां, सांरेंसांसां, नीधनीप, मग, परेसा ।
 (८) परे, सा, धप, नीधनीप, सांनीरेंसां गंरेंमंग, गरेमग पपरे, सा ।
 (९) सारेसासा, गरमगपरे, सा, नीधनीपधपप, गरेमगपरे, सा ।
 (१०) पपसांसांरेंरेंसांसां, गंरेंमंगमंरेंसांसां, नीधनीपधपप, गरेमगपरे, सा ।

राग गौडसारंग

तीन ताल (मध्य लय)

गीत १

लाल गोपाल पिया में डेरे घर आइयावे, सखी सहेलि मिल देंदी बधाइयां वे ।
 साथ सखी मिल मंगल गावो सदारंगनु मिल देंदि दुआइयां वे ॥

स्थाई

ग ग ग

— ग रे म	ग रे नी सा	रे रे रे ग	मग पम धप म
S ला ल गो	पा ल पि या	में डे रे ध	र S आइ यां वे
०	३	×	२
ग सा म ग	प प प प	मप धनी सां ध	प पम धप मग
S स खी स	हे लि मि ल	दें S S S S हि	ब धाइ यां वे S
०	३	×	२

अंतरा

प — प प	सां — सां सां	सां — सां सां	सां रें सा —
सो S थ स	खी S मि ल	मं S ग ल	गा S वो S
०	३	×	२

(४४)

ग	म	रे	सा	रे	नी	रे	सा
दा	रे	दा	नी	त	दा	S	नी
X		०		२		०	

अंतरा

म	म	प	-	प	प	सां	ध
ना	द्रे	द्रे	S	तुं	द्रे	द्रे	S
X		०		२		०	
				सां	सां	सां	-
				दिर	दिर	तों	S

घ	नी	सां	रें	सां	नी	ध	प
त	न	नि	त	दा	रे	दा	नी
X		०		२		०	
				मम	मम	पप	पप
				दिर	दिर	दिर	दिर

सां	-	सां	नी	ध	प	मं	प
तों	S	त	न	न	न	न	न
X		०		२		०	
				म	ग	म	रे
				नि	ता	S	रे

(४६)

पध पमं म ग | गम प - रे | सा रे नी सा | प ध मे प |
 राऽ ऽऽ वे ऽ | चैऽ ऽ ऽ न | न हि आ ये | घ ङि प ल |
 × १ ० ३

नी

ग म रे म | ग सा रे सा | ग म रे सा | - रे नी सा |
 छि न दि न | ऽ रे ऽ न | प ल न ला | ऽ गि मो रि |
 × २ ० ३

अंतरा

प - प प | प प नी ध |
 बो ऽ र प | थ क वा ऽ |
 ० ३

सां सां - सां | सां रें सां - | सां रें गं रें | सां रें सां - |
 ले जा ऽ सं | दे स वा ऽ | पि या स न | क हि ये ऽ |
 × २ ० ३

रे

ग ग म घप | म ग रे ग | रे म ग रे | सा - प प |
 हम रि विऽ | था ऽ तु म | रे द र स | को ऽ बि र |
 × २ ० ३

मंप धनी सांरें सांसां | धप मग रेसा नी सा | ग म रे सा | - रे नी सा |
 हाऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ | ऽऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ | प ल न ला | ऽ गो मो रि |
 × २ ० ३

(४७)

'लाल गोपाल पिया' इस गीत के आलाप और तानें

स्थायी के आलाप

- (१) ऽ ला ल गो | पा ल पि या | सा - - नी | धनी प - सा | -
 ० २ × २ ०
- (२) " " | " " | सा - - - | ग रे म ग | -
 ० २ × २ ०
- (३) " " | " " | सा रे - सा | म ग प रे | सां
 ० २ × २ २
- (४) " " | " " | सा ग रे म | ग प रे - | सा
 ० २ × २ ०
- (५) ऽ ला ल ऽ | रेसा सासा ग - | रे म ग - | धनी प मग परे | सा
 ० २ × २ ०
- (६) " " | सा ग रे म ग | पनी पनी मध पप | गम प रे - | सा
 ० २ × २ ०
- (७) " " | सा मग प - | धनी प सांती धनी | प - मग परे | सां
 ० २ × २ ०
- (८) में डे रे ध | र ग्राऽ याऽ वे | पध पप सां - | सां रें सां - |
 × २ ० ३

(४८)

नी धनी प - | मग प रे - | सा

X

२

०

(६) में डे रे ध | र आऽ याऽ वे | पसां सांरें - सां | गं रें में गं |

X

२

०

मं रें सां धप | म ग प रे | सा

X

२

०

(१०) में डे रे ध | र आऽ याऽ वे | गरे मग प रे | सा नीध पध पप |

X

२

०

३

सां गंरें मंगं मंरें | सां धप मग पंरें | - सा

X

२

०

अंतरे के आलाप

(१) सा ऽ थ स | खी ऽ मिल | सां - - - | पध पप सां - |

०

३

X

२

(२) " " | " " | सां रें - सां | नीध पध पप सां |

०

३

X

२

(३) " " | " " | सां गंरें मंगं | मं रें - सां |

०

३

X

३

(४६)

(४) मं ऽ ग ल | गा ऽ वो ऽ | पध पप सां रें सां सां | गं रें मं गं |

० ३ × २

पं रें - सां | पध पप सां - |

० ३

स्थाई की बोलतानें ।

(१) ऽ लाल गो | पा ल पि या | प ध प सा | सा रें रें सा |

० ३ × २

(२) " " | " " | सा रे सा मंग | धन म ग रें |

० ३ × २

(३) " " | " " | पध प प प | से सा रें सा सा |

० ३ × २

(४) " " | " " | पध प प सां | सां पध पप मंग |

० ३ × २

(५) में डे रे ध | र आऽ याऽ बे | सा म ग प | प ध प पनी |

× २ ० ३

(५०)

धनी पध पप म | ग १ रे सा |
 डेऽ रेऽ ऽऽ घ | र आ यां वे |
 × २

(६) में डे रे घ { र आऽ यांऽ वे | पध पर सां सां | रे रे सां सां |
 लाऽ ऽऽ ल गो | पा ल पि या |
 × २ ० ३

सां गं रे मं गं | सांसां धप गरे मग |
 में डेरे घ र | आऽ यांऽ वेऽ ऽऽ |
 × २

(७) में डे रे घ | र आऽ याऽ वे | मम रेसा मग प | प पनी सां रे सां |
 लाऽ लऽ गोऽ पा | ल पीऽ ऽऽ या |
 × २ ० ३

सां गं रे मं गं मं रे सां | सां नी धप मम रेसा |
 में डे रे घऽ रऽ | आऽ याऽ वेऽ ऽऽ |
 × २

(८) में डे रे घ | र आऽ यांऽ वे | धप मम रेसा पनी | धनी पध पप सां |
 लाऽ लऽ ऽऽ गोऽ | ऽऽ पाऽ ल पि ऽ |
 × २ ० ३

सां सां मं गं मं रे | सां धप मम रेसा |
 यां में डे रे घ ऽ | र आऽ यांऽ वेऽ |
 × २

(५१)

स्थायी की ताने

(१) ऽ ला ल गो | पा ल पि या | पृष्ठ पृष्ठ सासा रेसा | गरे मग परे -सा |

० ३ × २

(२) " " | " " | सासा गरे मग पम | धप मग परे -सा |

० ३ × २

(३) " " | " " | साम गप धनी पप | गरे मग परे -सा |

० ३ × २

(४) " " | " " | पनी धनी पध पप | सांती धप मम रेसा |

० ३ × २

(५) " " | सासा गरे मग पनी | धनी पध पप मग | धप मग परे -सा |

० ३ × २

(६) " " | मग मम रेसा पम | धप मग परे -सा | सांती धप मम रेसा |

० ३ × २

(७) " " | साम गप मध पप | रमां सांरें सांसां मंमं | रेसां धप मम रेसा |

० ३ × २

(८) में डे रे ध | र आऽ याऽ वे | गम परे -सा पनी | सांरें सांसां गंमं परें |

× २ ० ३

-सां सांरें सांरें सांती | धप गम परे -सा |

(५२)

(६) में हे रे ध | र ग्राऽ ग्राऽ वे | सांम गम मैनी धनो | पध मप मग पसां |
 × २ ० ३

नीरें नीसां धप मग | धप गम परे -सा |
 × २

(१०) में हे रे ध | र ग्राऽ याऽ वे | रेग मग मप धप | पसां रेंसां रेंगं मंगं |
 × २ ० ३

मरें सांसां रेंसां नीध | पध पम मरे सा |
 × २

राग जयजयवन्ती

यह राग खमाज घाट से उत्पन्न होता है। इसका वादी स्वर ऋषभ और संवादी पंचम है। इस राग में दोनों गांधार और दोनों निषाद का प्रयोग किया जाता है। कोमल गांधार का प्रयोग एक विशेष क्रिया से, रेगरे इस प्रकार दो ऋषभ के बीच में किया जाता है। कोमल निषाद आरोह में ध नी रे, इस प्रकार किया जाता है। यह राग रात्री के द्वितीय प्रहर के अन्तिम भाग में गाया जाता है। इसकी जाति वक्र संपूर्ण है।

आरोह अवरोह स्वरूप

सा, रेगरेसा, नीधनीरे, गमप, नीसां।

सानीधप, धगम, रेगरे, सा।

(५३)

पकड़

रे ग रे सा, नी सा ध नी रे ।

स्वर विस्तार

- (१) सा, रेसा, नीधप, परे, रेगरेसा, धनीरे ।
- (२) सा, रेगरेसा, धनीरे, गमग, रेगरेसा ।
- (३) नीसाधनीरे, गमप, धगमरेगरेसा, नीधप, रे ।
- (४) रेगरेसा, रेगमग, रेगरेसा, मपधगम, रेगरेसा ।
- (५) रेगमप, मपनीधप, रेगमपध, गम, रेगरेसा ।
- (६) मपनीसां, नीसांधनीरें, रेंगंरेंसां, नीधपमग, रेगरेसा ।
- (७) मपनीसांरें, सां, रेंगंरेंसां, नीधप, रें, सानीधप, मग, रेगरेसा ।
- (८) मपनीसां, रेंगंरेंसां, रेंगंमंग, रेंगंरेंसां, नीधपमग, रेगरेसा ।
- (९) रेगरेसा, रेगमगरेगरेसा, रेगम, मगरेगरेसा, रेगमपधगम, रेगरेसा ।
- (१०) मपनीसांरेंगंरेंसांनीधपमगमरेगरेसा, सांनीधमग, रेगरेसा ।

राग जयजयवन्ती

भूपताल

गीत १

मालि पीया प्राये मेरे बहुरिया, सूखभयो, कृपा कीनी मोपे कृष्ण माधो मुकुंद ।
बल बल जाऊ तुमरे बलैया दरस परस हगन मतही आनंद ॥

(५४)

स्थायी

-	सा	रे
S	आ	लि
३		

ग	रे	-	रे	-	गरे	रे	ग	ग	य	गम
पी	S	या	S	आ	S	ये	S	मे	रे	S S
X		२				०	३			
म	(म)	ग	रे	ग	रे	-	सा	नीसा	रे	
ब	हु	S	S	S	री	S	या	S S	S	
X		२			०	३				

रे	-	रे	ध	नी	ध	-	प	-	-
सू	S	ख	S	S	भ	S	यो	S	S
X		२			०	३			

प	प	रे	रे	रेग-रे	ग	म	म	मप	प
क	पा	S	की	नी	मो	पे	क	S S	बु
X		२			०	३			

प	पध	गम	गरे	रेग	मपमम	-ग	रेग	रेसा	सारे
मा	S S	S S	घो	S S	मूझ	S S	S S	द	आलि
X		२			०				

(५५)

अंतरा

म	म	प	नी	नी	सां	-	सां	-	-
ब	ल	ब	S	ल	जा	S	ऊं	S	S
×		२			२		३		
म	प	नी	सां	सां	रें	धनीं	गम	रेग	रेसा
तु	म	रे	S	ब	लै	SS	SS	SS	याS
×		२			०		३		
		रे							
ग	ग	ग	-	म	मप	प	म	पसां	नी
द	र	स	S	प	रS	स	ह	गS	म
×		२			०		३		
प			म म						
घ	प	म	ग ग	रे	मपमम	-ग	रेग	रेसा	सारे
म	त	ही	SS	S	म्राSजंS	SS	SS	दS	मालि
×		२			०		३		

राग जयजयवन्ती

तीनताल मध्यलय

गीत २

बिनकी का करिये बात जो पिया के हस रस गरबा लागे !

मपनी मै का करुं बातरी सजनी पूछत नाही सब रंग पिया बिन बाते ॥

(५६)

स्थायी

ग ग म
 ध नी रे - | रे ग म प | म ग म रे | ग रे सा - |
 वि न कि ऽ | का ऽ क रि | ये ऽ ऽ वा | ऽ त जो ऽ |
 ० ३ × २

प फ रे रे | रे ग म प | ध मग - मग | रे गा रे सा |
 पि या ऽ के | ह स र स | म रऽ ऽ वाऽ | ला ऽ मे ऽ |
 ० ३ × २

अंतरा

प
 म प नीप नी | सां - सां सां | नी - सां रें | ध नी (नी) प |
 म प नीऽ मै | का ऽ क रु | बाऽ त रि | सा ज नी ऽ |
 ० ३ × २

प
 प रें रें नी | सां रें नीध नी | ध ग म रेग | रे नीसां रेसा नीध |
 पू छ त ना | हि स बऽ रं | ग पि या बिऽ | न बाऽ ऽऽ तेऽ |
 ० ३ × २

राग जयजयवन्ती

तीनताल मध्यलय

गीत ३

मोरें प्रिया कौ सदैसबा, कैयें आऊ सजनी रजनी मोरभई ।

बाट बिकट भई है निकटो साव । की भर लाग रही ॥

स्थायी

नी सा | म ग - रे | सा ध - नी |
 मो रे | पि या ऽ को | सं दे ऽ स |
 ० २

ग रे - रे ग | रेग मप म ग | रे रे रे ग | रे नी सा - |
 वा ऽ कै से | आऽ ऽऽ ऊ ऽ | स ज नी ऽ | र ज नी ऽ |
 X २ ० ३

नीसा रेग म रे | नी ध
 मोऽ ऽऽ रू भ | ई ऽ
 X २

अंतरा

म प नी नी | सां नी सां सां |
 बा ऽ ट बि | क ट भ ई |
 ० ३

नी सां रें गं | रें नी सां - | सां - नी ध | प म ग मग |
 है ऽ ऽ ऽ | नि क टी ऽ | सा ऽ व न | कि ऽ ऊ रऽ |
 X २ ० ३

म रेम ग रे | सां -
 ऽ लाऽ ग र | ही ऽ
 X २

((५६))

राग जयजयवन्ती

ताल-धमार

गीत ४

शामा शामासो हीरी खेलत आज नई,
 नंद नंदन को राखे कीनो, माधव आप भई ।
 सखा सखि भये, सखि सखा भई, यशु-मति भवन गई,
 बाजत ताल मृदंगे भांज डफ, नाचत थई थई ॥

स्थायी

ग ग ग	रे रे रे रे प	म	गरे	रे ग रेसा	नी सा ध नी
शा S म शा S	म	सो S	हो S	री S	खे S ल त
X	२	०	३		
नी सा रे ग रे	रे	सा	नी सा नी	ध नी ध प	
घा S S S ज	न	ई	न S न्द	न S न्द न	
X	२	०	३		
म प - नी सा	सा	-	रेनी सा सा	ध नी रे रे	
को S S रा S	धे	S	की S S नो	मा S ध व	
X	२	०	३		
रे म प ध म	ग	रे	रे रे गरे	नी सा ध नी	
घा S S S S	S	प	भ ई S S	S S S S	
X	२	०	३		

(५६)

अंतरा

म प नी सां सां	सां	सां	नी सां रें	रें गं रें सां
स खा S स खि	भ	ये	स खि स	खा S भ ई
X	२	०		३
सां नी ध ध नी	ध	प	म ग रे	ग रे नी सा
य शु म ति S	भ	व	न ग ई	S S S S
X	२	०		३
ग				
नी सा रे सा सा	धू	धनी	रे - रे	रे ग रे नी सा
ना S च त ला	S	लमृ	दं S ग	भां S ज ड फ
X	२	०		३
सां रें सां नी ध	नी	ध	ग म ग	नी सा ध नी
ना S च त धि	S	S	धे S S	S S S S
X	२	०		३

‘बिनकी का करिये’ इस गीत के आलाप और तानें

स्थायी के आलाप

(१)	बि न की S	सा - नी ध	प - ध नी	रे - - सा
०		३	X	२
(२)	” ”	नी सा ध नी	रे - - -	ग रे - सा
०		३	X	३
(३)	” ”	रे ग म -	ग - रे ग	रे - - सा
०		३	X	२

(६०)

(४) ,, ,, | रे ग म प | - ध ग म | रे ग रे सा |
 ० ३ × २

(५) ,, ,, | रेग म नी ध | प - ध ग | म रेग रे सा |
 ० ३ × २

(६) ये ऽ ऽ बा | ऽ त जो ऽ | मप की सां - | नी ध प - |
 ० ३ × २

ध ग - म | रेग रे सा - |

× २

(७) ये ऽ ऽ बा | ऽ त जो ऽ | मप नीसां रें - | सां - रें गं |
 × २ ० ३

रें सां नीध पम | गम रेग रे सा }

× २

(८) ये ऽ ऽ बा | ऽ त जो ऽ | ग म रे गुरे | सा ध ग म |
 × २ ० ३

नीध प ध ग | म रे गुरे सा |

×

(९) ये ऽ ऽ बा | ऽ त जो ऽ | मप नीसां रें - | गं मंगं रें गं |
 × १ ० ३

(६१)

रें सां नीध पम | गम रे गुरे सा |

X

२

अंतरे के आलाप

(१) अ ३ नीऽ मै | का ऽ क रु | सां - - - | ध नी रें सां |

०

३

X

२

(२) ,, ,, | ,, ,, | ध नी रें - | रें गुं रें सां |

०

३

X

२

(३) ,, ,, | मप नीसा रें - | रें गु ध नी | प नीसां रें सां |

०

३

X

२

(४) ,, ,, | नी सां ध नी | रें रेंगं मं गं | रें गुं रें सां |

०

३

X

२

स्थाई की बोल तानें

(१) वि न की ऽ | का ऽ क रि | रे रे सा नीसा | रेधु - नी प |

०

३

X

२

(२) ,, ,, | ,, ,, | रे रे सा धनी | प पुरे रे - |

०

३

X

२

((६२))

(३) " " | " " | म ग रे रेग | रे सा रे नी सा
 क रि ये बाऽ S तऽ जो S
 ० ३ X २

(४) " " | प ग रे नीसा | रेध नी प रे | ग म रेग रेसा
 विन कि काऽ S ऊ री ये बा | S S तऽ जोऽ
 ० ३ X २

(५) " " | ग म प गुम | रेग रे सा नीसा | रेध नी प रे
 वि न कि काऽ कऽ रि ये बाऽ S S त जो
 ० ३ X २

(६) " " | मप नीसां रे - | नी सां नीध पम | गम परे ग रे सा
 विन किऽ S S का S करि येऽ बाऽ S S त जो
 ० ३ X २

(७) ये S S बा | S त जो S | गम ग -म रेग | रेसा परे रे गंमं
 विन किका S करि येऽ विन कि काऽ
 X २ ० ३

रेगं रेसां धनी धपु | धग मरे ग रे सा
 करि येऽ बाऽ तजो बाऽ S S त जो
 X २

(८) ये S S बा | S त जो S | मप नीसां नीसां धनी | रे - रे गं रे सी
 विन किऽ काऽ करि ये S बा त जो
 X २ ० ३

(६३)

सां	नी	धप	मप	धरे		गम	घनी	पप	रेरे	
हस	रस	गऽ	ऽर			ऽऽ	वाऽ	ऽला	ऽो	
×						२				

स्थायी की ताने

(१) बि न की ऽ | का ऽ क रि | सां नी धप घनी रेरे | नीसा रेग रेसा नीसा |

० ३ × २

(२) " " | " " | नीसा रेग रेसा रेग | मग रेग रेसा नीसा |

० ३ × २

(३) " " | " " | रेग मग रेग रेसा | पग मग रेग रेसा |

० ३ × २

(४) " " | " " | रेग मप नीध पम | गम रेग रेसा नीसा |

० ३ × २

(५) " " | नीध पध गम रेग | रेसा मप नीसा नीध | पम गम रेग रेसा |

० ३ × २

(६) " " | मप गम रेग रेसा | मप नीसा रें रें सांती | धप मग रेग रेसा |

० ३ × २

(७) " " | नीसा रेसा मप धप | मग नीसा रें सां नीध | पम गम रेग रेसा |

० ३ × २

(६४)

(८) ये ऽ ऽ बा | ऽ त जो ऽ रिग म,ग मप मप | ध,ग मप गम रेग

× २ ० ३

रेसा नीसां रेंसां नीध | पम गम रेग रेसा |

× २

(९) ये ऽ ऽ बा | ऽ त जो ऽ मप मप गम रेग | रेसा सांरें सांरें नीसां

× २ ० ३

नीसां नीध पम पम | गम गम रेग रेसा |

× २

(१०) ये ऽ ऽ बा | ऽ त जो ऽ मग रेग रेसा मप | नीसां नीसां रेंग रेंग

× ३ ० ३

रेंसां नीसां नीसां नीध | पम गम रेग रेसा |

× २

राग पूर्वी

यह राग पूर्वी थाट से उत्पन्न होता है। इसके ऋषभ व धैवत (कीमत) होकर इसमें दोनों मध्यम का प्रयोग होता है। बाकी के सब स्वर शुद्ध हैं। शुद्ध

मध्यम का उपयोग जैसे 'साग' ^{रे} 'मग' अथवा 'मग मग', इन दो स्वर वाक्यों में सीमित है। नात्र मध्यम आरोह अवरोह दोनों में आता है। वादी स्वर गांधार और संवादी निषाद है। इसके गायन का समय दिन का अन्तिम प्रहर है।

(६५)

आरोह अवरोह स्वरु

सा, नीरेगमे, धनीसां । सांतीधप, मंगमग, मंगरेसा ।

पकड़

नीरे, गमग, पमे गमे गरेसा

स्वर विस्तार

- (१) नीरेसा, गरेसा, नीरेनीधप, मेधनीसा ।
- (२) नृरेग, मंगरेसा, नीरे, गमग, मेप, मंग, रेसा ।
- (३) नीरेगमेप, धप, धमेमंगमग, मंधमंगरेसा ।
- (४) नीरेगमेप, मेधप, मंधनीधप, धमेपमंगमेग, रेसा ।
- (५) नीरेगमे, मंधनीधप, मेधमे, सां, नीधप, मंगरेसा ।
- (६) मेधसां, नीरेसां, नीरेगरेसां, नीरेनीधप, मंगरेसा ।
- (७) नीरेगमेधनीसां, मंधमेसां, गं, रेसां, रेनीधप, मंगरेगरेसा ।
- (८) मेधनीसां, गमंधनीसां, नीरेगमंगरेसां, रेनीधपमंगरेसा ।
- (९) नीरेगगरेसा, नीरेगमंगरेसा, नीरेगमंगमंगरेसा,
नीरेगमेधनीनीधपमंगरेसा, नीरेगमंधनीसांनीधपमंगरेसा ।

(६६)

राग पूर्वी

तीनताल (मध्यलय)

गीत १

ए रि ए मैको सब सुख दीनो,
 दूध पूत और अनघन लछिमी,
 किरपा यो गोविंद रंग दीनो ।
 अगम अपारन जगनीस्तारन,
 कृपा करन दुख हरन सुख सदन,
 सब वातन में लायक कीनो ॥

स्थाई

ग	ग	मे	मं	ग	रे	ग	मं	प	ध	प	मे	ग	मं	ग	-
०				३				×				२			
ए	रि	ए	५	मै	५	को	५	स	ब	सु	ख	दि	५	नो	५
०				३				×				२			
मं	-	ग	रे	-	सा	सा	सा	नी	रे	ग	-	रे	सा	सा	सा
०				३				×				२			
दू	५	ध	पू	५	त	औ	र	अ	न	घ	५	न	ल	छि	मि
०				३				×				२			
नी	नी	रे	-	ग	-	मे	ध	नी	सां	नी	ध	प	मे	गम	ग
०				३				×				२			
कि	र	पा	५	यो	५	गो	५	वि	द	रं	ग	दी	५	५५	नो
०				३				×				२			

(६७)

अंतरा

^ध ^ध ^ध
 म' म' ग ग | म' - ध ध | सां सां सां - | सां - रें सां |
 अ ग म अ | पा - र न | ज ग नी S | स्ता S र न |
 ० ३ X २

^ध ^ध
 रें गं - मं | गं रें सा नी | रें नी ध नी | ध - म' - म' ग |
 कृ पा S क | र न दु ख | ह र न सु | ख स द न |
 ० ३ X २

^ध ^र
 ग म ग - | म' ध नी सां | नी रें नी ध | प म' गम - गा |
 स ब बा S | त न मो S | ला S य क | की S SS को |
 ० ३ X २

राग पूर्वी

तीन ताल (मध्य लय)

गीत २

कगवा बोले मोरि अटरिया,
 अटरिया सकुम्भइ लवा,
 सखेरी मोरि भुज फरकन लागे ।
 आवन करो तुम मोरे पियरवा,
 डारु गले फूलन के हरवा,
 सखेरि उन पर तनमन बाह ॥

(६८)

स्थायी

घ घ

ग ग - मे - मे	ग रे ग मे	प घ प मे	ग म ग -
क ग वा ऽ	बो ऽ ले ऽ	मो ऽ री म्र	ट रि या ऽ
०	३	×	२

ग - - मे	घ मे ग ग	रे ग - रे	सा रे सा -
म्र ऽ ऽ ऽ	ट रि या ऽ	सु कु ऽ न्म	ह ल वा ऽ
०	३	×	२

सा नी - रे	ग मे प प	मे घ रे नी	घ मे ग म ग
स खे ऽ रि	मो रि भु ज	फ र क न	ला ऽ ऽ ऽ ने
०	३	×	२

अंतरा

मे मे ग ग	मे - घ मे घ	सां - सां सां	नी रे सां -
प्रा व न क	रो ऽ तु मऽ	मो ऽ रे पि	य र वा ऽ
०	३	×	२

सां - सां सां	सां - सां -	नी घ नी -	रे नी घ प
डा ऽ रु ग	ले ऽ फू	ल न के ऽ	ह र वा ऽ
०	३	×	२

मे ग - ग	मे घ सां सां	रे नी घ र	मं ग म ग
स खे ऽ रि	उ न प र	त न म न	ऽ वा ऽ रु
०	३	×	२

(६६)

राग पूर्वी

तीनताल (मध्यलय)

गीत ३

भवर भवर बोले अत भवरा,

सगुन भयो आवे मोरा पीया ।

बेगी मिले रसखान जो मैको गुनमानू मै तोरा,

सुगज भयो आवे मोरा पिया ॥

स्थायी

मे	मे	ख	नी		ध	प	प	-		धमे	प	मे	पमे		ग	म	ग	-	
भ	व	र	भ		व	र	बो	S		लेS	S	अ	तS		भ	व	रा	S	
०					३					X					२				

ध	मे	ग	रे		सा	-	सा	-		नी	रे	ग	ग		मेमे	गरे	गमे	पध	
स	गु	न	भ		यो	S	आ	S		वे	S	मो	रा		पिS	SS	याS	SS	
०					३					X					२				

अंतरा

मे	-	ग	ग		मे	-	ध	ध		सां	-	सां	सां		नी	रें	सां	-	
वे	S	गि	मि		ले	S	र	स		खा	S	न	जो		मै	S	को	S	
०					३					X					२				

(७०)

नी ध नी रें | नी ध प - | प धमे प - मे | ग म रे ग - |
 गु न मा ऽ | नू ऽ मै ऽ | तो ऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ रा ऽ |
 ० ३ × २

मे
ध मे ग रे | सा - सा - | नी रे ग ग | मे मे ग रे ग मे प ध |
 स गु न भ | यो ऽ आ ऽ | त्रे ऽ मो रा | पि ऽ ऽ या ऽ ऽ |
 ० ३ × २

“कगवा बोले मोरि अटरिया” इस गीत के आलाप और तानें ।

(१) क ग वा ऽ | बो ऽ ले ऽ | सा - - - | नी रे सा - |
 ० ३ × २

(२) ” ” | ” ” | नी रे ग - | - नी रे सा |
 ० ३ × २

(३) ” ” | ” ” | ग मे ग - | रे ग रे सा |
 ० ३ × २

(४) ” ” | ग मे प - | मे ग म ग | - नी रे सा |
 ० ३ × २

(५) ” ” | ग मे ध नी | - ध प - | मे ग म ग |
 ० २ × २

(७१)

(६) मो ऽ रि भ्र | ट रि या ऽ | ग॒मं ध॒नी सां - | रें नी ध प |

X २ ० ३

ध॒मं प - मे | ग॒म ग रे सा |

X २

(७) मो ऽ रि भ्र | ट रि या ऽ | मं ध॒ मं सां | - नी रें सां |

X २ ० ३

रें नी ध प | ध॒मं प॒मं ग॒म ग |

X २

(८) मो ऽ रि भ्र | ट रि या ऽ | मं ध॒ नीसां रें सां | गं रें सां - |

X २ ० ३

रें नी ध प | ध॒मं ग॒मं ग॒रे सा |

X २ ० ३

(९) मो ऽ रि भ्र | ट रि या ऽ | ग॒मं नी॒ध सां - | गं मं॒गं रें सां |

X २ ० ३

रें नी ध प मं॒ग | म ग मं॒ग रेसा |

X २ ० ३

(१०) मो ऽ रि भ्र | ट रि या ऽ | ग॒ग रेसा ध प | मं॒ग मं॒ध नीसां - |

X २ ० ३

मं ग रें सां नी ध्र | मं ग मं ग रे सा |

X

२

०

३

स्थायी की बोलतानें ।

(१) क ग वा S | बो S ले S | ता सा - ध्र | नी रे सा - |
मो रि S अ | ट रि या S |

०

३

X

२

(२) " " | " " | नी रे ग मं मं | ग म ग - |
मो S रि अ S | ट रि आ S |

०

३

X

२

(३) " " | " " | ग मं ध्र मं ग | मं ग रे सा |
मो S रि अ | ट रि या S |

०

३

X

२

(४) " " | " " | ध्र - प मं प मं | ग म ग - |
मो S रि S अ S | ट रि या S |

०

३

X

२

(५) मो S रि अ S | ट रि या S | नी रें ग मं प | ध्र प प मं ध्र |
क ग वा S | बो S ले मो S |

०

३

X

२

नी ध्र प ध्र प | मं ग म ग - |
S री S अ S | ट रि या S |

०

३

(६) मो ऽ रि अऽ | ट रि या ऽ | ग॒मं ध॒नी सां - | रें सां सां - |
 क॒ग वाऽ ऽ ऽ | बो ऽ ले ऽ |
 ० ३ × २

नी॒रें नी॒ध प | नी॒त्र प॒मं प॒ग म॒ग |
 मोऽ ऽ री ऽ | अऽ टऽ ऽ री ऽ या |
 × ३

(७) मो ऽ रि अ | ट रि या ऽ | ग रे सा ध | मं प नी ध |
 क ग वा बो | ऽ ले मो रि |
 ० ३ × २

रें नी॒ध प | नी॒नी ध॒प म॒ग रेसा |
 अ ट रि या | अऽ टऽ रिऽ याऽ |
 ० ३

(८) मो ऽ रि अ | ट रि या ऽ | ग॒मं ध॒नी म॒ध नी॒सां | सां गं रें मं |
 क॒ग वाऽ बोऽ ऽऽ | ले मो रि अ |
 × २ ० ३

गं रें सां रें नी | सां नी ध॒प म॒ग म॒ग |
 ट रि यां सकु | अ॒भ इल वाऽ ऽऽ |
 × २

स्थाई की ताने

(१) क ग वा ऽ | बो ऽ ले ऽ | नी॒रे ग॒ग रेसा नी॒रे | ग॒मं प॒मं ग॒म ग |
 ० ३ × २

(७४)

(२) " " | " " नीरे गम धनी नीध पमे गमे मंग रेसा
 ० ३ X २

(३) " " | " " नीरे गमे धनी सांती धप मेग मंग रेसा
 ० ३ X २

(४) " " | " " नीरे गमे धनी सांरें सांती धप मंग रेसा
 ० ३ X २

(५) " " | नीरे गमे धनी सांरें गंग रेंसां नीध रेंरें सांती धप मेग रेसा
 ० ३ X २

(६) " " | नीरे गमे धनी सांरें गंग रेंरें सांती रेंरें सांती धप मेग रेसा
 ० ३ X २

(७) " " | नीरे गमे पमे गमे धनी सांती रेंग गंरें सांती धप मंग रेसा
 ० ३ X २

(८) मो ऽ रि अ | ट रि या ऽ ममे गतां नीध सांसां नीध पमे नीनी ध,सां
 X २ ० ३

सांती रेंरें सांगं गंरें | सांती धप मेग रेसा |
 X २

(९) मो ऽ रि अ | ट रि या ऽ नीरे गमे गरे गमे धनी धमे धनी रेंग
 X २ ० ३

रेंगं मंगं रेंसां नीरें | सां नी धप मंग रेसा |

X

३

(१०) मो ऽ रि अ | ट रि या ऽ मं मं गरे सा नी नी ध | पं मं गरे सा गंगं |

X

२

०

३

रेंमं' मंगं' रेंसां नी ध | नी नी धप मंग रेसा |

X

२

राग सोहनी

यह राग मारवा थाट से उत्पन्न होता है। इसमें ऋषभ कोमल और मध्यम तीव्र लगता है। पंचम वर्ज है इसलिये जाति षाड़व षाड़व है। यह उत्तरांग प्रधान राग है। और तार षड़ज को अधिक प्राधान्य है। इसके आरोहमें ऋषभ दुर्बल रहता है। वादी धैवत और संवादो गांधार है। गायन समय रात्री का अन्तिम प्रहर है।

आरोहावरोह स्वरूप

साग, मं धनी सा रें सां, नी ध नी ध, ग, मं ध मंग, मंग रे सा ।

पकड़

सां, नी ध नी ध, ग, मं ध नी सां ।

स्वर विस्तार

(१) साग, मं ध मंग, मं ध नी सां रें सां ।

(२) साग, मं ध नी सां, सां रें सां, नी ध नी ध, ग, मंग रे सा ।

- (३) गमं॒ध, मं॒धमं॒ग, मं॒धनी॒सां, नी॒धनी॒ध, ग, मं॒गरे॒सा ।
- (४) सा॒गमं॒ग, धनी॒सां, नी॒रें॒सां, ग॒रें॒सां, नी॒धग, मं॒धमं॒ग, रे॒सा ।
- (५) ग, मं॒धनी॒सां, रें॒सां, सां॒गमं॒ग॒रें॒सां, रें॒नी॒सां, नी॒धम॒गरे॒सा ।
- (६) सा॒ग, मं॒ग, नी॒धमं॒ग, रें॒नी॒सांनी॒धमं॒ग, मं॒गरे॒सा ।
- (७) सा॒गमं॒गरे॒सा, सा॒गमं॒धमं॒गरे॒सा, सा॒गमं॒धनी॒धमं॒गरे॒सां ।
- (८) सा॒गमं॒धनी॒सांनी॒धम॒गरे॒सा, सा॒गमं॒धनी॒सांरें॒सांनी॒धमं॒गरे॒सा ।
- (९) मं॒मं॒गरे॒सा, धनी॒नी॒धमं॒गरे॒सा, नी॒रें॒रें॒सांनी॒धमं॒गरे॒सा ।

राग सोहनी

तीनताल मध्यलय

गीत १

एरि जसोदा तुसे लहंगी लराई तेरे कुवरने घूम मचाई ।
 काऊके सिरसे मटकियां दधकि छिनी,
 काऊके सिरसे घगरिया हूरकाई,
 बीच डगर मोसे निपटत नटवर चांद हसे और त्रिजाक लुगाई ॥

स्थाई

-	ग	ग	ग		मं	ध	नी	सां		नी	रें	सां	रें		नी	-	सां	-	
S	ए	रि	ज		सो	दा	तु	से		ल	हं	गी	ल		रा	S	ई		
०					३					X					२				

(७७)

- रें सां रें | नी सां नी ध | मं - ध नी | धनी सां नी - |
 S ते रे कु | व र ने S धू S म म | चाS S ई S |
 ० ३ X २

अंतरा

- ग ग ग | मं ध नी नी | सां रें सां रें | सां नी सां सां |
 S का ऊ के | सि र से म | ट कि या द | व कि छि नि |
 ० ३ X २

- रें सां रें | सां नी ध ध | मं ध नी नी | ध धनी सां नी |
 S का ऊ के | सि र से ध | ग रि या कु | र काS S ई |
 ० ३ X २

- गं रें मं | गं रें सां सां | ध रें सां रें | सां नी सां सां |
 - बी च ड | ग र मो से | नि प ट त | न ट व र |
 ० ३ X २

- रें सां रें | नी सां नी ध | मं ध नी नी | धनी सां न - |
 S चां द ह | से S ओ र | झि ज कि लु | गाS S ई S |
 ० ३ X २

राग सोहनी

तीनताल मध्यलय

गीत २

प्यारा मेंडा नजर नहि आवंदा खडि पुहारू पी पी पी ।

तनवती मन मंडवा छवाऊ कैसे कर राखू मै जी जी जी ॥

(७८)

स्थायी

मे ध | नो सां - रे | सां नी ध मे |
 प्या रा | में डा ऽ न | जू र ना हि |
 ० ३

धनी सां ध नी | ध ग मे ध | नी सां - रे | सां नी ध मे |
 आऽ ऽ ऽ वं | दा ऽ प्या रा | में डा ऽ न | जू र न हि |
 X २ ० ३

धनी सां ध नी | ध - मे - | ग - मे ग | रे सा - सा |
 आऽ ऽ ऽ वं | दा ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ख डि | पु का ऽ रु |
 X २ ० ३

नीसां - नी धनी - ध | गमं - ग
 पीऽ ऽऽ पीऽ ऽऽ | पीऽ ऽऽ
 X २

अंतरा

| - मे मे ध | सां - सां सां |
 | ऽ त न व | ती ऽ म न |
 ० २

सां नी सां रे | नी - सां - | ध नी सां म' | गं रे सां सां |
 मं ड वा छ | वा ऽ ऊ | कै से क र | रा ऽ खु मै |
 X २ २ ३

(७६)

नीसां	नी	धनी	ध	गम	ग
जीऽ	ऽऽ	जीऽ	ऽऽ	जीऽ	ऽऽ
×				२	

राग सोहनी (धमार)

ताल-धमार

गीत ३

आये मोसे होरी खेलनको सखि कुंवर ब्रजराज ।
ले गुलाल मुख मीडे सबनको, नेक ना करत हैं लाज ॥

स्थायी

मे	ध	नी	सां	रें	-	-	सां	-	रें	नी	सां	सां	-
आ	ये	मो	से	हो	ऽ	ऽ	री	ऽ	खे	ऽ	ल	न	ऽ
३				×					२		०		
नी	ध	नी	ध	मे	ध	-	नी	सां	नी	ध	मे	-	ग
को	ऽ	स	खि	कुं	व	ऽ	र	ऽ	ब्रि	ज	रा	ऽ	ज
३				×					२		०		

अंतरा

मे	-	ध	नी	-	सां	-	सां	-	-
ले	ऽ	गु	ला	ऽ	ऽ	ऽ	ल	ऽ	ऽ
×					२		०		

(८०)

सां रें सां - | सां रें नी सां - | रें नो सां | नी ध - |
 मु ऽ ख ऽ मीं ऽ ऽ डे ऽ सऽ ऽ ब न ऽ |
 ३ × २ ०

नी - ध - | ध नी - रें - | गं - | " गं - |
 को ऽ ऽ ने ऽ ऽ क ऽ ना ऽ क र ऽ |
 ३ × २ ०

रें - सां - | नी - - सां - | रें - | नी - ध |
 त ऽ है ऽ ला ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ज ऽ ऽ |
 ३ × २ ०

“एरी जसोदा तोसे लरूंगी” इस गीत के आलाप और ताने ।

स्थाय के आलाप

(१) ऽ ए रि ज | सी दा तो से | सां रें नी सां | - नी ध नी - | ध
 ० ३ × २ ०

(२) " " | " " | नी - ध सां | - नी रें सां | -
 ० ३ × २ ०

(३) " " | " " | सा ग - - | मं ध मं ध नी सां | -
 ० ३ × २ ०

(४) " " | " " | सां रें सां रें | नी सां नी ध सां | -
 ० ३ × ३ ०

(५) " " | सा ग - मे | ग - ध मे | ग मं ध नी - | सा
 ० ३ × २ ०

(६) " " | रे नी सां - | नी ध नी ध - | ग मं ध नी - | सां
 ० ३ × २ ०

(७) " " | मं ध नी सां - | गं रे सां - | रे नी सां नी ध ती | ध
 ० ३ × २ ०

(८) ल रुं गी ल | रा ऽ ई ऽ | ग मं ध नी सां | गं रे मं गं |
 × २ ० ३

रे सां रे नी सां | नी ध नी ध मं ध | नी सां
 × २ ०

(९) ल रुं गी ल | रा ऽ ई ऽ | सा ग मे ग | ध मे ग नी ध |
 × २ ० ३

सां नी रे सां ग रे | मं ग रे सां नी | ध
 × २ ०

अंतरे के आलाप

(१) ऽ का ऊ के | सि र से भ | सां - - - | नी ध मं ध नी सां |
 ० ३ × २

(८२)

(२) " " | " " | धनी सांरें नी सां | ग मंघ नी सां |
 ० ३ × २

(३) " " | " " | धनी रेंगं - रें सां रेंनी सां नी घ |
 ० ३ × २

(४) " " | " " | रें सां ग रें मं'गं | रें सां नीघ सां |
 ० ३ × २

स्थाई की बोल तानें

(१) S ए रि ज | मो दा तो से | मं ग रे सा - - मंघ मं, घ नीघ नीसां |
 ल रुं गी S S S लS रा SS ईS
 ० ३ × २ ०

(२) " " | " " | ध नी घ ग | मं घ नी सांरें सां |
 ल रुं गी S S ल रा SS ई
 ० ३ × २ ०

(३) " " | " " | सा सा ग - - धग भं घ धनी सां |
 ल रुं गी S लS रा S ईS S
 ० ३ × २ ०

(४) " " | " " | मांरें नीसां नी घ नीनी घ नी सांरें सां |
 लS रुंS गी S लS रा S SS ई
 ० ३ × २ ०

(८३)

(५) " " सा ग ध मं ग नी ध सां नी रें सां - ध नीसां
 ए रि ज सो दा तो से ल रुं गी ऽ ल राई
 ० ३ × २ ०

(६) " " मंग रे सा गमं ध - मं धनी सां सां रें नीसां नीध नीसां
 ऽ री ऽ जसो दा ऽ ऽ तोऽ से लरुं गीऽ लरा ऽई
 ० ३ × २ ०

(७) ल रुं गी ल रा ऽ ई ऽ मं ध नी ध धनी सां रें सां सांग रें मं
 एऽ रीऽ जसो दा तो से ए रि ऽ ज
 × २ ० ३

गं रें सां नीसां धनी सां गमं धमं धनी - सां
 सोऽ दा तो से लरुं गी लरुं गीऽ लरा ऽई
 × २

(८) ल रुं गी ल रा ऽ ई ऽ नीसां नीध नीध धनी सां रें - सां सां नी धमं
 एरी ऽ ज सो दा जसो दा तो से लरुं गीऽ
 × २ ० ३

ग मंग रे सा गमं धनी सां नी सां रें सां रें नीसां
 ऽ लरा ऽई तेरे कुव रने धूऽ मम चाई
 × २

(९) ल रुं गी ल रा ऽ ई ऽ गं रें मं गं रें सां रें नी सां ध नी ध मंग रे सां
 ए रि जसो दाऽ तोऽ सेऽ जसो द तो से
 × २ ० ३

(८४)

गमं धमं धनी सांनी | रेंनो नीसां मंघ मंघ | नीसां
 लहं गील राई तेरे | कुव रते धूम मम | चाई
 × २

स्थायी की ताने

(१) ऽ ए रि ज | सो दा तो से | नीसा मंघ गरे सा | साग मंघ मंग मंग | रेसा
 ° ३ × २ °

(२) ,, ,, | ,, ,, | साग मंघ नोघ मंग | रेसा मंघ नोघ मंग | रेसा
 ° ३ × २ °

(३) ,, ,, | ,, ,, | साग मंघ नोसां नोघ | मंग धनो धमं गरे | सा
 ° ३ × २ °

(४) ,, ,, | ,, ,, | साग मंघ नो, ग मंघ नीसां रेंसां नोघ मंग | रेसां
 ° ३ × २ °

(५) ,, ,, | नीघ मंग रेसा गमं | धनी सारें नोसां नोघ |
 ° ३ ×

गंरें सांनो धमं गरे | सा

२

(८५)

(६) " " | साग मे॒ध मे॒ध नीसां | नीसां रे॒ग मं॒ग रे॒सां |

० ३ X

रे॒सां नी॒ध नी॒ध मे॒ग | रे॒सा

२ ०

(७) ल रुं गो ल | रा ऽ ई ऽ | गमे॒ धमे॒ मे॒ध नी॒ध धनी सां॒नी सां॒रे नीसां |

X २ ० ३

रे॒सां नी॒ध नी॒ध मं॒ग | मं॒ग रे॒सा गमे॒ धनी | सां

X २

(८) ल रुं गो ल | रा ऽ ई ऽ | साग मे॒ध मं॒ग, मं॒ध नीसां नी॒ध धनी सां॒रे |

X २ ० ३

सां॒नी, सां॒ग मं॒ग रे॒सां | नीसां रे॒सां नी॒ध मं॒ग | रे॒सा

X २

(९) ल रुं गो ल | रा ऽ ई ऽ | मे॒मे मे॒नी नी॒नी धमे॒ | ग॒रे सा मं॒म मे॒नी |

X २ ० ३

नी॒नी मं॒म मं॒ग रे॒सां | नी॒ध मे॒नी धमे॒ ग॒रे | सा

X २ ०

(८६)

राग मारवा

यह राग मारवा थाट से उत्पन्न होना है। इसमें ऋषभ कोमल और मध्यम तीव्र लगता है, शेष सभी स्वर शुद्ध हैं। पंचम वर्ज होनेसे जाति षाड़व-षाड़व है। वादी स्वर ऋषभ और संवादी धैवत है, किन्तु कई विद्वानों के मत से ऋषभ वादी और संवादी तीव्र मध्यम होना चाहिये। गान समय दिन का अन्तिम प्रहर है।

आरोह अवरोह स्वरुप

नीरे, गमंघ, नीध, सां; नीरेंनीधमगरे, नीधसा।

पकड़

धमंगरे, नीधसा,

स्वर विस्तार

- (१) नीरे, नीध, मंघसा, नीरे, गरे, नीध, सा।
- (२) नीरे, गरे, गमंगरे, मंगरे, नीध, सा।
- (३) नीरे, गमंघ, धमंगरे, मंगरे, नीधसा।
- (४) नीरे, गमंघ, नीध, धमंगरे, गमंगरे, नीधसा।
- (५) नीरेगमंघ, धनीरें, नीधसां, नीरेंनीधमंगरे, नीधसा।
- (६) गरे, मंगरे, धमंगरे, नीधमंगरे, धमंगरेमंगरे, नीधसा।
- (७) नीरेगमंघ, मंघनीध, धनीरें, गंरें, मंगरेनीधमंगरे, नीधसा।

(८७)

(८) नीरेगरेसा, नीरेगमेमंगरेसा, नीरेमंधमंगरेसा ।

(९) नीरेगमंधनीनीधमंगरेसा, नीरेगमंधनीरेरेनीधमंगरेसा ।

राग मारवा

तीनताल (मध्यलय)

गीत १

मारू कवन काज कवन देस चलियो, मोसे बल्बला हां देस गइलो ।
 अनरस तनरस सदा रंगिले, मोम दसा पिया मोरे डेरे आबो मनरंग लीने गरवा ॥

स्थाई

नी	रे	म	रे	ग
मा	रू	क	व	न
३				

मे	-	मे	नी	ध	मे	ग	मे	ग	रे	सा	नी	सा	नी	नी	ध
का	॥	ज	क	व	न	दे	स	च	लि	यो	मो	से	ब	ल्	ब
२ ० ३															

नी	-	-	-	मे	-	ग	मे	ग	रे	सां
ला	॥	॥	॥	हां	॥	दे	स	ग	ई	यो
२ ०										

अंतरा

सां	सां	ध	नी	मे	ध	ग	ग	मे	ध	मे	ध	सां	-	सां	-
प्र	न	र	स	त	न	र	स	स	दा	॥	रं	गी	॥	ले	॥
२ ० ३															

(८८)

सां - सां सां | सां - सां सां | नी रे ग रे नीरे नीरे - धनी
 मो ऽ म द सा ऽ पि या मो रे डे रे ग्राऽ वोऽ ऽ मऽ
 × २ ० ३

धनी - मेध मेध | - गमं गमे - ग रे सा
 नऽ ऽ रंऽ गऽ - लोऽ नेऽ ऽ ग र वा
 × २ ०

राग मारवा

तीनताल मध्यलय

गीत २

भोरारे तुमिसन लागीलो, पितमवा तुम प्यारे सुजनवा को आबो,
 बलमा प्रदारंग सों मोसो बतिया कर ।
 घडि घडि पल पल छिन छिन तुम बिन करत मोसो गुमानी बिये बलमा,
 प्रदारंग सों मोसो बतिया कर ।

स्थाई

ध मे | ध ध मे ग | मे ग रे सा
 ऽ रा ऽ रे ऽ तु मि स न
 ० ३

सा सा ध मे | ध - नी नी | रे रे नी ध | मे मं ध ध
 ला ऽ गो ऽ लो ऽ पो ऽ त म वा ऽ तु म प्या ऽ
 × २ ० ३

(८६)

मे ग मे ग | रे सा नी रे | ग मे ध मे | ग - रे सा |
 रे S सु S | ज न वा S | S S S को | आ S यो S |
 X २ ० ३

सा सा सा - | ध ध - सा | - सा सा - | नी रे ग मे |
 ब ल म S | आ दा S रं | S ग सो S | मो सो ब ति |
 X २ ० ३

ध ध मे ग | रे सा
 या S S S | क र
 X ३

अंतरा

मे मे ग ग | मे मे ध ध |
 ध डि ध डि | प ल प ल |
 ० ३

सां सां सां सां | सां सां सां सां | नी नी रें गं | - रें सां सां |
 छि न छि न | तु म बि न | क र त मो | S सो S शु |
 X २ ० ३

सां - नी - | रें नी मे - | - ग - - | मे मे ग मे |
 मा S नो S | S कि ये S | S S S S | ब ल मा S |
 X २ ० ३

(६०)

ग	रे	सा	-	नी	ध	-	सा	-	सा	सा	-	नी	रें	ग	मं
S	S	S	S	अ	दा	S	रं	S	ग	सो	S	मो	सो	ब	ति
X				२				०				३			

घ	घ	मं	ग	रे	सा
या	S	S	S	क	र
X				२	

राग मारवा

तराना-ताल-सुरफाक्ता या छल्ल

गीत ३

तानों तन देरेना निततन दर दीं दीं तन दीं तन देरेना ।
 तों तन दीं तानों तन नित देरेना तन दीं तननन दीं तननन तन देरेना ॥

स्थाई

मं	-	ध	-	ग	मं	ग	रे	सा	-
ता	S	नों	S	त	न	दे	रे	ना	S
X		०		२		३		०	

नी	रे	नी	ध	मं	ध	सा	-	सा	-
नि	त	त	न	द	र	दीं	S	दीं	S
X		०		२		३		६	

(६१)

नी	रे	ग	रे	ग	मं	ग	रे	सा	-
त	न	दीं	S	त	न	दे	रे	ना	S
X	०			२		३		०	

अंतरा

मे	-	ध	मं	सां	-	सां	-	सां	-
तों	S	त	न	दीं	S	ता	S	नों	S
X	०			२		३		०	

नी	रें	गं	मं	गं	रें	नी	-	रें	-
त	न	नि	त	दे	रे	ना	S	S	S
X	०			२		३		०	

नी	ध	मे	-	ध	मे	ग	रे	सा	-
त	न	दीं	S	त	न	न	न	दीं	S
X	०			२		३		०	

नी	रे	ग	रे	ग	मं	ग	रे	सां	-
त	न	न	न	त	न	दे	रे	ना	S
X	०			२		३		०	

“मारु कवन काज” इस गीत के अलाप और ताने

(१) मा	रु	क	व	न	का	S	ज	S	नी	रे	नी	ध	मे	६	सा

(६२)

(२) " | " | " | " | नी रे - ग | ग रे सा
३ × २ ०

(३) " | " | " | " | नी रे ग मे | मंग रे सा
३ × २ ०

(४) " | " | " | " | नीरे गमे ध - | धमे गरे सा
३ × २ ०

(५) मा | रु क व न | नीरे गमे ध - | नी ध मं ध | मंग रे सा
३ × २ ०

(६) " | " | " | नीरे गमे ध धनी | रें नी ध मंग | मंग रे सा
३ × २ ०

(७) का व न दे स | च लि यो ऽ | गमं ध सां - | नी रें - सां |
२ ० ३ ×

| रें नी ध मं ध | मंग रे सा

२ ०

(८) क | व न दे स | च लि यो ऽ | गमं धनी रें - | गं रें नी ध रें |
२ ० ३ ×

| नि ध - मं | ग रे सा

२ ०

(६३)

(६) क | व न दे श | च लि यो ऽ | गमं धनी रें नीध सा - नीरें गमं |
 २ ० ३ X

| गं रें सां रें नी | धमं गुरे सा
 २ ०

(१०) क | व न दे श | च लि यो ऽ | नीरे गमं धनी रें - नी ध सां |
 २ ० ३ X
 | गं रें नी ध | मध मंग रेसा
 २ ०

अंतरे के आलाप

(१) म न र स | त न र स | सां - - - | नीरें नी ध सां |
 X २ ० ३

(२) " " | " " | नी रें - - | नीध मध सां - |
 X २ ० ३

(३) " " | " " | नी रें गं - | रें नीध सां - |
 X २ ० ३

(४) " " | " " | नीरें गमं गं रें | नीध मध सां - |
 X २ ० ३

(६४)

स्थायी की बोलतानें ।

(१) मा | रु क व न | का ऽ ज ऽ | रेरे नीध मे ध | मे सा सा
 ३ × २ ०
 माऽ रुऽ क व न का ज

(२) मा | रु क व न | का ऽ ज ऽ | नी रे ध नी | ध रेरे सा
 मा रु क व न का ऽ ज

(३) मा | रु क व न | का ऽ ज ऽ | नीरे मंग रे | नीध सा षा
 ३ × २ ०
 माऽ रुऽ क व न काऽ ऽ ज

(४) मा | रु क व न | का ऽ ज ऽ | नी रे ग म | ध मंग रेसा
 ३ × २ ०
 मा रु क व न काऽ ऽ ज

(५) मा | रु क व न | नीरे ग मे ध | मेमे गरे मे ग | रे ध सासा
 ३ × २ ०
 माऽ रुऽ क व न काऽ ऽ ज क व न दे ऽ स

(६) मा | रु क व न | गमे ध - नीध | मंग रे रे मंग | रेनी धसा सासा
 ३ × २ ०
 माऽ रुऽ क व न काऽ ऽ ज क व न दे सच लियो

(७) क | व न दे स | व लि यो ऽ | धमे धसां - नी | रें सां नीरें - रें
 ३ × २ ०
 माऽ रुऽ ऽ क व न काऽ ऽ ज

(६५)

रें नी ध धध | मंग रेध सा |
 क व न देऽ | सऽ चलि यो |
 २ ०

(८) क | व न दे स | च लि यो S | गमं ध, ग मं व नी, मं धनी रें रें गं रें |
 माऽ रुक वन S का | SS S ज क व |
 २ ० ३ X

मं गं रें सांसां रें रें | नीध मंग रे
 न देऽ SS चलि योऽ SS S
 २ ०

स्थायी की ताने

(१) मा | रु क व न | का S ज S | नीरे गमं धमं गरे मं ध मंग रेसा |
 ३ X २ ०

(२) मा | रु क व न | का S ज S | नीरे गमं धनी धमं | नीध मंग रेसा |
 ३ X २ ०

(३) मा | रु क व न | का S ज S | नीरे गमं धनी रें रें | नीध मंग रेसा |
 ३ X २ ०

(४) मा | रु क व न | का S ज S | गमं धनी रें गं रें रें | नीध मंग रेसा |
 ३ ० २ ०

(६६)

(५) मा | रु क व न | का ऽ ज ऽ | गमं धनी रेंगं मंग | रेंनी धर्म गरे |
 ३ ० २ ०

(६) मा | रु क व न | नीरे गमं ध, ग मं ध | नी, ध नी रें नी, गं रें नी | धर्म गरे सा |
 ३ ० २ ०

(७) मा | रु क व न | मंमं गरे धध मंग | नीनी धर्म रें रें नीध | नीध मंग रेसा |
 ३ ० २ ०

(८) क | व न दे स | च लि यो ऽ | धनी धनी धर्म गमं | गमं गरे सा नीरें |
 २ ० ३ ×

रेंनी नी, ध नीध मं ध | नीध मंग रेसा
 २ ०

(९) क | व न दे स | च लि यो ऽ | नीरे गमं गमं धनी | धनी रेंगं रेंगं मंग |
 २ ० ३ ×

रेंनी ध, रें नीध मंग | रे, ध मंग रेसा
 २ ०

(१०) का | व न दे स | च लि यो ऽ | नीरे गमं गरे गमं | धर्म गरे धनी रेंनी |
 २ ० ३ ×

नीरें गं रें गंमं गं रें | नीध मंग रेसा
 २ ०

राग कालिंगड़ा

यह राग भैरव थाट से उत्पन्न होता है । यह एक शुद्ध प्रकृतिका सरल राग है और इसमें बड़े ख्याल प्रायः नहीं गाये जाते । इसका ऋषभ और धैवत कोमल होता है, शेष सभी स्वर शुद्ध हैं । वादी धैवत और संवादी गांधार है, जाति संपूर्ण—संपूर्ण है । गायन का समय रात्रीका अन्तिम प्रहर है ।

आरोहावरोह स्वरूप

सारेगम, पधनीसा । सांनीधप, मगरेसा ।

पकड़

नीसारेग, धपध, गमग

स्वर विस्तार

- (१) नी, सारेग, रेगमप, गमग, मगरेसा ।
- (२) नीसारेग, मग, गमप, पधपधमप, मग, मगरेसा ।
- (३) नीसारेग, म, प, पधपध, मपमग, नीधप, मग, रेसा ।
- (४) सारेग, मपमग, पधनीनीधप, धपध, मप, मग, रेसा ।
- (५) सारेग, रेग, मप, धनीसां, सांरेंनीसां, नीधप, गमग ।
- (६) पधनीसां, रेंगरेंसां, सांरेंनीसां, नीधप, गमग, मगरेसा ।
- (७) गरेसा, मपमगमग, मगरेसा, नीनीधपमग, मगरेसा ।

(६८)

(८) सागमगरेसा, सागमपमगरेसा, सागमपधनीधप, मगरेसा ।

(९) सागमपधनीसांनोधप, धनीसांरेंसांनोधप-गरेसा ।

राग कालिंगड़ा

एकताल (मध्य लय)

गीत १

दीन को दयाल छांड कौन शरन जाऊ,
 एक राम निराकार सोइ धाम पाऊ ।
 एक वचन एक बानि एक पत्नी सोही,
 ऐसे प्रभु छांड मोहि भावे नहि कोई ॥

स्थायी

ध	—	ध	प	म	रे	गम	प	म	रे	—	सा
दी	S	न	को	S	द	याS	S	ल	छां	S	ड
X		०		२		०		३		४	
सा	—	सा	ग	म	म	गम	पध	म	ध	प	—
को	S	न	श	र	न	जाS	SS	SS	S	ऊ	S
X		०		२		०		३		४	
ध	—	ध	ध	—	ध	प	ध	प	म	—	म
ए	S	क	रा	S	म	नि	रा	S	का	S	—
X		०		२		०		३		४	

(६६)

प	ध	प	म	ग	म	गम	पध	पम	गरे	सा	-
सो	५	इ	धा	५	म	पा५	५५	५५	५५	ऊ	५
×	०		२		०		३		४		

अंतरा

ध	-	प	ध	प	ध	नी	सां	नी	सां	-	सां
ए	५	क	व	च	न	ए	५	क	वा	५	नि
×	०		२		०		३		४		

ध	-	ध	नी	सां	रें	नी	सां	ध	-	प	-
ए	५	क	५	५	त्नी	सो	५	ही	५	५	५
×	०		२		०		३		४		

ध	-	ध	-	प	ध	प	ध	प	म	-	म
ऐ	५	से	५	प्र	भु	छां	५	ड	मो	५	हि
×	०		२		०		३		३		

प	ध	प	म	ग	रे	गम	पध	पम	गरे	सां	-
भा	५	वे	५	न	हि	को५	५५	५५	५५	ई	५
×	०		२		०		३		४		

(१००)

राग कालिंगड़ा

तीनताल मध्यलय

गीत २

अब मोरा पिया तुम तो जावो ना,
 जान जात रहि दिन दिनवा मोरा ।
 जिया नहि चैन रात नहि निदिया,
 सोतन के घर ना जावो मारो ॥

स्थाई

सा	ध	प	ध		म	प	धनी	ध		प	म	ग	म
अ	ब	मो	रा		पि	या	SS	तु		म	तो	जा	वो
२					०					३			

रे	ग	-	-	-		सा	ध	प	ध		म	प	धनी	ध		प	म	ग	म
	ना	S	S	S		अ	ब	मो	रा		पि	या	SS	तु		म	तो	जा	वो
X						२					०					३			

रे	ग	-	-	-		-	-	-	-		सा	-	सा	ग		-	म	प	ध
	ना	S	S	S		S	S	S	S		जा	S	न	जा		S	त	र	हि
X						२					०					३			

(१०१)

सांरें सां नी सां | ध - प ध | म प धनी ध | प ग ग म |
 दीऽ न दी न | वा ऽ मो रा | पि या ऽऽ अ | ब तो जा वो |
 X २ ० ३

अंतरा

म म प ध | सां - सां सां |
 जि या न हि | चै ऽ न रा |
 ० ३

- रें सां रें | नी नी सां - | ध - प ध | म - प ध |
 ऽ त न हि | नि दि या ऽ | सो ऽ त न | के ऽ घ र |
 X २ ० ३

सांरें सां नी सां | ध - प ध | म प धनी ध | प म ग म |
 नाऽ ऽ जा ऽ | वो ऽ मो रा | पि या ऽऽ अ | ब तो जा वो |
 X २ ० ३

राग कालिंगड़ा

तीनताल (मध्यलय)

गीत ३

आनंद मंगल गावो मोरि सजनी,
 भयो प्रभात बीत गई रजनी ।
 प्रात काल प्रभु ध्यान घरत जन,
 शांति मनकि पावत मोरि सजनी ॥

(१०२)

स्थाई

म

गम पध प म | ग रे प म | रे - सा सा | सा रे सा सा |
 आऽ ऽऽ नं द | मं ऽ ग ल | गा ऽ वो मी | रि स ज नी |
 ० ३ X २

सा ग - म | प - ध पध | नीसां सां नी ध | नी ध प - |
 भ यो ऽ प्र | भा ऽ त बी | ऽऽ त ग ई | र ज नी ऽ |
 ० ३ X २

अंतरा

म - म प | - प ध पध | सां - सां सां | सां रे सां सां |
 प्रा ऽ त का | ऽ ल प्र भुऽ | ध्या ऽ न ध | र त ज न |
 ० ३ X २

सां रे गं मं | गं रे सां सां | नी सां नी ध | नी ध प - |
 शां ऽ ती ऽ | म न कि पा | व त मो रि | स ज नी ऽ |
 ० ३ X २

“अब मोवा पिया अब तो” इस गीत के आलाप और ताने

स्थाई के आलाप

(१) अ | ब तो जा वो | ना ऽ सा - | रे ग रे ग | - रे सा, अ | ब तो इ ० |
 ३ X २ ० ३

(१०३)

(२) „ | „ „ | ना ऽ रे ग | म म ग रे | ग रे सा, अ | ब तो इ० |

३ × २ ० ३

(३) „ | „ „ | ना ऽ म म | प ग म ग | - रे सा, अ | ब तो इ० |

३ × २ ० २

(४) „ | „ „ | ना ऽ प ध | भ प म ग | - रे सा, अ | ब तो इ० |

३ × २ ० ३

(५) अ ब मो रा | पि या ऽ ऽ | नी - सा रे | ग - म प |

२ ० ३ ×

| ध प म ग | - रे सा, अ | ब तो ई०

२ ०

(६) अ ब मो रा | पि या ऽ ऽ | ध प ध म | प - नी नी |

२ ० ३ ×

ध प ग म | ग रे सा, अ | ब तो इ०

२ ०

(७) अ ब मो रा | पि या ऽ ऽ | म - प ध | नी सां - - |

२ ० ३ ×

नी ध प - | ग म ग, अ | ब तो इ०

२ ०

(१०४)

(८) अ ब मो रा | पि या S S | मप धनी सां - | सां रे सां रे |

२ ० ३ X

नी सां नी ध | प म ग, अ | ब तो इ ० |

२ ०

अंतरे के आलाप

(१) जि या न हि | चे S न S | सां रे गं - | रे गं रे सां |

० ३ X २

(२) „ „ | „ „ | सां रे गं - | मंगं रे - सां |

० ३ X २

(३) „ „ | „ „ | धनी सां रे नी सां नी ध | सां नी रे सां |

० ३ X २

(४) „ „ | „ „ | गंमं गं रे सां - | धनी सां रे - सां |

० ३ X २

स्थाई की बोल तानें

(१) जा वो | ना S S S | सा सा रे सा नी ध | सा रे सा, अ | ब तो ब ० |

X २ ० ३

(१०५)

(२) जा बो | ना S S S | सा रे ग रे | ग रे सा, अ | ब तो इ ०
 अ ब मो रा | S पि या
 X २ ० ३

(३) जा बो | ना S S S | नी सा ग रे ग | प म ग रे सा, अ | ब तो ब ०
 अ ब मो रा | पि S S या
 X २ ० ३

(४) जा बो | ना S S S | ग म प ध प म | ध प म ग, अ | ब तो इ ०
 अ S S ब मो | रा S पि या
 X २ ० ३

(५) अ | ब लो जा बो | म ग म म | प प ध प ध |
 अ S S ब | मो रा पि S S |
 ३ X २
 म प ग म ग अ | ब तो इ ०
 या S S S
 ० ३

(६) अ | ब लो जा बो | नी नी ध प - | ग म प ध ध प |
 अ S ब S S | मो S S रा S |
 ३ X २

म प म ग रे सा अ | ब तो ई ०
 पि S या S S
 ० ३

(१०६)

(७) प्र ब मो रा | पि ऽ या ऽ | नीसा गम पध प | पध म पध सां |
 २ ० ३ × ×
 अब मोरा पिऽ या तुम तो जावो ना

नीसां नीध नीध पध | धप मग रेसा अ | ब तो इ ०
 २ ० ३ ×
 जाऽ नजा ऽत रहि दिन दिन वाऽ

(८) प्र ब मो रा | पि ऽ या ऽ | पध मध पध नीध | सां सांरें सांरें नीसां |
 २ ० ३ ×
 अब मोरा पिऽ ऽऽ या तुम तोजा बोना

धमा नीध पम गम | गम पध पम अ | ब तो इ ०
 २ ० ३ ×
 जाऽ नजा ऽत रहि दिन दिन वाऽ

स्थाई की ताने

(१) जा वो | ना ऽ ऽ ऽ | नीसा गम गरे गम | पम गरे सा, अ | ब तो इ ० |
 × २ ० ३

(२) " | " " | गम पध पम पम | गम गरे सा अ | ब तो इ ० |
 × २ ० ३

(३) " | " " | गम पध नीनी धप | धप मग रेसा प्र | ब तो इ ० |
 × २ ० ३

(१०७)

(४) " | " , | पध नीसां नीध पध | मग मग रैसा अ | ब तो इ ० |

× २ ० ३

(५) " | नीसा गम पध नीसां | रैसां नीध पध मप |

× २

| धप मग रैसा अ | ब तो इ ०

० ३

(६) " | गम पध मप धनी | सांनो धप रैसां नीध |

० २

| पम धप मग अ | ब तो इ ०

० ३

(७) " | गम पध मग धनी | पध नीसां रैसां नीध |

× २

| पम गरे सां, अ | ब तो इ ०

० ३

(८) अ ब मो रा | वि या S S | नीसा गम पध गम | पध नीसां धनी सांरें |

२ ० ३ ×

(१०८)

नीसां नोष सांनी धप | धप मग रेसा अ | ब. तो इ ०

२

०

६) अ व मो रा | पि या S S | प५ प६ मप मग | रेसा सांरें सांरें नीसां |

२

०

३

X

नीष प६ प६ मप | मग मग रेसा अ | ब तो इ ०

२

०

३

ख्याल गायकी

अ० भा० गांधर्व महा विद्यालय के पाठ्य क्रमानुसार ख्याल गायकी तीसरे वर्ष से शुरू होती है। वैसे देखा जाय तो मुक्त या स्वतंत्र गायकी की शुरुवात प्रथम वर्ष से ही होनी चाहिये। किन्तु जब विद्यार्थियों को थोड़े ही समय में निश्चित किये गये रागों पर अभ्यास करके परीक्षा देनी पड़ती है तब उपरोक्त उद्देश्य को सामने रख कर ही शिक्षा की व्यवस्था करनी पड़ती है। इसलिये प्रथम दो वर्षों में ८-८ रागों में छोटे ख्याल और उनमें बँधे हुये आलाप, बोलताने और ताने आदि सिखाना पड़ता है। दूसरे वर्ष तक राग ज्ञान, ताल ज्ञान व गले का चलन इत्यादि का विकास हो जाने पर बड़े ख्याल को सिखाने में आसानी होती है। बड़े ख्याल की गायकी मुक्त या स्वतंत्र होनी चाहिये। तथा कल्पनायुक्त होनी चाहिये। किन्तु यह प्रारम्भ में कठिन सा प्रतीत होता है। इस लिए इस पुस्तक में दिये हुये बड़े ख्याल पर उदाहरण स्वरूप कुछ बँधे हुये आलाप बोलताने, ताने दिये जा रहे हैं। किन्तु विद्यार्थी यह न समझ बैठें कि ख्याल गायकी केवल इतनी ही है। पुस्तक में दिये हुये आलाप, बोलताने, ताने केवल मार्ग दर्शन की दृष्टि से ही दिये गये हैं।

बड़ा ख्याल

ख्याल गायकी के अन्तर्गत दो प्रकार के ख्याल होते हैं जिन्हें छोटा ख्याल और बड़ा ख्याल कहते हैं। छोटा ख्याल मध्य तथा द्रुत लय में गाया जाता है। इसकी गति सहज सनभ में आ सकती है और इसकी ताल, गीत के साथ विद्यार्थी आसानी से दे सकते हैं। सामान्य रूप से त्रिताल, झपताल, एकताल इन तालों में छोटे ख्याल गाये जाते हैं। बड़ा ख्याल बहुत धीमे यानी बिलंबित लय में गाया जाता है और यह प्रायः तिलबाड़ा, झूमरा, एकताल और आड़ा चौताल तालों में गाया जाता है। बड़े ख्याल की गायकी स्वतंत्र एवं स्वकल्पना युक्त होती है। इसमें राग का स्वरूप उसके नियमानुसार, क्रमशः एक एक स्वर लेकर बिलंबित आलाप द्वारा विकसित किया जाता है। आलाप करते समय इस बात का

प्रतिबंध नहीं रहता कि अमुक स्वर इतनी ही मात्रा में आना चाहिये, किन्तु निश्चित काल तक आलाप करके चीज का मुखड़ा कुशलता से पकड़ कर सम पर आना चाहिये । आलाप क्रमशः मध्य सप्तक के षड्ज से तार सप्तक तक गाकर अंतरा शुरू करना चाहिये । अंतरे पर आलाप चारी करने के बाद पूरा अंतरा गाकर तत्पश्चात् स्याई का 'बोल अंग' से विकास करना चाहिये । बोल आलाप, उसके बाद लयकारी युक्त बोलतान और अंत में तान और उसके विविध प्रकार द्वारा बड़ा ख्याल गाये जाने की परंपरा है ।

सर्व प्रथम पुस्तक में लिखे हुये ख्याल गीत के पूर्ण शब्दों को बिना ताल व सुर के, विद्यार्थियों से याद गरवा देना चाहिये । तत्पश्चात् शब्द स्वर रचना के साथ सिखाना चाहिये । और सबसे अंत में बन्दिश ताल में बिठा लेना चाहिये । मेरा अनुभव है कि इस तरह सिखनाए हुये ख्याल विद्यार्थी जल्दी सीखता है और जल्दी भूलता नहीं ।

प्रत्येक राग के शुरुवात में कुछ मुक्त आलाप दिये गये हैं । उसमें राग का पूरा स्वरूप और राग का खास वातावरण प्रतीत हो ऐसी दृष्टि से मुक्त आलाप की रचना की गयी है । विद्यार्थियों से वे आलाप अच्छी तरह रटवा लेना चाहिये और रटे हुये आलाप के अनुरूप स्वबुद्धि से आलाप विद्यार्थियों से करवाने का प्रोत्साहन उनको देना चाहिये । पुस्तक में दिये हुये बोलतान सिखाने के पश्चात् उसी उदाहरण पर विद्यार्थियों को अपनी बुद्धि से अलग बोलतान बनाने का प्रयत्न करवाना चाहिए । वैसे ही पुस्तक में दी हुई तानें बनाकर विद्यार्थियों को गवाना चाहिये । इस तरह से बड़ा ख्याल सिखाया जाय तो ख्याल गायकी जल्दी समझ में आजायेगी ।

सूचना

चतुर्थ वर्ष (मध्यमा पूर्ण) के लिये जो बड़े ख्याल अभ्यास के लिये जो रक्खे गये हैं, उनमें से (१) भीम पलास (२) बागेश्री, (३) बिहाग, इन रागों के बड़े ख्याल, गायकी सहित, राग बोध त्रितीय भाग में दिये गये हैं । इसलिये ये तीन राग इस भाग में नहीं दिये जा रहे हैं । इन तीन रागों का अभ्यास राग-बोध त्रितीय भाग से कर लेना चाहिये । शेष आठ राग इस भाग में दिये जा रहे हैं ।

राग अल्हैया बिलावल

यह राग बिलावल थाट से उत्पन्न होता है। इस राग में सभी स्वर शुद्ध लगते हैं, किन्तु कोमल निषाद का प्रयोग अल्प प्रमाण में धैवत के साथ प्रवरोह में किया जाता है जैसे 'धनीधप'। आरोह में मध्यम वर्ज है तथा प्रवरोह में गंधार वक्र है। वादी स्वर धैवत और संवादी गंधार है। गान समय प्रातः काल का प्रथम प्रहर है।

आरोह अवरोह स्वरूप

सारेगरे, गप, धनी, सां, सांनीधप, धनीधपमग, मरेसा।

पकड़

रेगपमग, मरेसा, नीनीसा।

मुक्त आलाप :—सा, नी, नीसा, सारेसा, सारेग, मरेसा। सारे, सा; सागरे, गमग, मरे, सा। सारेगरे, गप, पमग, मग, मरेसा। सारेगरेगप, पधप, पमग, गरेगपमग, धधपमग, मरे, सा। सारेग, रेगप, गपधनीधप, धपम, ग, पमग, गरेगपमग, मरेसा। सारेग, रेगप, गपधनीधप, गपधनी, नीसां, सांनीधप, धपमग, पधप, मग, मरेसा, नी, नी, सा। सारेग, नी, नी, सा; सारेगप, गरेगप, धप, प नी, नीसां, सांरें, सां, सांरेंगं, मरेंसां, नी नीसां, सांनीधप, रेंसां, नीधप, धनीधप, मग, मरेसा, नी, नी, सा। गपधनी, नी, सां, सांरेंगं, गंपंमंगं, मरेंसां, नी, नी, सां, सांनीधप, धनीधप, मग, मरेसा, नी, नी, सा।

(११२)

मुक्त तानें :—सारेगगरेसा, सारेगमग, मरेसा, सारेगपपमगरेसा ।
 मारेगपधपमगरेसा, सारेगपधनीधपमगरेसा, सारेगपधनीसांनीधपगरेसा,
 सारेगपधनीसांरेंसांनीधपमगरेसा । सारेगपधनीसांरेंगंरेंसांनीधपमगरेसा ।
 सारेगपधनीसांरेंगंमंगंरेंसांनीधपमगरेसा, सारेगपधनीसांरेंगंपंमंगंरेंसांनीधपमगरेसा ।

मगरेसा, पमगरेसा, धधपमगरेसा, धनीधपमगरेसा, धनीसांनीधपमगरेसा,
 सांरेंसांनीधपमगरेसां, गंगंरेंसांनीधपमगरेसा ।

सारेग, रेगप, गपधनीधपमगरेसा, सारेग, रेगप, गपधनीसांनीधपमगरेसा,
 धनीसां, नीसांरेंसांनीधपमगरेसा, धनीसां, नीसांरें, सांरेंगंमंगंरेंसांनीधप,
 धनीसांनीधप, धनीधपमग, पमगरेसा ।

सारेगप, गपधनं धपमगरेसा, सारेगप, गपधनी, धनीसांरेंसांनीधपमगरेसा,
 सारेगप, गपधनी, धनीसांरें, सांरेंगंमंगंरेंसांनीधपमगरेसा ।

राग अल्हैया बिलावल

बड़ा ख्याल—एक ताल (बिलंबित)

ते हर नाम नाहि सुमिरन कीनो, नाहा कहि दिन खोयो ।
 अमृत बेल ठाडि बिख बिरवा कर घनुराई बोयो ॥

स्थायी

गप नीधनी—

तेऽ हऽरऽ

(११३)

सां	रे	ग	नी नी नी
सां -ध	नीप म	ग गग	पम ग
ना SS	अ ना	हि सुमि	रन की
X	०	२	०
			३
			४

नी प	पनी धनीसां-	सां -ध	नीप पध--	गम ग
S' हि	दिन SSSS	खो SS	SS SSSS	SS यो
X	०	२	०	३

अंतरा

-प	निधनी-
अ	मृज्ज
	४

सां नीसांसां-	सांसां	-	रे रे-रेंग	गंरें	सां	नीप
बे SSSS	ठाडि	S	बिख SSSS	बिर	वा S	SS
X	०		२	०	३	

नी	नी नी
साध	धध
कर	चनु
	४

(११४)

घ	नीप	वनी-घ नीपां	सां	-घ	नीप	पघ--	गम	रे
रा	SS	SSSS ईः	धो	SS	SS	SSSS	SS	यो
X		०	२		०		३	

स्थायी के आलाप

(१)	नाS	SM	सा	-	नी--घ	नीपा	-	ग
X		०			२		०	

	गरे	स	ते	हर
	३		४	

(२)	„	„	सा	गरे	ग	प	पम	ग
X		०			२		०	

	मरे	सा	ते	हर
	३		४	

(३)	„	„	गरे	गा	-	धध	-प	मग
X		०			२		०	

	ग-मरे	सा	ते	हर
	३		४	

(४)	„	„	सा-गरे	गप	-	धनी	धप	म
X		०			२		०	

(११५)

ग मरेसा- ते हर

(५) ,, ,, | गपधनी -ध | नी सां | सां--नी धप |

× ० २ ०

मगमरे सा ते हर

(६) ,, ,, | गपधनी -सां | सांरें-- -सां | धनी धप |

× ० २ ०

ग मरेसा- ते हर

(७) ,, ,, | गपधनी सां | सांरेंगं- -रें | सां सांनीधप |

× ० २ ०

मगम- रेसा ते हर

(८) ,, ,, | गरेसा- पपमग | मरेसा- धनीधप | धनीसां- धनीधप |

× ० २ ०

धग-म ग-रेसा ते हर

(११६)

अंतरे के आलाप

(१) बे SSलS | सां - | नीध-- -र | पनी -ध |
 × ० २ ०

| नी सां | -प्र मृस्तS |
 ३ ४

(२) बे SSलS | सां - | नीध-- -प | पनी-- -ध |
 × ० २ ०

| नी सां | -प्र मृस्तS |
 ३ ४

(३) बे SSलS | सांरें गं | मंरें -सां | नी--ध नीसां |
 × ० २ ०

| पपधनी सां | -प्र मृस्तS |
 ३ ४

(४) बे SSलS | सांरें गं | मंरें मांनी | -धनी- सां |
 × ० २ ०

| गागधनी धनीसा- | -प्र मृस्तS |
 ३ ४

(११७)

स्थायी की बोल तानें

(१) ना	५म	रेग	पम	ग	रेसासा-	ग	मरे
		तेऽ	हर	ना	५५५५	ना	५हि
×	०		२		०		

गापप	धगमग	तेऽ	हऽरऽ
सुमिरन	किऽऽनो		
३	४		

(२) ना	५म	गरे	गप	धप	प-धनी	-धनी-	सांसां
		तेऽ	हर	नाऽ	मऽनाऽ	५५हि	सुमि
×	०		२		०		

धप	गमग-	तेऽ	हऽरऽ
रन	किऽनोऽ		
३	४		

(३) ना	५म	गरधनी	सां	धप	धगमग	गर-नी	धनीसां-
		तेऽऽऽ	ऽ	हर	नाऽऽम	नाऽऽहि	५ऽऽऽ
×	०		२		०		

धनीधप	धगमग	तेऽ	हऽरऽ
सुमिरन	कीऽऽनो		
३	४		

(११८)

(४) ना ऽम | गरेगप धनी-ध | नीसां | सां | सांरेंगं- रेंसांसांघ |
 तेऽऽऽ हऽऽऽ | नाऽ | म | नाऽऽऽ हिऽसुमि

X

| -धनीप | मगमरे | तेऽ | हऽऽऽ |
 ऽऽऽन | कीऽऽनो |

३

४

(५) ना ऽम | गपधनी धपपम | गगरेसा गप-नी |
 तेऽहऽर | नाऽमना | ऽहिऽऽ | सुमिऽऽर |

X

| धनीसां- | धपमगरेसा- - | गपधर धगमग | तेऽ | हऽऽऽ |
 ऽनकीऽ | नोऽऽऽऽऽऽऽऽ | सुमिरन | कीऽऽनो |

०

३

४

(६) ना ऽम | पमगरेग-प- | नीधनी-सां-सां- | सांरेंगं-मं-मं- | रेंसांरेंसां |
 तेऽऽऽहऽऽऽ | नाऽऽऽऽऽमऽ | सुमीऽऽऽऽऽ | नकीऽनो |

X

०

२

| सांनीधमगरेसा गपप- | पधनी मपधरेग पमगरेसा- - - |
 नाऽऽऽहऽऽऽ | कऽहोऽ | दिऽऽनऽऽऽऽऽ | ऽऽयोऽऽऽऽऽ |

०

३

X

| सांनीधपमगरेसा | तेऽ, हऽऽऽ |
 दिनखोऽयोऽऽऽ

४

(११६)

(७) ना ॐ नीधपमगरेग- प-पधनी -ध- प-पप नीधनी-सां-सांरें
 तेऽऽऽऽऽहऽ ऽऽनाऽऽऽऽऽ नाऽहिऽ सु मिऽरऽऽऽऽऽकोऽ
 × ० २

गंरेंगंपमंगरेंसां सांनीधपमगमरे गप :- पपधनीसांरेंगरे
 ऽऽऽऽनोऽऽऽ नाऽहाऽकऽहीऽ डीऽनऽ खोऽऽऽऽऽऽऽ
 ० ३

सांनीधपमगरेसा तेऽहऽर
 योऽऽऽऽऽऽऽ
 ४

सूचना

ख्याल गायकी के, सभी रागों के, तानों में, बीच बीच में स्वल्प विराम (,) (COMMA) दिया गया है, उसमे मात्राओं का संबंध नहीं है। तानों के मलग मलग स्वर समुदाय या स्वर खण्ड, कहांमे शुरू होते हैं और वहां समाप्त होते हैं, ये दिखाने के लिये उनका उपयोग किया है विद्यार्थी, इन स्वल्प विरामों पर ध्यान देकर अभ्यास करेंगे तो वे तानों के वजन और तानों की जाति, अच्छी प्रकार समझ पायेंगे। उन स्वल्प विरामों का संबंध मात्राओं से नहीं है इस बात पर ध्यान देना आवश्यक है।

स्थायी की ताने

(१) ना ॐ सारेगगरेसा, मारे गपपमगरेसा- सारेगपधनी धप मगरेसा सारेगप
 × ० २

(१२०)

धनीसांनीधपमग रेसा, सारेगपधनी | सांरेंसांनधीपधनी सांनीधपमगरेसा |

०

३

तेऽ हऽरऽ

४

(२) ना ऽम | सारेगपमगरेसा पपमगरेसा, सारे गपधनी धपमग रेसा, धनी धपमग

X

०

३

रेसा, सारेगपधनी सांनीधपमगरेसा | गंगरेंसांनधीपधनी धपमगरेसा-

०

३

तेऽ हऽरऽ

४

(३) ना ऽम | सारेगरेगमग रेसा, सारेगरे, गरे गप, धनी धपमग रेसा, सारेगरे, गरे

X

०

२

गप, गपधनी, धनी सांनीधपमगरेसा | धनीसांनी, सांनीसांरें सांनीधपमगरेसा |

०

३

तेऽ हऽरऽ

४

(४) ना ऽम | सारेगग, रेगपप गपधधमगरे | सारेगगरेगपप गपधध, पधनी ध

X

०

२

(१२१)

पमगरेसा— — — धधपनीनोधसांसां नीरेंरेंसांनीधप,ध नीधपमगरेसा—

०

३

तेऽ हऽरऽ

४

(५) ना ऽम रेगरेगरेसा,पध धपम,गमगम ग,रेगरेगरेसा— ध नीध नीधपम,ग

×

०

२

मगमग,रे,रेसा सांरेंसांरेंसांनीधनी ध नीधपमगरे गरेसा,धपमगरे

०

३

तेऽ हऽरऽ

४

(६) ना ऽम सारेगप,गपधनी धपमगरेसा,सारे,गप,गपधनी,धनी सांनीधपमगरेसा

×

०

२

गपधनी,धनीसांरें सांरेंगंपमंगरेंसां गरेंसांनी,सांनीधप धपमग,म,रेसा

०

३

तेऽ हऽरऽ

४

(१२२)

(७) ना ५म सारेगरे, गपधप धनी धप, गगरेसा सारेगरे, गपधप धनी सांती, धनी धप

X

०

२

मगरेसा, धनी सांती सांरेंगंरें, गंमंगंरें सांती धप, धनी सांती धनी धप, मगरेसा

०

३

तेऽ हऽरऽ

४

(८) ना ५म गगरेसा, पपमग रेसा, धनी धममगरेसा, सांरें सांती धप मगरेसा, गंमंगंरें

X

०

२

नी धप मरेसा -- गगरे, धधप, सांसां नी, रें रें सांती धप, रें सांती धमगरेसा

०

३

तेऽ हऽरऽ

४

राग केदार

केदार राग कल्याण भाट से उत्पन्न होता है। इसमें दोनो मध्यम का प्रयोग होता है। तीव्र मध्यम आरोह में एक विशेष क्रिया से लेते हैं जैसे 'मप-धम'। कभी कभी दोनो मध्यम, तीव्र के बाद शुद्ध, अवरोह में मींड से लेते हैं। इसमें कोमल निषाद का प्रयोग, अल्प प्रमाण में धैवत के साथ, अवरोह में होता है जैसे, 'धनी धप, धपम'। इस राग के आरोह में ऋषभ और गंधार, वर्ज करके

‘साम’ प्रयोग किया जाता है। निषाद का प्रयोग अल्प है। गांधार स्वर कई लोग वर्ज मानते हैं, पर कई, अल्प प्रमाण में प्रयोग में लाते हैं। इसका वादी शुद्ध मध्यम है और संवादी पट्टज है। गान समय रात्री का पहला प्रहर है।

आरोहावरोह स्वरूप

साम, मप, धपप, सां, सां, नीध, प, मंघपम, मरेसा।

अथवा साम, गप, धपप, सां,

पकड़

साम, मप, धपम, रेसा।

मुक्त आलाप :—सा, रे, सा, साम, रे, सा, ध, प, सा। सारे, सां; सा, म, प, ध, प, धाम, रे, सा। सांम, प, धप, धनी धप, धपम, रे, सा। सारे, सा, म, रेसा, पमरे, सा, धप, धपम, रे, सा। साम, प, मंघनीधप, धपम, प, धपम, रे, सा। साम, मप, पप, सां, सां, ध, प, धपम, पधनी, नी, ध, प, पप, रे, सा। सामरेसा, पमरेसा, धप, धपम, रे, सा, पधनी, नीधप, पपसां, नीधप, धम, पमंघपम, रे, सा। सारेसासाम, पमं, पधनीधप, धप, म, सानीधप, धपम, पमधपम, रे, सा। मपपसां, सांरें, सां, सांमं, रेंसां, रेंसांधप, सांरेंसांसांध, प, धाम, पमंघपम, रे, सा।

मुक्त तानें :—सारेसासा, ममरेसा, ममपपरेसा, ममपपधपममरेसा, सांनीधपमंघनीधपममरेसा, रेंरेंसांनीधप, धपममरेसा। मंमंरेंसां, रेंसांनीधप, धनीधप, धपममरेसा।

(१२४)

सारेसा, रेमरे, मपम, पधप, मरममरेसा । सारेसा, रेमरे, मपम, पधप,
धनीध, पधप, मपम, पममरेसा । सारेसा, रेमरे, मपम, पधप, धनीध, सारेंसांनीधप,
धनीध, पधप, मपपममरेसा ।

मपमममरेसा, पधपधमपमपममरेसा, धनीधनीधप, पधपधमपमपममरेसा,
 सारेंसारेंसांनीधप, धनीधनीधपधमपमपममरेसा ।

ममरेसा, पपमरेसा, धधममरेसा, सांसांनीधपममरेसा, रेंरेंसांनीधपममरेसा,
 मंमरेंसांनीधपममरेसा ।

राग केदार

बड़ा ख्याल

एकताल (धिलंबित)

झनकारी परो मोरे कानन शुभ भई मोहे रैन ।

गोवत थी मै अपने भवन में अदरंग अखियां उधरी ॥

स्थाई

धप	म	पप
झन	का	रप

(१२६)

मंरें	सां	धनी	सारें	सां	-ध	प	मंप	धनीसां-
५२	ग	५५	अख	या	५५	५	उध	री५५५
×		०		२		०		३

स्थाई के आलाप

(१) री	५	सा	-	धप	धम	पसा	सारे
×		०		२		०	

		-सा	भन	का	रप
		३		४	

(२) री	५	सारे	-सा	साम	-	रेसा	-
×		०		२		०	

	रेसा,	भन	का	रप
	३		४	

(३) री	५	सारे	-सा	म	प	धप	म
×		०		२		०	

	रेसा,	भन	का	रप
	३		४	

(४) री	५	साम	-प	ध	प	धप	म
×		०		२		०	

(१७)

रेसा, भक्त का रूप
३ ४

(५) री S | साम -म प धनो धप धपम-

X ० २ ०
रेसा, भक्त का रूप
३ ४

(६) री S | म-पप सां सांरें -सां धप मं-धप

X ० २ ०
म-रेसा, भक्त का रूप
३ ४

(७) री S | मपपसां सांरें- - सां मं-रेंसां धप धपध-

X ० २ ०
रेसा, भक्त का रूप
३ ४

(८) री S | मपपसां -रें सां सांमं रेंसां- प-धप

X ० २ ०

(१२८)

म-रेसा,	भन	का	रप
३		४	

स्थाई की बोलतानें।

(१) री S	सासा	रे	सासा	मगप-	पधपप	म
	भन	का	१	रीSSS	मोऽरेऽ	का
X	०				०	

रेसा	भन	का	रप
नन			
३		४	

(२) री S	साम	-प	-प	मेप	धप	म
	भन	का	ऽर	परि	मोरे	का
X	०		२		०	

रेसा,	भन	का	रप
नन			
३		४	

(३) री S	प-धनी	धनी	धप	मंप	---धप	म
	भऽनऽ	ऽका	ऽर	परि	ऽऽमोरे	का
X	०		२		०	

(१२६)

रेसा,	भन	का	रप
नन			
३		४	

(४) री S | मेपधनी सासा | रेंसां - | नीध धनी-- |
 भन 1AS 5R | परि 5 | मोरे काSSS |
 X ० २ ०

धप,	भन	का	रप
नन			
३		४	

(५) री S | मरे-सा -पामग | प. मं.ध- | नो धर- धपम- |
 भनका 5Rपरि | S मोरेकाS | 5ननS मोरेकाS |
 X ० २ ०

-रेसा-	भन	का	रप
5ननS,			
३		४	

(६) री S | सांसांमग ममप- | मपध- नी धर- |
 भनकाS रपरीS | मोरेकाS 5ननS |
 X ० २

सांसांरेंसां--	ध-प-प्रमंय	धपम--	मसारेंसां	धम--
शुSSमSSS	भईमोSSS	SSरेSSSSS	का5नन	भनकाS 5Rप
०		३	४	

(१३०)

(७) रो ऽ $\begin{array}{c} \text{नीनीनी} \\ \text{धधधप प-धपम- - - प-धपम- - - -रेसा-} \\ \text{भनकाऽ रऽपऽरीऽऽऽ मोऽरेऽकाऽऽऽ ऽनऽ} \end{array}$

× ० २

$\begin{array}{c} \text{प-धनी- - - ध- नीधप-} \\ \text{शुऽभऽऽऽऽऽ भऽईऽ} \end{array}$ $\begin{array}{c} \text{पासांमांरेंरेंसांसां नोधनीधपऽ.प} \\ \text{मोऽऽऽऽऽहेऽ रेंऽऽऽनऽनोऽ} \end{array}$

० ३

$\begin{array}{c} \text{ममरे-सा-ध। म-प} \\ \text{हेऽरेंऽनऽभन काऽरप} \end{array}$

स्थाई की ताने

(१) रो ऽ $\begin{array}{c} \text{सासाममरेसा,सासा ममपधपमम} \\ \text{रे-ना,ममपधनी धपमं पधपम} \end{array}$

× ० २

$\begin{array}{c} \text{रेसा,ममपपसांमां रेंसैंभांनीधपधप} \\ \text{ममरेसा,मपप भन का रप} \end{array}$

० ३ ४

(२) रो ऽ $\begin{array}{c} \text{ममरेसा,पपमम रेसा,धाममरेसा} \\ \text{वनी धप,धपमम रेसा,मांसांनीधपध} \end{array}$

× ० २

$\begin{array}{c} \text{पममरेसा,रेंरेंसां नीधप,मंमरेंसांरें} \\ \text{सांनीधपममरेसा भन का रप} \end{array}$

० ३ ४

(१३२)

(६) री ऽ | मयमपमरेसा पधपधमंरप | ममरेसा, धनी धनी धप, धधममम |

× ° २

| रेसा, सांरेंसांरेंसांनी धनी धनी धप, धप | ममरेसा, मय, पसां सांरेंसांनीधमम |

° ३

| भनका- --रप |

४

(७) री ऽ | मममरे, मयमं पधधप, ममरेसा | मयपमं, पधधप धनी नी ध, पधधप |

× ° २

| ममरेसा, पसांसांनी सांरेंरेंसां, सांममरें | सांरेंरेंसां, सांनीधप धनी धपममरेसा |

° २

| भनका- --रप |

४

(८) री ऽ | सा.ममरे, मयमं पधधपममरेसा | सामगयभधप ममरेसा, मयपमं |

× ° २

| पसांसांनी, सांरेंरेंसां नीधप, धनी नी धप | मं, पधधपममरे सा, धधपममरेसा |

° ३

| भनका- --रप |

४

राग पूर्वी

यह राग पूर्वी थाट से उत्पन्न होता है। इसमें ऋषभ, धैवत कोमल तथा दोनों मध्यम का प्रयोग किया जाता है। शेष स्वर शुद्ध हैं। शुद्ध मध्यम का उपयोग मल प्रमाण से गांधार के साथ 'पमंगमग' इन प्रकार होता है। डाका वादी स्वर गांधार और संवादी निषाद है। इसके गाने का समय दिन का अन्तिम प्रहर है। जाती संपूर्ण है।

आरोह अवरोह स्वर

नीरेगमधनीसां । सां नीधप, मंगमग, मंगरेसा ।

पकड़

नीरेगमं, मं, गमग, मंगरेसा ।

मुक्त मालार :- सा, नीरेसा, रेनीधप, मधनीसा । नीरेसा, गरेसा, नीरेग, रेग, रेसा, नीरेगमग, मंगरेसा । नीरेसा, नीरेग, रेग, रेगमंग, मंगरेसा । नीरेग, गमंग, मंग, धमंग, पमंगमग, मधमंगरे । नीरेमंग, मंगप, गमधप, गम, गधप, धमंग, मंगमग, मधमंगरे ॥ नीरेगमंग, मधप, मधनीधप, मधनी, धनीधप, गमधनी, मध, मनीधग, धमंग, गमधमंग, मंगमग, मंगरेसा । मधमंसां, नीरेसां, नीरेनीधग, मधनीरे, नीधप, मधनीसां, नीधग, धमंग, गमंग, मंगमग, मंगरेसा । नीरेगमधनीसां, मधनीसां, नीरेसां, नीरेगं, रेगं, मंगरेसां । नीरेनीधप, मधनीरेगरेसां, रेनीधप, धमंग, मंगमग, मधमंगरेसा ।

(१३४)

मुक्तः—नीरेगरेसा । नीरेगममंगरेसा, नीरेगमेधपमंगरेसा ।
नीरेगमधनीनीत्रपमंगरेसा । नीरेगमधनीसांतीधपमंगरेसा । नीरेगमधनीरेंसांती
धपमंगरेसा । नीरेगमनीरेंगंरेंसांतीधपमंगरेसा । नीरेगमधनीरेंगंमंग
रेंसांतीधपमंगरेसा ।

गगरेसा, ममंगरेसा, धपमंगरेसा, नीनीधपमंगरेसा, सांसांतीधपमंगरेसा,
रेंरेंसांतीधपमंगरेसा, गंगरेंसांतीधपमंगरेसा, मंमंगरेंसांतीधपमंगरेसा ।

नीरेगमेपमं, गमधनीसांतीधपमंगरेसा, नीरेगममंगमधनीसांती,
धनीरेंगंमंगरेंसांतीधपमंगरेसा । नीरेगमे, गमधनी, धनीसांतीधपमंगरेसा,
नीरेगम, गमधनीधनीरेंगरेंसांतीधपमंगरेसा, नीरेगमं, ममंनी, धनरेंगं,
रेंगंमंगरेंसांतीधपमंगरेसा ।

राग पूवा

बड़ा ख्याल, एकताल (बिलंबित)

पियरवा के बासो तू मोहे भावे लागे गरवा रे पिया प्यारे ।
 तू जिन लजावई तूसि तू बडो भाग सोला लछनी नार ॥

स्थाई

मंग	रेसा	नीरे
पिय	रवा	स्के

(१३५)

ग	म-रेग	म	ग	साप	-	३	पघ
बा	SSSS	SS	सो	तूS	S	S	मोहे
X		०		२		०	

ध	मेप-—म-	गम	ग	गमध-
	भाSSSSSSS	SS	वे	लाSSS
	३		४	

मंग	गरेग-	-रे	सा	रे रेसान्नीसा-—	नीध	नी	रेग--
ओ	गSSS	Sर	वा	रेSSSSSSS	पिया	प्या	रेSSS
X		०		२		०	

गमध-
SSSS
३

अंतरा

मध	सांघां
तूS	जिन
४	

सांसां	-र	सां	-	नीध	नी	-	रैनी
लजा	व	ई	S	तूसि	तू	S	बडो
X		०		२		०	

(१३६१)

ध	पप-मे	गम	रे
भा	SSSS	SS	ग
३		४	

गम	ध	सां	नीरें	नीध	पप-मे	गम	रे
सोला	ऽल	छ	नीऽ	नाऽ	SSSS	SS	ग
×		०	२				र

गम	मंग	रेसा	नीरे
SSSS	रिया	रवा	ऽके
३		४	

स्थायी के आलाप

(१) बा	सा	नीरे	नीध	प	म'व
×	०	२	३		
		सा	पिय	रवा	ऽके
		३	४		

(२) बा	सा	नीरे	ग	मंग
×	०	२	०	
		रेसा	पिय	रवा
		३	४	ऽके

(१३७)

(३) बा - | नीरे | गमे | प | धमे- | -मे | गम |
 × ° २ °

रे
 | -ग | पिय | रवा | जे |
 ३ ४

(४) बा - | नीरेगम | प | मध | प | धमेपमे | गम |
 × ° २ °

रे
 | -ग-रेसा | पिय | रवा | जे |
 ३ ४

(५) बा S | नीरेगमे | प | मध | नी | धा-मे | गम |
 × ° २ °

| ग-रेसा | पिय | रवा | जे |
 ३ ४

(६) बा S | मे-धमे | सां | नीरे | नीधप- | मेधनीध | प-मे |
 × ° २ °

रे
 | गमग- | पिय | रवा | केS |
 ३ ४

(१३८)

(७) बा ५ | मंघनी- सां | नीरें सां | नीधरमं गमग- |
 × ° २ °

| रेसा पिय | रवा केऽ |
 ३ ४

(८) बा ५ | ग-रेसा पमंघप -मंनोघ सांनीरेंनी | धप-मं ग-मंघ |
 × ° २ °

| मगरेसा पिय | रवा केऽ |
 ३ ४

(९) बा ५ | गमंघनी सा | नीरें गं-रेंसां | रेंनोघन मंघमंग |
 × ° २ °

| रेसा पिय | रवा के |

अंतरे के आलाप

(१) सा - | नीरें सां | नीधरमं गमं | धमां - |
 × ° २ °

| मेघ सां | तूऽ जिन |
 ३ ४

(१३६)

(२) सां नी | घ प | मंघनीसां रेंगां | नीधसां- - |
 X ० २ ०

| गमंघ- सां | तूऽ जिन |
 ३ ४

(३) मंघमं- सां | नीरें सां | गं रेंसां | सांनी घप |
 X ० २ ०

| मंघनीसां धनीसां- | तूऽ जिन |
 ३ ४

(४) मंघमं- सां | नीरें गं | रेंसां मं'गं | रेंसा नीधपमं |
 X ० २ ०

| मं' धनीसां- | तूऽ जिन |
 ३ ४

स्थायी की बोलतानें ।

(१) बाऽ नीरे | सा नीध नीध प मं'घसा- |
 पिय र बाऽ ऽके बा ऽऽऽऽ
 X ० २ ०

(१४०)

सा	मंग	रेसां	नीरे
सो	पिय	रवा	ऽके
३	४		

(२) -I S	नीरे	नी-रेग	- -गरे	गमग-	गमंग-	पध
	पिय	रऽवाऽ	ऽऽकऽ	बाऽसोऽ	तूऽऽऽ	मोहे
×	०	२			०	

धमंगमं	गमग-	धमंग-	रेनी-रे
आऽऽऽ	ऽऽवेऽ	पियरऽ	बाऽऽके
३	४		

(३) बा S	गमंग-	पप	धप	प	मंधनी-	नीधप-
	पिऽऽऽ	यर	वाऽ	के	बाऽऽऽ	सोऽऽऽ
×	०	२			०	

धमंग-	मंगमग	पियरऽ	बाऽऽके
तूऽऽमो	हेभाऽवे		
३	४		

(४) बा S	गमधनी	-नी	धप	मंधनीसां	नीधप-	पधमंग
	पियरऽ	ऽवा	ऽके	बाऽऽऽ	सोऽऽऽ	तूऽमोहे
×	०	२			०	

-मंग-	मग	पियरऽ	बाऽऽके
ऽऽभाऽ	ऽवे		
३	४		

(१४१)

(५) बा S | मंगमध सां | -सां रेंसांसां- | नीरेंनीध नीध- |
 पियर वा | Sके बासोऽ | तूऽऽऽ मोऽहेऽ |
 × ० २ ०

धमेपग म-ग-मेगरे सा | पियरऽ बाऽऽके |
 भाऽऽऽ SSSवेऽऽऽ |
 ३ ४

(६) बा S | मंगरेवा धमेनीध | रेंनीध नी-रेंगं | नीरेंसां- रेंनीध |
 पियरऽ बाऽकेऽ | बाऽऽऽ तूऽमोहे | भाऽवेऽ लाऽओऽ |
 × ० २ ०

मेपध -मेप-मे गनग- | पीयरऽ बाऽऽके |
 गऽऽऽऽऽऽ वाऽऽऽ |
 ३ ४

(७) बा S | गमधमे सांसां | रेंसांसां- नीरेंगंमं | गंरेंसां- नीसांरे सांनी-ध - |
 पियर वाके | बाऽऽऽ तूऽमोहे | भाऽवेऽ लाऽऽऽऽऽऽ |
 × ० २ ०

पप-मंगमग- नीनीध पमेगरे सा | मंगरेसा -नी-रे |
 SSSगरबाऽ पियऽऽऽप्यारेऽ | पियरवा SSSके |
 ३ ४

(१४२)

स्थाई की ताने

(१) बा ऽ नीरे गगरे सा, नीरे गमं ध पमंगरे सा नीरे गमं ध नीनं ध

X ०

२

पमंगरे सा, नीरे ग मं ध नीसांनो ध पमं गरे सा, नीरे गमं ध

०

नीरे गंगरें सांनो ध पमंगरे सा- - - पियरऽ बाऽऽके

३

४

(२) बा ऽ गगरे सा, नीरे गमं मेगरे सां, ध पमंग रे सा, नीरे गमं ध नी

X ०

२

नी ध पमंगरे सा- नीनो ध पमंगरे सा नीरे गमं ध नीसांरें

०

सांनो ध पमंग, ध नी सांनो ध पमंगरे सा पियरऽ बाऽऽके

३

४

(३) बा ऽ नीरे गरे , गमं पमं ध नीसांनो, ध पमंग रे सा, नीरे ग रे गमं

X ०

२

पमं, ध नीसांनो, रें ग मंगरें सांनो ध पमं गरे सां, नीरे गमं ध

०

नीरें गमंगरें सांनो ध पमंगरे सा- - पियरऽ बाऽऽके

३

४

(१४३)

(४) बा ५ | नारे गमंग रे, गमं ध नी ध मं, ध नी सारें | सां नी, मं ध नी ध पमं

X ०

२

ध पमंगरे सा-- | गमं ध नी ध मं, ध नी सारें सां नी, रें गमंग |

०

| रें सां, नो सारें सां नी ध मं ध नी ध पमंगरे | पियर ५ वा ५ ५ के |

३

४

(५) बा ५ | नारे गमं, गमं ध नी ध पमंगरे सा-- | गमं ध नी, ध नी, रें गं

X ०

२

रें सां नी ध पमंगरे | गमं ध नी, ध नी रें गं रें गमंग रें सां नी ध |

०

| पमं, रें सां नी ध पमं नी ध पमंगरे सा-- | पियर ५ वा ५ ५ के |

३

४

(६) बा ५ | गंगरे सा, ध पमंग रे सा, नी नी ध पमंग रे सारें रें सां नी ध प

X ०

२

मंगरे सा, मं गं रें | सां नी ध पमंगरे सा गंग रें, मं गंग, नी नी |

०

| ध रें रें नी, गंग गं रें सां नी ध पमंगरे सा | पियर ५ वा ५ ५ के |

३

४

(१४४)

(७) बा S | पध पध मं'मं' मंगरे सा, ध नीध नी | ध प, मं'मं'मं'मं

X °

२

रे सा, सां'रे सां'रे नीसां | नीसांनीध पमं, गमं गमेगरे सा- - - |

°

| नीनीनो, गंगंगरे सां नीध पमेगरे सा- | पियरS वाSSके }

३

४

(८) बा S | रे मगपमं'ध मेप गमेगरे सा, रे मंग | पमं'ध पनीध सांनी

X °

२

रे सांनीध प, मं'ध प | नीध सांनी'रे सांग'रे सांनीध प, मं'नीध सां |

°

| नी'रे सांग'रे मं'गं'रे सांनीध पमं'गरे सा | पियरS वाSSके |

३

४

(९) बा S | गरे मं, रे सा, पमं'ध पमेगरे सा, नीध | सांनीध पमं'गरे सा |

X °

२

गं'र मं'गं'र सां, नीध | पमं'गरे सा, गरे मं'ग, नीध सांनी, गं'रमं'

°

| गं'रे सांनी ध, रे सांनी ध प, ध पमेगरे सा | पियरS वाSSके |

३

४

राग मारवा

यह राग मारवा थाट से उत्पन्न होता है। इसमें पंचम वर्ज है और ऋषभ कोमल तथा मध्यम तीव्र है, शेष स्वर शुद्ध है। इसके आरोह में निषाद वा प्रयोग वक्र है। इसका वादी स्वर ऋषभ और संवादी धैवत है, किन्तु कई गुणिजन, वादी ऋषभ और संवादी तीव्र मध्यम मानते हैं, क्योंकि इन दो स्वरों का संबंध षड्ज मध्यम भाव का होता है। जाति षाड़व-षाड़व है। गाने का समय दिन का अन्तिम प्रहर है।

आरोहावरोह स्वरूप

नीरेगमंघनीधसां, नीरें, नीधमंगरे, नीधसां।

पकड़

नीरे, गमंघमंगरे, नीध. सा।

मुक्त आलाप :—सा, नीरे, नीधसा, नीरे, गरे, गमंगरे, रेनीधसा।

नीरे, गमे, मेगरे, रेगमेगरे, गमंगरे, नीधसा। नीरेगमंघ, मंघ, गमंघ, घमंगरे, गमंगरे, रेनीधसा। नीरेगमंघ, नीध, मंघनीध, मेधनीधमंघमंघनीध, घमंगरे, रेगमंघमंगरे, रे, मेगरे, नीधसा। नीरेगमंघ, रेगमेध, नीध, मंघसां, नीरें, नीधसां, नीरेंनीध, मंघनीरेंनीध, रेंनीध, धमंगरे, गमंगरे, रेगमंघमंगरे, रेनीधसा। नीरेगमंघसां, गमंघसां, नीरें, गरें, गमंगरें, मंगरें, रेंनीधसां, नीरें, नीध, मेगरे, गमंघमंगरे, नीधसा।

मुक्त तानें :—नीरेगगरेना, नीरेगमंघगरेसा, नीरेगमंघमंगरेसा, नीरेगमंघनीधमंगरेसा, नीरेगमंघ नीरेंनीधमंगरेसा, नीरेगमंघनीरेंगंगरेंनीधमंगरेसा,

(१४६)

नीरेण भवती रेंगं मं मं गं रें नीधमं ग रे सा ।

गगरेसा, मंमंगरेसा, धधमंगरेसा, नीनीधमंगरेसा, रेंरेंनीधमंगरेसा,
गंगरेंनीधमंगरेसा, मं'मं'गंरेंनीधमंगरेसा ।

नीरेगरे, गमंघमं, घनीरेंनीधमंगरेसा, नीरेगरे, गमंघमं, घनीरेंनीधमंगरेसा,
नीरेगरे, गमंघमं, घनीरेंनी, नीरेंगंरेंनीधमंगरेसा, नीरेगरे, गमंघमं, घनीरेंनी,
नीरेंगरे, रेंगंमंगरेनीधमंगरेसा ।

नीरेगर्म, गर्मधनीधमगरेसा, नीरेगर्म, गर्मधनी, धनीरेंनीधमगरेसा,
नीरेगरे, गर्मधर्म, धनीरेंनी, रेंगर्म'गरेंनीधर्मगरेसा ।

नीरेनी, रेगरे, गमंग, मयम, धनीध, नीरेंनी, धनीध, मंगम, गमंग,
रेगरे, सा ।

राग मारवा

बड़ा ख्याल, ताल (तिलवाडा)

पिया मोरे मनत देन गइल ना ना जानू कब लो आव ।
उनके दरस देखने को ग्रिथियां तरस रही, उन बिन मोहे न भाव ॥

स्थार्डि

सा नी रे ग मं ध मं ग रे सा सा सा नी
पि या ऽ मो रे अ न त दे ऽ स ग ई
३ × ३

(१४७)

रे - नीध - नी रे मे ग रे न रे ग रे सानीसा - सा ध - ध
 ल S वाS S ना जा नू क व लो SSSS SSSS आ S S S
 ० ३ X २

नी रे सा

S व ई

०

अंतरा

मंघ सां सां सां सां सां - सां नी रें सां - सांमां सां सां सां
 उन के द र स दे S ख वे S को S मखि यां त र
 ० ३ X २

नी रें - नीध मंग रे - गमं धध सां सां सां सांनी रें रें ध
 स S S रS हीS S S उन विन मो हे क छुS S न भां
 ० ३ X २

नी रे सा

S व ई

०

नोट :—मारवा राग का यह बड़ा ख्याल तिलवाडा या घीना त्रिताल में गाया जाता है इसकी घोड़ि जलद याने एक मात्रा में चार स्वर तैयार तान में आये, इतनी रहती है। इसलिये इस ख्याल की तानें, एक मात्रा में चार स्वर के हिसाब से लिखी गई हैं। शिक्षकों को और विद्यार्थियों को इस लय पर ध्यान देना आवश्यक है।

स्थायी के आलाप

(१) म न त S सा - रे नी ध - नी रे - नी ध सा - पि याS मो रे

X

२

०

३

(१४८)

(२) अ न त ऽ | नूरे - ग रेसा | मं ग रेनी ध | सा -पि याऽ मोरे |

X २ ० ३

(३) अ न त ऽ | नूरे - ग मं | मंग रे नूरे नोध | सा -पि याऽ मोरे |

X ० २ ३

(४) अ न त ऽ | नूरे ग मं ध | धमं ग रे मंग रेनी | धंसां -पि याऽ मोरे |

X २ ० ३

(५) अ न त ऽ | नूरे गमं ध - | नो ध भंघ मंग | रेसा -पि याऽ मोरे |

X २ ० ३

(६) अ न त ऽ | नूरे गमं ध सां | - नूरे नोध मंग | रेसा -पि याऽ मोरे |

X २ ० ३

(७) अ न त ऽ | गमं धनी रें - | नोध सां नोध मंग | रेसा -पि याऽ मोरे |

X २ ० ३

(८) अ न त ऽ | मंघनीरें गं रें - | नोध सा नोध मंग | रेसा -पि याऽ मोरे |

X २ २ ३

(९) अ न त ऽ | मंघसां - नी रें - | मंगं रें - सा नोधमंग रे |

X २ ०

(१४६)

| नीधसा- -पि याऽ मोरे |

३

स्थायी की बोल तानें

(१) अ न त ऽ | नीरे - नीध - | म'ध. सानी रेसां सानीरे- |
पिया ऽ मोरे ऽ | अन तदे ऽस बइलऽ |

X

२

०

| --नीध -पि याऽ मोरे |
ऽऽवास

३

(२) अ न त ऽ | गरे -मं गरे सासा | धनीरे- रे - म'ध |
पिया ऽमो रेअ नत | देऽऽ स ऽ गई |

X

२

०

| रेसा -पि याऽ मोरे |
लवा

३

(३) अ न त ऽ | नीरेध- नीरे - गमं व- | धध - मं - ग - सानीरे |
पिऽयाऽ मोरे ऽ अऽऽऽ | नत ऽ देऽऽस ऽगइल |

X

२

०

| ध. सा, पि याऽ मोरे |
वा ऽ

३

(१५०)

(४) अ न तऽ | धनीरे- गमेध- नीध ध | मेमं धध नीधमेग रेग-रे |
 पिऽयाऽ मोऽरे, अन त | देऽ सध गऽऽऽ इऽऽन |
 × २ ०

नीध- - सा,पि याऽ मोरे |
 वाऽऽऽऽ S
 ३

(५) अ न तऽ | गमेधनी रे नीध सां | नीरे नीध नीधमेग मेऽरेसा |
 पियाऽऽ S मोरे S | अन तऽ देऽऽऽ सऽऽऽ |
 × २ ०

नीरेनीध सा,पि याऽ मोरे |
 गइलवा S
 ३

(६) अ न तऽ | गमेधमे मेधनीध धनीरे- रे | गंरे मं गं रेसां रेरेनीध |
 पिऽऽऽ याऽऽऽ मोऽऽऽ रे | अन तदे सध गऽइल |
 × २ ०

मेगरे- सा,पि याऽ मोरे |
 ३

(७) अ न तऽ | गमेग,मे धमे,धनी धनीरे- मं गं रेसां नीरेरे,ध नीनी,मेध धमंगरे |
 पिऽऽयाऽऽ मोऽऽ रेऽऽ अन तऽ देऽऽऽ सऽऽऽ इलवा |
 × २ ०

(१५१)

सा-नीरे नीध,पिS याS मोरे
 SSSS SS
 ३

(८) अ न त S | गगरेसा मंगरे धधमंग मंगरेसा | मंघनीरें नीरेंरें-
 पिSया मोSSS रेSSS SSSS अSSS नSतS
 × २ २

गरेंनीध नीरें- - नीधमंग रेसा,पिS याS मोरे
 देSSS सSSS गइलS वा
 ३

स्थायी की ताने

(१) अ न त S | नीरेगग रेसानीरे गमंघध मंगरेसा |
 × २

नीरेगमं धनीनीध मंगरेसा रेंनीधमं गरेसा- -पि याS मोरे
 ० ३

(२) अ न त S | नीरेगमं धनीरेंगं गंरेंनीध मंगरेसा |
 × २

(३) अ न त S | नीरेगमं गमंघनी धनीरेंगं रेंनीधमं |
 × २

(१५२)

| गरेसा- धनीरेंग रेंगमंग रेंसां, रेंनी धर्मगरे सा, पि याऽ मोरे |
 ० ३

(४) अ न तऽ | रेगरे, ग मंग, मंघ मं, धनीध मंघमं, ग |
 × २

| मंग, मंघ मंघनी, ध नीरेंनी, ध नीध, मंघ मं, गमग रेसा, पिऽ याऽ मोरे |
 ० ३

(५) अ न तऽ | नीरेगमं धमं, गमं धनीरेंनी धमं, रे |
 × २

| गमंधनी रेंनी, धनी रेंगमंग रेंनीधम धर्मगरे सा, पि याऽ मोरे |
 ० ३

(६) अ न तऽ | गगरेनी धनीरेग मंघनीध मंगरेसा |
 × २

| धधमग रेगमं, नीरेगं रें नीधमंग मंगरेसा पि याऽ मोरे |
 ० ३

(७) अ न तऽ | मंघमंघ मंगरे, ध नीधनी, मं धमंघ, मं |
 × २

| गरेसा- नीरेंनी, रें नीध, मंघ मंघ, गमं गमंगरे सा, पि याऽ मोरे |
 ३

(१५३)

(न) अ न त ऽ | नीरेगरे गमंघमे धनीरेनी मंघनीध |
 × २
 धनीरेनी नीरेगरे धनीरेनी मंघनीध | धमंगरे सा, पि याऽ मोरे |
 ० ३

राग गौड़ सारंग

यह राग कल्याण थाट से उत्पन्न होता है तथा इसकी जाती वक्र संपूर्ण है। इस राग में दोनों मध्यम का प्रयोग किया जाता है, तीव्र मध्यम का उपयोग पंचम के साथ इस प्रकार है 'पमंप'। इस राग का स्वरूप 'गरेमग' इस पर ही विशेष रूप से आधारित है। वादी स्वर गांधार और संवादी धैवत है। गाने का समय दीपहर का है।

आरोहावरोह स्वरूप

सागरेमग, पमंघप, नीधसां,

सां, धनीप, मंप, गरेमगपरेसा,

पकड़

सा, गरेमग, परेसा।

मुक्त आलाप :—सा, धनीप, पधपपसा, सारेसा, सागरेमग, मरेसा।

धनीपसा, सारेसा, सागरेमग, परेसा, सागरेमग, पमंप, गमगरेमग, पधप, धमंप, गमगरेमग, परेसा। सारेसा, ममरेसा, सागरेमग, पमंप, धनीप, मंप, गमगरेमग, परेसा। सागरेमग, पधप, नीधनी, पधपप, सां, सांरेंसां, नीधनीप, परेसा।

(१५४)

पपसांसारेंसां, नीधनीप, पमं, गरेमग, परेसा । पधपपसां, मेपधनी, पधपपसां,
 सांरेंसां, गंरेंमंगंमंरेंसां, सांरेंसां, पसांरेंसां, नीधनी, पधपप, मग, रेमगपरेसा ।
 परेसा, धपमंमगपरेसा । सांनीधनीपधपप, सांगंरेंमंगंमंरेंसांनीधनीपधपप,
 गरेमगपरेसा ।

मुक्त तानें :—सारेसासा, नीधनीपधपपसा, सागरेमगमरेसा,
 सागरेमगपरेसा, सागरेमगपमंमधपपरेसा, सागरेमगपमंमधपनीधनीपधपपरेसा ।
 सागरेमगपमंनीधसांघनीपधपपरेसा । सागरेमगपमंमधपनीधसां, सांगंरेंमंगंमंरेंसां,
 नीधनीपधपपरेसा । सासारेरेसासा, गगरेममगपपरेसा, गगरेममगपपमंमधमंमप
 गममगपपरेसा । गमरेसा, धपपरेसा, मेपधनीपधपममरेसा, मेपधनी, पधपप,
 सांगंरेंमंगंमंरेंसां, नीधनीपधप, गमपपरेसा ।

राग गौड़ सारंग

बड़ा ख्याल—एक ताल (त्रिलंबित)

जिन करो लरकैया सैया छांड दे मोरी बैया सैया ।
 सास ननंद के जाने देहो मेहरबान ना कर बात कन्हैया,
 सैया, छांड दे मोरी बैया सैया ॥

स्थाई

—सा	सारे	सा	सासा
५जी	नक	रो	लर
३		४	

(१५५)

सा	ध	प	पधमप- - - - -	म-गम	गरे	म	ग
कै	या		SSSSSSSS S	सैSSS	याS	S	S
×		०		२		०	

मग	प	-प धनीसां-
छांड	दे	Sमो रीSSS
३		४

सांघ	नी	-प	पधमप- - - - -	म-गम	गरे	म	ग
बैS	स्या		SSSSSSSS S	सैSSS	याS	S	S
×		०		२		०	

अंतरा

प	पसां	सांसां	- - - नीसां
सा	सन	नंद	SSSS
३			४

सां	-ध	नीसां	रें	सांसां	सां, रेंनीसां-	-ध	नीप
को	Sज	नेदे	हो	मेहे	रबाSSS	SS	ज
×		०		२		०	

(प)	मम	प	-प
ना	कर	बा	Sत
३			४

(१५६)

प धनीसां—	—ध	नीप	—	म—गम	गरे	म	ग
कन्हैSSS	SS	स्या	S	सैSSS	याS	S	S
×		०		२		०	

मग	प	—१ धनीसां—
छांड	दे	ज्मो रोSSS
३		४

सांध	नी	—प	पवमप—	—	म—गम	गरे	म	ग
बैS	स्या		SSSSSSSS	S	सैSSS	याS	S	S
×			०		२		०	

मरे	सारे	सा	सासा
Sजि	नक	रो	लर
३		४	

स्थायी के आलाप

(१) कै या	सा	—	धनी	प	पुप	सा
×	०		२		०	

—रे	सा	सासारेसा	—सासा
		जिनकरो	SSलर
३		४	

(१५७)

(२) कै या | सारे -सा | गरे मग | परे -सा |
 × ° २ °

पधपप सा | जिनकरो --लर |
 ४ ३ ४

(३) कै या | सारे -सा | साग रेम | ग मग |
 × ° २ °

प रेसा | जिनकरो --लर |
 ४ ३ ४

(४) कै या | साग रेम | ग पमेध- | प गरेमग |
 × ° २ °

परे सा | जिनकरो --लर |
 ४ ३ ४

(५) कै या | सा मग | प धनी | प मगप- |
 × ° २ °

रे- सा | जिनकरो --लर |
 ४ ३ ४

(१५८)

(६) कै या पधपप सां | नीधनी- प | मंप गमगरे |

X

०

२

०

| मग परे-सा | जिनकरो --लर |

३

४

(७) कै या | पपसां- - | सारें -सां | पधनी प-गम |

X

०

२

०

| परे -सा | जिनकरो --लर |

३

४

(८) कै या | पपसांसां रें | सां गंमंरें- | सां गरेमग |

X

०

२

०

| परे सा | जिनकरो --लर |

३

४

(९) कै या | पधपप सारेंसांसां | गंमंयं- रेंसां | धनीपध पपगरे |

X

०

२

०

| मगप- रेसा | जिनकरो --लर |

३

४

(१५६)

अंतरे के आलाप

(१) को s | सां - | सांरें -सां पधपप सां |
 × ° २ °

| सा सन | नंद SS |
 ३ ४

(२) को s | सांरें -सां नी-धनी पधपप पसां रेंसां |
 × ° २ °

| सा सन | नंद SS |
 ३ ४

(३) की s | सां गरें मं गं भंरें -सां |
 × ° २ °

| सा सन | नंद SS |
 ३ ४

(४) को s | सांरेंसांसां गं गंरें मंगं पंरें -सां |
 × ° २ °

| सा सन | नंद SS |
 ३ ४

(१६०)

स्थायी की बोलतानें ।

(१) कै या | सासा -रे | सा पधप- | सारे सा |
 खिन ऽक | रो लऽरऽ | वैऽ या |
 × ० २ ०

| गरे मग | जिनकरो ऽऽलर |
 सैऽ याऽ | ३ ४

(२) कै या | पधपप सामा | साग -रे | न ग |
 जिऽनऽ करो लर ऽऽ | के या |
 × ० २ ०

| परे -सा | जिनकरो ऽऽलर |
 सैऽ याऽ | ३ ४

(३) कै या | सा-मग पप | धप पम | पम ग |
 जिऽनऽ करो लर कैऽ ऽया ऽ |
 × ० २ ०

| परे -सा | जिनकरो ऽऽलर |
 सैऽ याऽ | ३ ४

(१६१)

(४) कै या | नीसा गरे | मग पधपप | सां सांरेंसां- |
 जिन् करो | SS लऽरऽ | कै SSयाऽ |
 × २ ० ० ०

धपमग मरेसा- | जिनकरो SSलर |
 सैऽSS SSयाऽ |
 ३ ४

(५) कै या | गरेसा- मगप- | नीधप,ध पमग- | पसांरेंसां गंरेंसां,नी |
 जिऽनऽ कऽरोऽ | लऽरकैऽ SSयाऽ | छांऽडदे मोऽरिबै |
 × ० २ ०

धप,मग परे-सा | जिनकरो SSलर |
 SSयासैऽ SSया |
 ३ ४

(६) कै या | प-प -धमं | गमगरे मग | गममग मं,नीध |
 जिऽSSनऽ कऽरोऽ | लरऽऽ SSया | छांऽडदे SSमोऽ |
 × ० २ ०

प,गमग परेसा- | जिनकरो SSलर |
 रिबैऽSSया सैऽSSया |
 ३ ४

(७) कै या | पधपपसां- - रेंसां | गंरेंमंगं मंरेंसां- |
 जिऽSSनऽSS करो | कऽकैऽ SSवाऽ |
 × ३

(१६२)

धरम- - - ग- मंघनी, मंघ, ग मग, गरेमगपप सारेसा-
 सैयाऽऽय्याऽ छांऽऽऽऽदे ऽऽमोऽऽऽऽरि बैऽयाऽ

जिनकरो ५५नर

स्थायी की ताने

(१) के या | सासागरेमग।य रेसा, गरेमगपमो| वपररेसा, सांनीव पममरेमा, रेंसांनी

X ° ३

धवमग, ११ रेसा सारेसासागरेमग मपधनीपधपप सांनीधपममरेसा

जिनकरो ऽऽनर

(२) कै या | गरेमगपपरेसा मंअनोषधप | गमगरेमगपप धपसांनीरेंसांधप

× ° ३

गरे गपमं वप सांनीधपममरेसा पधवधमं पगम गरेमगपपरेसा

(१६३)

| जिनकरो SSलर |

४

(३) कै या | सारैसा, सारैसा, गम ग, गमग, गरेमग | पधप, पधप, नीध नी, पधप, गमग, प |

X

०

२

| धप, पधपपरेसा सांरेंसां, सांरेंभां, नीध | धनी, पधप, गमग गमग, पपरेसा- |

०

३

| जिनकरो SSलर |

४

(४) कै या | मगममरेसा, मगं पपधपपरेसा- | नीधनीपधपपरे सा, नीधपममरेसा |

X

०

२

| रेंसांनीधप, गंरेंमं गंमरेंसांनीधप, सां | रेंसांरें, नीसांनीसांध पधपममरेसा- |

०

२

| जिनकरो SSलर |

४

(५) कै या | रेमग, गमग रेसा मेधर, गमप, रेग | प, गमप, रेसा, मेप धनी, मेपध, गमप |

X

०

२

(१६४)

| रेगम, रेमग, पप रेसा, नीसांरें, मंगध | मंगधनी, पधपप सांनीधपममरेसा |
 ० ३

| जिनकरो SSनर |
 ४

(६) से या | मंगधनीपधपप सांरेंसांनीधनीरध | पप, गंरेंमंगंमंरें सांरेंसांनीधनीपध |
 × ० २

| पपगरेगपप रेसा, गरेमगपमं | धपनीधसांरेंसांनी धप, धपममरेसा |
 ० ३

| जिनकरो SSलर |
 ४

(७) से या | सामगपमंगमंग सामगपमंगमंगनी | धनीपधपपरेसा सामगपमंगमंगनी |
 × ० २

| धसांनीरेंसांनीधप ममरेसा, मंगमंगंमं | सांरेंसांरेंनीसांनीसां धनीपधपपरेसा |
 ० ३

| जिनकरो SSलर |

(१६५)

राग जयजयवन्ती

यह राग खमाज थाट से उत्पन्न होता है। इसकी जाती वक्र संपूर्ण है। इसमें दो गांधार और दो निषाद का प्रयोग होता है। आरोह में 'ग', 'नी', शुद्ध और अवरोह में 'ग' 'नी' कोमल, कोमल गांधार, ऋषभ के साथ, अवरोह में 'रे-रेसा' इस प्रकार से हमेशा आता है यह षड्ज पर आनेका तरिका है। वादी स्वर ऋषभ व संवादी पंचम है। गाने का समय रात्री का अंतिम प्रहर है। यह राग सोरठ अंग से गाया जाता है।

आरोह अवरोह स्वरुप

सा, नीसाधनीरे, रेरेसा, गन्प, नीसां। सांनी धप, धगम, रेरेसा।

पकड़

रेरेसा, नीसाधनीरे।

मुक्त आलाप :—सा, नीधप, रे, रेरेसा। नीसाधनीरे, रेग, गमग, रेरेसा। नीसाधनीरे, रेग, गमपमग, मग, पमग, रेरेसा। रेगमप, नीधप, धगम, रेरेसा। रेगमप, पनीधनी धप, पधगम, नीधप, मग, मगरेरेसा। गमपनीसां, रेसां, सांनीधप, रेसांनीधप, नीधप, धपमग, पमग, मगरेरेसा। रेगमप, मनीधनीधप, धगम, मपनीसां, नीसांवनीरे, रेगरेसां, रेसांनीधप, नीधप, धगम, रेगमपधगम, रेरेसा। मपनीसां, नीसांवनीरे, रेगमपमग, मगरेगरेसां, रेसांनीधप, धगम, रेगमपधगम, रेरेसा, नीसाधनीरे।

(१६६)

मुक्त तानें :—नीसारेगरेसा, नीसारेगमगरेगरेसा, नीसारेगमपमगरेगरेसा,
नीसारेगमपधनीधपमगरेगरेसा, गमपनीसांनीधपमगरेगरेसा, गमपनीसांरेंसांनीधपम
गरेगरेसा, गमपनीसांरेंगंमंगरेंगंरेंसांनीधपमगरेगरेसा ।

नीसारेग, रेगमपमगरेगरेसा, नीसारेगरेगमप, मपधनीधपमगरेगरेसा,
नीसारेग, रेगमप, मपनीसां, नीसांरेंगंरेंसांनीधपमगरेगरेसा ।

रेगरे, गमग, रेगरेमा, रेगरे, गमग, मपम, पधप, गमग, मपम, रेगरे,
गमग, रेगरेसा, रेगरे, मपम, गमग, पधप, मपम, धनीध, गमग, पधप, रेगरे,
मपम, गमग, रेगरेसा ।

रेगरे, रेमम, गपपमगरेगरेसा, मपप, मधध, पनीनीधप, मधधपम,
गपपमग, रेगरेसा ।

राग जयजयवंती

बड़ा ख्याल ताल—भुमरा

बाय (वो) कहां करहो, जिनके पिया परदेस ।
मुख को तंबोल नैनन को री कजरा, पिया के बियोग ॥

स्थाई

सारेग—	रेसा	नीध	नीसा
वाऽऽऽ	यक	हांऽ	कर

अंतरा

रे प म

सांनी धप पधनी-धप | मग ग - | मा म ग रे | ग रे सा नीसा-|-

रा SS SSSS पिया काS - S | कवि यो S S | जा S SSSS

३ X ३ ०

स्थायी के आलाप

(१) हो ऽ ऽ सा - नीध प | रे - रेग रेसा नीसा - रेगरेसा नीधनीसा
 वाऽयक हाऽकर |
 × २ ० ३

(६) हो ऽ ऽ नीध प रे - रिग रेसा - नी | घनी रेसा वाज्यक हाऽकर

X ३ ० ३

(३) हो ऽ ऽ नीसा घनी रे - | रेग - ग मग | रेग रेसा वाऽयक हाऽकर |

(१६८)

४) हो ऽ ऽ रे ग - मप | -ध गम रेग | रेसा नीसा - - वाऽयक हाऽकर |

× २ ० ३

(५) हो ऽ ऽ रेगमप - नीध प धग-म रे-गरे सा धनीरे- सा वाऽयक हाऽकर |

× २ ० ३

(६) हो ऽ ऽ मरध- गम रेग रसा नीध | पसां नीध प-गम |

× २ ०

| रेग रेसा वाऽयक हाऽकर |

३

(७) हो ऽ ऽ मपनी- सां - धनीरें- | -सां नीध प-धग |

× २ ०

| -मरे- गरेसा- वाऽयक हाऽकर |

३

(८) हो ऽ ऽ रेमपनी सां धनी रें | गंरें सां-नीध प-धग |

× २ ०

| -मरेग रेसा वाऽयक हाऽकर |

(१६६)

(६) हो S S | रेमपनी सां-धनी रें गंमं | गं-रेंगं रेंसा नीधपम |
 X २ ०

| गमरे- गरेसा- वाऽयक हाऽकर |
 ३

अंतरे के आलाप

(१) बो SS ल | सां - धनी रें | सां नीध प-मप | नी सां मुख कोतं |
 X २ ०

(२) बो SS ल | नीसां धनी रें - | गंरें सां नीध |
 X २ ०

| प-मप नीसां मुख कोतं |
 ३

(३) बो SS ल | धनी रें रेंगं - -मंगं | रेंगं रेंसां नीधपम |
 X २ ०

| पनी सां मुख कोतं |
 ३

(४) बो SS ल | रें गं मंगरें- गं-रेंसां | नीधपम गमप- मपनी- |
 X २ ०

(१७०)

| सां पनीसां- मुख कोतं |

३

स्थाई की बोल तानें

(१) हो S S | रेनीसा- धनी रे नीघ | प पप रेरे |
 वाSSS यक हा कर | हो कS SR |
 × २ ३

| -ग रेसा वाऽयक हाऽकर |
 SS होS
 ३

(२) ही S S | नीसा धनी रे गम | गम रेग रेसा |
 वाS यक हा कर | SS SS होS |
 × ० २

| मगरे- गरेसा- वाऽयक हाऽकर |
 कऽरS SहोSS
 २

(३) हो S S | रेग ग मप - | धग-म रेगरेसा नीसारे- |
 वाS य कहा S | कSSR SSहोS कऽS |
 × २ ०

(१७१)

धनी प-	रेरे	वाऽयक	हाऽकर
SSRS	Sहो		

३

(४) हो S S	रेगमप	प नी-धप	धमगरे	गरेसा-	रेगमप	सांनीधप
	वाऽSS	य कऽहाऽ	कऽSS	SहोSS	जिनकेऽ	पिऽयाऽ

X

२

०

रेगमग-म-	रेगरेसा	वाऽयक	हाऽकर
पऽSSRS	देऽसऽ		

४

(५) हो S S	रेगमप	नीसां	सां रेंरें	सां	सांनीधप	नीधप,ध
	वाऽSS	यक	हा कर	हो	जिनकेऽ	पिऽया

X

२

०

पमगम	रेगरेसा	वाऽयक	हाऽकर
SSपर	देऽसऽ		

३

(६) हो S S	मपनीसां	सां रेंनीसां	नीरे--
	वाऽSS	य कसाऽक	रहोऽS

X

०

गंरेंसां-	मपनीसांनी	धपम	रेगमपग-म-	रेगरेसा	नी धपनरेग	रेसा
जिनकेऽ	पिऽSSयाऽSS	पऽSSRS		देऽसऽ	हऽरऽदेऽसऽ	

०

१

(१७२)

वाऽयक हाऽकर |

३

(७) हो S S | पगमरेग रेसा— मपम,पमन,नीसां रेंग रेंसां रें नी ग |

वाऽऽयऽकहाऽ कऽररऽऽहोऽ जिनकेऽ निऽऽया

X

२

| मरेगरे सासा— मपध,गमन,रेग |

ऽरदे ऽसऽऽ वाऽऽ+ऽऽकऽ

•

| रेसा— धनी रे— वाऽयक हाऽकर |

ह.ऽऽऽ करहोऽऽऽऽऽ

३

स्थायी की ताने

(१) हो S S | नीसारेग रेसा,नीसा रेग मगरेग रेसा नीसारेगमपमग |

X

२

रेग रेसा,नीसारेग | मपनी धपमगरेग रेसा रेगमपनी सांनी धपमग,मप |

•

| नीसारेगं रेंसांनी धपमगरेग रेसा— वाऽयक हाऽकर |

३

(१७३)

(२) हो S S | मगरेग रेसा, नी ध पमगमरेगे रेसा सां नी धपमगरेग

X २

रेसा, रेसां नी धपमगरेग रेसा, गं रेसां नी धपमगरेग रे रेगमप, मपनीसां |

०

नीसां रेगं रेसां नी ध पमगमरेग रेसा वाऽयक हाऽकर |

३

(३) हो S S | नीसा रेसा, रेगमग रेग रेसा, रेगमग मपधप, पधनी ध मपधप, रेगमग

X २

रेग रेसा, मपधप नीसां रेसां, रेगं मंग रेग रेसां, रेसां नीसां |

०

मपनी ध, गमपम गमरेग रेसा- - वाऽयक हाऽकर |

३

(४) हो S S | रेग रे, रेग रे, मा- गमग, मपम, गम ग, रेग रे, रेग रेसा |

X २

मपम, पधप, मप म, रेगरे, गमग, रे ग रेसा- , धनी ध, ध नी धप, मपम, मप

(१७४)

मग, रेग रेसा — धपमगरेग रेसा वाऽयक हाऽकर

३

(५) हो ऽ ऽ सानीसारे, नीसां, रेग मगरेग रेसा — मगमपमगरेग

× २

रेसा, पमपधपम गमरेग रेसा, सां ती सांरेंनीसांनीध, पम पधमपमग, मप

०

नीसांरेंग रेंसांनी ध पमगमरेग रेसा वाऽयक हाऽकर

३

राग छायानट

यह राग कल्याण षाट से उत्पन्न होता है। इस राग में दोनों मध्यम का प्रयोग किया जाता है, तीव्र मध्यम केवल आरोह में ग्रह्य प्रमाण से लिया जाता है जैसे “पमंप” शुद्ध मध्यम आरोह अवरोह दोनों में लिया जाता है, शेष स्वर शुद्ध हैं। इसमें ‘रेगमनीधप’। या ‘मनीधर’ इन स्वर प्रयोग के साथ अवरोह

में कोमल ‘नी’ का उपयोग होता है। वादी स्वर ‘पंचम’ और संवादी ऋषभ है। जाति वक्र संपूर्ण है। गान का समय रात्री का प्रथम प्रहर है।

आरोह अवरोह स्वरूप

सा, रेग, मप, पधपसां, सांधप, म, ग, मरेसा ।

(१७५)

पकड़

प, रे, गमप, गम, रेसा ।

मुक्त आलाप :—सा, धप, पपसा, रेसा । सारेसा, रेगमरेसा, गमरेसा,
 पधपपसा । रेगमपम, ग, मरेसा, रेग, गम, गमप, धप, मेप, गमरेसा । सारेसा,
 गमरेसा, सा, मगमरेसा, प, धप, म, ग, मरेसा, रेगमनीधप, धपम, ग, मरेसा ।
 रेगमप, गमप, धधप, रेगमनीधप, पपसा, धप, रेंसां, धप, मेप, गम, सारेसा ।
 रेगमप, रे, गमनीधप, पपसां, रेंसां, पसारें, सां, रेंगं, गंमं, रेंसां, रेंसांधप,
 साधप, रेगमनीधा, धपम, रे, सा । सारेसा, गमरेसा, पमगरेसा, धपम, ग,
 मरेसा, सांधप, सांरेंसां, धप, गंमंपमं, गं, मंरेंसां, धप, मनीधप, म, ग, मरेसा ।

मुक्त तानें :—पपसासारेसासा, धनीपपसासारेसासारेगमग, मरेसासा;
 रेगमपमगमरेसासा, रेगमनीधपमगरेसासा, पपसांसांधपममरेसा, सांरेंसांसां,
 गंमंरेंसांधपममरेसा ।

सारेसा, रेगरे, गमग, मपम, गमग, मरेसा, सारेसा, रेगरे, गमग,
 मेपमे, पधप, गमग, मरेसा, पधप, सांरेंसां रेंगंरें, गंमंगं, मंरेंसां, पधप,
 गमग, मरेसा ।

सारेगम, रेगमप, गमरेसा, सारेगम, रेगमप, गमनीधपप, रेगमप
 ममरेसा । सारेगम, रेगमप, मपसांरें, सांरेंगंमं, रेंसांधप, सांधप, ममरेसा ।

सामगपममरेसा, सामगपमेधमेपगमरेसा, सामगपमंधपसांनीरेंसांसांधपममरेसा ।

(१७६)

राग छायानट

बड़ा ख्याल, (तिलवाड़ा)

करत हो मोसो नहो की झुरी झुरी बतीया बनाय ।

बैतो हमे हूँ जानत तुम हूँ जानत सरस जग,

जानत हिय सो हियरा देत जनाय ॥

स्थाई

सा-साग - (सा) -सा |
 कSSS S र स्त |

ग म प म सा
 रे ग रे गमप- | म ग रे सा | (सा) ध धसा प |
 हो S S SSSS | मो S S सो | ने हां किS S |
 X २ ०

धध सां रे-गरे ग--रे |
 झूठि S झूSSS SSSS |
 ३

सारेनीसा- - - - रेग गम | (प) म ग मरे | रेगमप म म रे | सा
 टीSSSSSS S बति यS | ब ना य SS | बSSS ना S S | य
 X २ ०

(१७७)

अंतरा

मप पसां - नीसां

वैतो हमे SSS

सां सां धप मेप- - पधमेप- - - म ग मरे रेरे ग म पमम-
 हूं जा SS SSSS नSSSSSS त S SS तुम हूं S जाSSS
 X २ ०

रे सा पुप सारे
 न त सर सज
 ३

सा सारेसासा- - - धप म पप सां धप म ग ग-मरे सा रेसा
 ग जाSSSSSS नत हि यसो S हिय रा S देSSS त जना
 X २ ०

- - नीसा
 SSSS

स्थायी के आलाप

(१) हो S सा - ध प पुप सा रेसा रेग गम - रे सा कSSS डर डत
 X २ ० ३

(१७८)

(२) हो - सा - | धधपप सा - रे सा | रे ग गम सारे | सा कSSS SR स्त |

X

२

०

३

(३) हो S सा - | रेग - ग - म प | म ग नरे सारे | सा कSSS SR स्त |

X

२

०

३

(४) हो S रेग मप - | गम नी धप | धमप - म ग मरे | -सा कSSS SR स्त |

X

२

०

३

(५) हो S रेगमप - | पपसां - - सां धप | गामनी - धप म गम |

X

२

०

| रेसा कSS SR स्त |

३

(६) हो S पधपप सां | सांरें - सां सांध प | पःतांसां रेंसां धप मग-न |

X

२

| रेसा कSS SR स्त |

३

(७) हो S गमरेसा पधप - | म-रेसा गमनी ध प पपसांसां |

X

२

(१७६)

॥ रेंसां गं-मरें सां धपमग ॥ मरे-सा क^{SS} ऽर ऽत ॥

(८) हो ४ रेगमम मप- - नी धप- पधरपसां- - - रेंगंगंमं - रेंसां-
 × ३

सारेसांसांघपप सां-घप मग पघपपग-म- | सारेसा- कSS डर St |

अंतरे के आलाप

(१) ह्रं ऽ सां - | पधपप सां सां - सां | सांघ प्र-गम नी धप- पधपप |

X ३ ०

सां वेतो हमं ssss

२) क्यं ऽ सां - | रें गं रें सां | मं रें सां ध प प रें - |

सां वेतो हमे SSSS

(१६०)

(३) हं ऽ सां धप | रेंसां धप गंमरें- सां | धप गमपध पप सां |

X

२

०

सरिं-सां वेतो हमे SSSS |

३

(४) हं ऽ रेंगं गंमं | पंमं -गं मंरें सां | रेंगंमं रेंसां रेंसांधप गंमरेंसां |

X

२

०

धपसां- वेतो हमे SSSS |

३

स्थायी की बोल तानें

(१) हो ऽ सा रेरे | ग गम मरे -सा | सारेजीसा- - - - धध साप धध |

X

२

०

सा कSS SR ST

३

(२) हो ऽ सारे रेग | गम प पधमप- - - - रे | रेग -म मगम- रेसापसा |

कर स्तहोऽ मोSSSSSS सो नेहा ऽकि भूSSS टिऽबति

(१८१)

रेसा कऽऽ ऽर ऽत
 ऽया
 ३

(३) हो ऽ पसा रेसा / पधमं प मग परे गमनो- धप पधमं प मग मरे
 कर तहो मोऽऽऽ सोऽ नेहा ऽऽऽऽ कीऽ भूऽऽऽ टीऽ बति
 × २ ०

सारेसा- कऽऽऽ ऽर ऽत
 ऽयाऽ
 ३

(४) हो ऽ पधपप सां रेंसां सांध -प पसांरें-
 कऽऽऽ र ताहो मोऽ ऽसो नेऽऽऽ
 × २

सांध-प गमनीध प-मग मरे सारेसा- कऽऽ ऽर ऽत
 हाऽऽकि भूऽऽऽ टीऽभूऽ ऽटि बतियां
 ३

(५) हो ऽ सासारे- ग-गम प-पधमं प मग पपसांसांरें- सांध-प
 कऽऽऽ तऽहोऽ ऽऽऽऽमोऽऽ सोऽ नेऽऽऽऽऽऽ हाऽऽकि
 × २

पधमं प-ग- मरेसारे सा पपसांसांरें-सांसां
 भूऽऽऽऽऽऽ ऽटिबति या बऽऽऽऽऽऽऽ

(१८२)

धपममरेसा--	कSS	SR	ST
SSYSSSSS			

३

(६) हो S प-प-प-प- | रे-रे- गमरे- सा गमपनी |

कSSR SSतS | SSहोS मोSS सो नेSSहा

४

२

सारेंसां-	रेंगमंरें	सारेंसां-	प-सां-रें-सांसां
SSकोS	भूSSटि	भूSSटीS	बSतिस्याज्बS

•

धपममरेसा--	कSS	SR	ST
नाSYSSSSS			

३

(७) हो S सारेनीसा, पधर्मप ममरेसारे-ग- | गमप- रेगमनी ध-प-

कSSSRSSS तSहोSमोSSS | सोSSS नेSSहाSकिS

X

२

पधपपसां--	रेंगमं-रें-सां-	मरें-सांसां-ध-प	पपरेरेगमप-
भूSSटीSSS	भूSSटीSSS	बतिस्याबताSY	करतहीमाज्जोS

•

रेगमनो धधप-	रेगमपसांरेंसां	सांसांधपममरेसा	कSS	SR	ST
भुटिभुटिबतियाS	बSSतS	येSSSSSSS			

३

(१८३)

स्थायी की ताने

(१) हो S S S | पपसासारेरेसासा सासाधनी पपसासा रेरेसासारेगमग

X २

मरेसासा, रेगमप | मगमरे, सारेसासा मगमरेसारेसासा पपमगमरेसारे

०

सासा, रेगमप, गम | नी धपपममरेसा कSS S२ अत |

३

(२) हो S S S | पपसासारेरेसासा रेगमगमरेसासा रेगमपमगमरे

X २

सारेसासा, रेगमध | पप, गमनी धपप सांसांधपमंधपप मगमरेसारेसासा

०

रेगमधपप, गम | सांसांधपगमरेसा कSS S२ St |

३

(३) हो S S | पपसासारेरेसासा सारेगमधधपप पपसांसारसासा |

X २

(१८४)

रेंगंमंरेंसांसां | पधप,सांरेंसांसां धपममरेसा,रेग रे,गमग,मपसांसां |

०

धपममरेसा,सांसां | धप,धपममरेसा कSS SR St |

३

(४) हो S S S | गंSमंSरेंसां,सांS रेंSसांमां,पधS पपगSमSरेसा

X

२

सासासा,रेरेरे,गग | ममधधपप,पप प,सांसांसां,रेंरेंसांसां पपधधपपरेंरें |

०

सांसांधप,गमनी ध | पप,धपममरेसा कSS SR St |

३

(५) हो S S S | रेगमरेसासा,रेग मपममरेसा,रेग मनी धपममरेसा

X

२

पपसांसांधपमम | रेसा,सांरेंसांसांधप रेंगंमंरेंसांसांधप गंमंरेंसांधप,रेंसां

०

धप,धपगमरेसा | रेगग,गमम,मप कSS SR St |

३

(१८५)

(६) हो S S S | मासारेरेसासा, रेरे गगममधधपप रेरेरे, गगग, मम

X

०

धधपप, पधपप | मगमरेसासा, पप प, सांसांसां, रेरेसांसां रेरेगंगमंमरेरे

०

सांसां, रेरेसांसांधप | सांसांधपममरेसा कSS ऽर ऽत |

३

(७) हो S S S | सारेग, रेगम, गम प, रेगम, गमप, ग मनी धपप, रेगम |

X

२

| गमप, मगम, रेसा | मंध, गमप, सांसां रे, सांसांसां, पधपग मग, मगम, सारेसा |

०

रेगमपम, पसांसां रेसांधपममरेसा कSS ऽर ऽत |

३

(८) हो S S S | गमगमरेसा, पध पधमै, गमगम रेसा, गमगपपसां |

X

२

सांसांसांधपमम | रेसा सांरे | रेरेसांसां न सांधप, मः मप गमगमरेसा, गम

०

(१८६)

गंमं, सारें सारें सांसां | धप, धममरेसा कSS SR जT |

३

राग कामोद

यह राग कल्याण थाट में उत्पन्न होता है, इस में दोनों मध्यम का प्रयोग किया जाता है, शेष सब स्वर शुद्ध हैं। तत्र मध्यम का प्रयोग, छायानट की तरह, श्रुत्य प्रमाण में केवल आरोह में पंचम के साथ किया जाता है, गंधार अवरोह में वक्र है, निषाद का प्रयोग श्रुत्य प्रमाण में होता है। आरोह में रे प संगती राग को स्पष्ट करती है। इसका वादी पंचम और संवादी ऋषभ है, जाति वक्र संपूर्ण है। गान समय रात्री का दूसरा प्रहर है।

आरोह अवरोह स्वरूप

सारे, प, मं, प, धपसां, सां, नीध, प, गमप, गमरेसा।

पकड़

रे, प, गमप, गमरेसा।

मुक्त आलाप :—सा, रे, सा, धप, पधप, सा, सारे, सा। सा, रेप, गमप, गमरेसा, मरेसा, पगम, रेसा, रेप, धधप, मं, गमधप, गमप, मरेसा। सारेप, सारेसा, रेप, पधपसा, रेसा, रेप, धत्रप, सां, धप, गमप, गमधप, धमप, गमरेसा। मरेप, सारेसामरेप, पधपसा, रेसा, मरेप, गमप, सांघ, प, रेंसांघप, गमवर, धमं, गमरेसा, सासारेसासा, रे, गमप, पपत्रप, सां, सारेंसां, गंमरेंसां,

(१८७)

मंरेंसां, रेंसां, धप, पधपप, सांधप, धप, गमप, गमरेसा, मरेसा, पपगमरेसा,
 धपममरेसा । सांधा, गमप, ग-ा, रेसा, रेंसां, धप, मंरेंसां, रेंपं, गंमंरेंसां, धप,
 गमधप, गमप, गम, रे, सा ।

मुक्त तानें :—सारेपगमरेसा, पृधपृसासारेसा, रेपगमरेसा, सारेप,
 धपमपगमपगमरेसा । सारेपपधपसांधपगमधप, गमपगमरेसा । पपसांसांरेंसांनीधप,
 मपधप, गमपगमरेसा । रेंसांधप, मरेंसांधप, गम-गमरेसा । मपसांसांरेंसांसांगंमं
 रेंसांधपगमपगमरेसा ।

सारेसासाममरेसारेपगमरेसा, सारेसासा, पधपप, गमधप, गमपगमरेसा ।
 सारेसासा, पधपप, सांरेंसांनीधप, मपधप, गमपगमरेसा, सारेसासा, पधपप,
 सांरेंसांसां, गंमपंगमंरेंसां, मंरेंसांसांधप, गमधप, गमपगमरेसा ।

सामरेपमंधपगमरेसा, सामरेपमंधपसांनीधप, गमरेसा, सामरेपमंधपसांनी
 रेंसांनीधप, ममरेसा, सामरेपमंधपसांनीरेंसांमंरेंसांनीधपममरेसा ।

राग कामोद

बड़ा ख्याल—एक ताल (त्रिलंबित)

सबन धन वारू जो पिया आवे मोरे मंदर ।

तन मन धन सब वारू बालम पर

पलकन डगर बीहारू ॥

(१८८)

स्थार्ई

—सा	मरे—	प	प	धप
ऽस	बऽऽऽऽ	ऽ	न	धन
	३		४	

म	प	ग	गमप—	मरे—	सा	—	मरे	सा
बा	ऽ		ऽऽऽऽ	ऽऽऽऽ	रु	ऽ	जोऽ	ऽ
×			०		२		०	

सा	प	पध	—प
ध	प	पध	—प
पी	या	आऽ	ऽवे
३		४	

म	प	ग	गमप—	—	पग	मरे	—सा	—सा
मो	ऽ		रेऽऽऽ	ऽ	मंऽ	ऽद	ऽर	ऽस
×			०		२		०	

मरे—	प	प	धप
बऽऽऽ	ऽ	न	धन
२		४	

(१८६)

अंतरा

पप ()	सांसां ()	-रे ()
तन	मन	ध

४

सां	सांघ	सां	रेंसां ()	घ	प	गमप- ()	-म ()
न	बाऽ	रु	बाल	ऽ	म	SSSS	SP
×	•			२		•	

रे	सा	मरे ()	पप ()
ऽ	र	पल	सन
३		४	

घप ()	सां	घ-पप ()	-ग ()	गमप- ()	गम ()	रे	सा,सा ()
डग	र	बोऽहाऽ	SS	SSSS	SS	ऽ	रुऽ
×	•			२		•	

मरे- ()	प	प	घप ()
धSSSS	ऽ	न	घर
३		४	

(१६०)

स्थाई के आलाप

(१) वा ऽ सा - ध प सारे -सा |
 X ० २ ०

मरे, सारे पप धप |
 सब ऽन धन |
 ३ ४

(२) वा ऽ सारे -सा भरे प गमप- गम |
 X ० २ ०

रेसा, सब ऽन धन |
 ३ ४

(३) वा ऽ सारे प ग-म धप गमप- गम |
 X ० २ ०

रेसा सब ऽन धन |
 ३ ४

(४) वा ऽ सारेसाता मरे प सां धप गमप- |
 X ० २ ०

(१६१)

मरे-मा सब ऽन धन
३ ४

(५) वा s पधपप सां सांरें -सां सांध-प गमप-
X ० २ ०

रेसा सब ऽन धन
३ ४

(६) वा s मरेप- गमध- -प पसांरेंयां धर पगमसा
X ० २ ०

रेसा सब ऽन धन
३ ४

(७) वा s मरे-सा पगमरे -सा, धप गमरेसा सांधप, रें सांधप-
X ० २ ०

गमरेसा सब ऽन धन
३ ४

(८) वा s मरपनां सांरें-सां गमरेंसां मरें-सां धप-ग मध-प
X ० २ ०

(१६२)

गमरेसा	सब	५न	धन
३		४	

अंतरे के आलाप

(१) न	५	सां	-	धप	सां	पपसां-	रें
×		०		२		०	

-सां,	तन	मन	-ध
३		४	

(२) न	५	सां	धप	गमध-	प	पधप	सां
×		०		२		०	

रेंसां,	तन	मन	-ध
३		४	

(३) न	५	पधप	सां	रें।	गंमरें-	सां	गमधप
×		०		२		०	

सां,	तन	मन	-ध
३		४	

(. १६३)

(४) न S | सां-धप गमरेसा | मरेपम धपसां- | गं-मरें सां-पध |

X

०

२

०

| पपमां- तन | मन Sध |

३

४

स्थायी की बोलताने

(१) वा S | साध-प पसां | रे सा गमत्र- प- म |

सऽऽन

धन

S

न

वाऽऽऽऽ

ऽऽऽऽ

X

०

२

०

| सारेसा- सब | Sन धन |

रुऽऽऽऽ

३

४

(२) वा S | मरे साम रेप -प गमत्र- प-गम |

सब

नध

नवा

ऽरु

वाऽऽऽऽ

ऽऽऽऽ

X

०

१

०

| सारेसा- सब | Sन धन |

रुऽऽऽऽ

३

४

(१६४)

(३) वा	५	मरेप =	-प	धप	गमपग	मरेसा-	मरेप
		सऽवऽ	ऽन	धन	वाऽऽऽ	ऽरूऽऽऽ	वाऽऽऽ
×	०			२		०	

धप	सब	ऽन	धन
ऽरू			
३		४	

(४) वा	५	पधपप	सां	धप	पमांरें-	सांसां	सांनग
		सऽवऽ	ऽ	नऽ	धनवाऽ	ऽरू	सबनध
×	०			२		०	

मरे-सा	सब	-न	धन
नवाऽरू			
३		४	

(५) वा	५	ममसारे	सा-नरे	पय	गमधप	सारेंसां-	सांधपग
		सऽवऽ	नऽधन	वारू	जोऽऽऽ	पीऽयऽ	प्रावेमोरे
×	०			२		०	

मरे-सा	मय	-न	धन
मंदऽर			
३		४	

(१६५)

(६) वा ऽ प-मारे-रे-सा- गमध-प-पसां | रेंसां- गंमंसांरेंसांसांघ-
 सऽऽऽबऽनऽ धऽऽऽनऽवाऽ ऽरूऽऽऽ जोऽपिऽऽऽयाऽ
 × ० २

पधपपग-गम प-प-गमसारे | सा-धपममरेसा सब | -न न
 ग्राऽऽऽवेऽभोऽ ऽऽरेऽमंऽदऽ रऽऽऽऽऽऽऽऽ
 ० ३ ४

(७) वा ऽ सारेसा,ममरे,पप धपप- | प्रधप,सांरेंसां,रेंसां मंरेंसांरेंसांसांघप
 सऽऽबऽनऽ ध नऽ वाऽऽऽऽऽरूऽ जोऽऽऽऽऽऽऽ
 × ० २

पपसांसांरेंरेंसांसां गमप,गमध,पप | गमप,गमरेसा- सब
 पिऽऽऽऽऽयाऽ मोऽऽरेऽमंऽ दऽऽरऽऽवाऽ
 ० ३

-न धन
 ४

स्थाई की ताने

(१) वा ऽ पधपपसासारेरे सासा,ममरेसा,मरे | पपगमरेसा,मरे पपधपगमरेसा
 × ० २

(१६६)

मरेपपधप, सांरें सांसांधपममरेसा सांसांधपममरेसा सब

५ धन

(२) वा ५ सारेसासा, ममरेसा पपगमरेसा, धप गमरेसा, सांधपप

गमरेसा, रेंसांधप गमरेसा, गमरेंसा रेंसांधप, धपगम

धधपप, गमरेसा सब ५ न न

(३) वा ५ सारेमरे, ममधन पसांरेंसां, मांरेंमंरें सांरेंसांमंरेंसां, पसां

परेंसांध, गमगध पपधपममरेसा पपप, सांसांसां, रेंरें

(१६७)

| सांसांधपमरेसा सब ऽन धन |

३

४

(४) वा ऽ | सामरेपगमरेसा सामगपमधपप | गमरेसा, सामरेप

X

•

२

मधपसांधपगम | रेसा, सामरेपमध पसांनोरेसांमरेसां |

•

| धपधपममरेसा सब -न धन |

३

४

(५) वा ऽ | साममरे, रेपम गधधप, रेपमम | गमरेसा, सा .मरे

X

•

२

रेपमम, गधधप | पसांसांध, सांरेरेसां रसांसां, पधध, गम |

•

| गमधपगमरेसा सब -न धन |

३

४

(६) व ऽ | सामरेसा, रेपमग मधपम, रेपमग | मरेसासा, रेपमग

X

•

२

(१६८)

मंघपमं, पसांघप | धरेंसांघ, पसांघप | गघपम, रेपमग

०

| सांसांघपममरेसा सव | ५न घन |

३

४

(७) वा ५ | ममरेसां, दमम रेसा, सांसांघपमम | रेसा, रेंसांसांघप

×

०

२

मंमंरेंसांघप, सांसां | घप ममरेसा, रेम रेपमेघपसापरें

०

| सांसांघपममरेसा सव | ५न घन |

३

४

॥ इति ॥



शुद्धि पत्र

पृष्ठ	लाइन	कालम/खाना	प्रशुद्ध	शुद्ध
3	4		प्राचीन	प्राचीन
17	8		कहि	कही
17	स्वर			
17	विस्तार 5		पर	परे
18	1	1	ध-परे	ध - परे
18	1	2	रक ऽ हि	ऽ र क ऽ हि
18	2	1	सा - ग मग	सा - ग मग
			का ऽ हे नाऽ	का ऽ हे नाऽ
18	2	3	रे ग गम प	रे ग गम प
			ह म री ऽ ऽ	ह म री ऽ ऽ
19	6		याई	माई
20	7	4	गम पध पप	ग म पध पप
23	9	2	2	3
24	1	3	रेग म रे मग	रेग म रे मग
24	अन्तिम	2	(गम) नीध पप गम	(गम) नीध पप गम
25	1	2	2	3
25	2	2		3
25	5	2	2	3
25	6	2	2	3
26	1	2	2	3
26	2	2	2	3
26	3	2	2	3
26	4	2	2	3
26	5	2	2	3
27	1	2	2	3
27	2	2	2	3

(2)

पृष्ठ	लाइन	कालम/खाना	अशुद्ध	शुद्ध
26	5	3	सं(सं)	सं(सं)
28	1	4	म पप	मे पप
28	2	2	धनी संध	धनि सं ध
28	2	3	धप	धप
29	10	2	0	2
29	10	3	2	0
30	8	1	कु s	लुs
33	2	1	म	मं
33	1	3	हि	रि
34	1	1	ध	ध.
34	1	2	ध	ध.
35	अन्तिम	2	9	0
36	4	4	ध प	ध प.
36	5	3	1	2
38	3	4	धप	धप
39	2	2	2	3
40	4	4	मंमं रे सं धप गम	मंमं रे सं धप गम
40	5	2	रेप मरे रेप मध	रेप मरे रेप मेध
40	7	3	गंमं रे सं सं रे सं सं	गंमं रे सं सं रे सं सं
40	अन्तिम	4	सं रे स, स	सं रे सं सं
40	अन्तिम	5	म	गम
43	2	1	डा	दा
43	2	4	प पमे धप मत्र	प पमे धप मग
43	7	3	0	2
45	4, 5	1	पध मेप	पध मेप
			पिs युs	पिs युs
45	4	4	नी	नी
45	3	4	नी	नी
45	4	2	s युs	पीs युs

(3)

पृष्ठ	लाङ्च	कालम/खाना	अशुद्ध	शुद्ध
46	अन्तिम	2	धप मग रेस निःस	धप मग रेस निःस
47	1	2	2	3
47	2	2	2	3
47	3	2	2	3
47	4	2	2	3
47	5	2	2	3
47	6	2	2	3
47	7	2	2	3
47	8	2	1	2
47	6	5	चिन्ह नहीं	0
47	3	5	सां	सा
48	2	4	चिन्ह नहीं	3
48	5	3	- सा	- सा
49	8	4	र आऽ यावे	रे आऽयावे
50	9	1	सगं रेंमं गंमं रेंसं	सगं रेंमं गंमं रेंसं
51	7	2	मे घ	मेघ
52	1	4	मप	मेप
54	3	4	य	म
55	3	3	2	0
55	9	3	म	न
58	1	3	ग	ग
60	5	1	0, 3, X, 2	X, 2, 0, 3
62	1	4	रें सरे निःस	रे सरे निःस
62	12	1	धप	धप
63	4	3	निःस	निःस
65	1		धनिसं	ध निःसं
65	5		मेघ मेम रेस	मेघ मेगरेस
67	3	1	रें गं - मे	रेंगं - मे
68	5	1	नी - रे	नि-रे

(4)

पृष्ठ	लाइन	कालम/खाना	अशुद्ध	शुद्ध
69	5	4	नि-रें-सं	नि-रें-सं -
75	15	स्वर विस्तार	मेघ निसं रेंसं	मे घ नि सं रें सं
75	16	„	सं रें सं	सं रें सं
76	अन्तिम	1	ग ग ग	ग ग ग
77	7	1	गं रें में	गं रें में
77	9	1	रें सं रें	रें सं रें
77	9	4	न	नि-
91	5	5	रें -	रें -
91	9	5	सां -	सा-
92	1	4	नीरे - ग	नीरे - म
92	7	1	रें नी घ	रें नाघ
92	7	2	मेग रेस	मेग रे सा
104	4	3	संनि	संनि
112	15	-	अमृत	अमृत
112	15	-	चतुराई	चतुराई
116	8	1	गपधनी	गपधना
117				
120	1	2	सरें सां न धीप धनी	सरेंतंनीधपधनी
130	8	1	रें सं स नीध पधम	रेंसंसीधपधप
134	11	-	पूर्वा	पूर्वी
135	1	1	म - रेग	म - रेग
136	6	1	गमे-	ग मे-
147	1	3	रे न	रे नि
147	1	4	सा घ - ध	सा घ - ध
147	7	4	रें रें घ	रें रें घ
148	1	2	न रे	निरे
148	3	4	ध सं	ध सं

पृष्ठ	लाइन	कालम/खाना	अशुद्ध	शुद्ध
149	3	3	रे सं	रेस
149	13	1	सा, वि	सा, धि
151	5	1	गरेँनिध ध	गरेँनिध
156	8	1	ऽ जि नक	ऽ जि नक
171	3	3	ग रे सा-	गरेसा-
171	13	3	नीधप मरे गरेसा	नीधपमगरेगरेस
176	8	1	क ऽ ऽ ऽ ऽ	क ऽ ऽ ऽ ऽ
176	10	1	ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
178	4	3	गा भ नी-	गमनी-
183	8	2	पप सं सा र र स स	पपसंसंरेंरेंसंसं
188	6	2	पध -प	पधु - प
189	2	2	-रे	-रें

[illegible]

अ. भां. ग. म. वि. मं. प्रकाशन

संगीत विषयक उच्च कोटि का एकमात्र मासिक

संगीत कला विहार

यह मासिक प्रत्येक महीने के प्रथम सप्ताह में प्रकाशित होता है ।

समपादक :- प्रोफेसर बी. आर. देवधर

मासिक की विशेषतायें :-

संगीत के रसिकवर्ग के लिये

नाना प्रकार के गवैय्यों और बजवैय्यों के चरित्र
प्रसिद्ध कलाकारों के आर्ट पेपर पर संग्राह्य छायाचित्र
सामान्य रसिकों से लेकर संगीत विषय विद्वानों तक के संगीत
विषयक लेख
प्रसिद्ध सिनेमा संगीत-दिग्दर्शकों का परिचय व उनके लोकप्रिय
गानों को (नोटेशन सहित) तर्ज
हास्यविनोद-कलाकारों के किस्से
व्यंग-चित्र आदि

संगीत के विद्यार्थियों के लिये

संगीत-शास्त्र विषयक चर्चा
तरह तरह के रागों की यथेष्ट चर्चा व जानकारी
तरह तरह की संगीत परीक्षाओं के अभ्यासक्रम की जानकारी
प्रतीक्षा-प्रश्नों के उत्तर
प्रसिद्ध और अप्रसिद्ध रागों की खानदानों कीजें और उसके नोटेशन
पत्र-व्यवहार व गैरह
वार्षिक शुल्क :- रु. ६ ; बी. पी. से रु. ६।। ; फुटकर मन्त्र ७५ पैसे
विदेश के लिये रु. ८।। (विदेश के लिये बी. पी. नहीं) ।

पत्र-व्यवहार और शुल्क भेजने का पता :-

मेनेजर, संगीत कला विहार, ढाकघर—मिरज (द. सतारा)

